शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

उपचुनाव में एनडीए तीनों सीटें जीतने को तैयार: बीवाई विजयेन्द्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 09 नवंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-309

महाराष्ट्र में चल रहा है वोट-जेहाद

घुसपैठियों को मतदाता बनाने में जुटे हैं 180 एनजीओ

जागरूकता के नाम पर कर रहे हैं मुस्लिमों का ध्रुवीकरण

वोट के लिए बांग्लादेशी और रोहिंग्या के साथ खड़े मुस्लिम

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के शोध में भी पुष्टि

सीएए, एनआरसी और वक्फ पर मुस्लिमों को भड़का रहे

शुभ-लाभ सरोकार

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में अब कुछ ही दिन बचे हैं। जैसे-जैसे मतदान की तारीख 20 नवंबर नजदीक आ रही है, प्रचार, वोटों की लहर और विचारधाराओं की तीव्रता बढ़ती जा रही है। इस बीच, यह बात सामने आई है कि राज्य में मुस्लिम वोटों को जुटाने के लिए करीब 180 एनजीओ जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं। ये एनजीओ खास तौर पर बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को मतदाता बनाने में लगे हैं। ये एनजीओ मुस्लिम समुदाय के बीच जागरूकता बढ़ाने के नाम पर मुस्लिमों को भाजपा के खिलाफ मतदान न करने के लिए भड़का रहे हैं। यही रणनीति हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों के दौरान भी अपनाई गई थी और करीब दो सौ एनजीओ कांग्रेस के नेतृत्व वाले एमवीए की मदद कर रहे थे। यही वजह है कि शिवाजी नगर, मुंबादेवी, बायकुला और मालेगांव सेंट्रल जैसे मुस्लिम बहुल इलाकों में लोकसभा चुनाव के दौरान मतदान का प्रतिशत आस-पास के विधानसभा क्षेत्रों की तुलना में काफी अधिक रहा। इस वृद्धि का श्रेय पिछले साल के दौरान लक्षित प्रयासों के साथ मुस्लिम समुदाय के भीतर बढ़ी हुई तथाकथित जागरूकता को दिया गया। जबकि असलियत कुछ और थी।

खुफिया एजेंसियों की सूचना के अनुसार मराठी मुस्लिम सेवा संघ, 180 से अधिक गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर मतदाता सूची में मुस्लिम मतदाताओं के नाम दर्ज कराने के लिए मुस्लिम समुदायों के भीतर सक्रिय रूप से काम कर रहा है। इनका लक्ष्य बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को अधिक से अधिक मतदाता सूची में शामिल कराना है। इसमें स्थानीय मुस्लिम अधिकारी और कर्मचारी भी एनजीओ का साथ दे रहे हैं। एनजीओ समूह ने राज्यभर में मुस्लिम मतदाताओं के लिए बैठकें और सूचनात्मक सत्र आयोजित किए हैं, जिसमें वोट जागरूकता फैलाने की आड़ में अपने तयशुदा एजेंडा के मुताबिक कांग्रेस के नेतृत्व वाले एमवीए गठबंधन को वोट देने के लिए मुस्लिमों को उकसाया गया। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप लोकसभा चुनाव में 60 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जो पिछले औसत से लगभग 15 प्रतिशत अधिक है। मराठी मुस्लिम संघ के नेता फकीर महमूद ठाकुर ने कहा, हम मुसलमानों को धर्मनिरपेक्ष उम्मीदवारों का समर्थन करने और संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ठाकुर ने यह भी कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक ▶10 पर

महाराष्ट्र की चुनावी रैली में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

कांग्रेस आजादी से पहले की मुस्लिम लीग बन गई है

⇨ जम्मू कश्मीर में फिर से साजिशें करने लगी है कांग्रेस: मोदी

⇨ पवार की चार पीढ़ियां भी 370 वापस नहीं ला सकतीं : शाह

धुले (महाराष्ट्र), 08 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के धुले में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार के गठन के बाद फिर से कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दल पाकिस्तान परस्त साजिशें करने लगे हैं। इनसे देश को संभल कर रहना होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जैसे ही कांग्रेस और इंडी गठबंधन को जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने का मौका मिला, उन्होंने कश्मीर के खिलाफ अपनी साजिशें शुरू कर दीं। दो दिन पहले, उन्होंने अनुच्छेद 370 को बहाल करने के लिए जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया, क्या देश यह स्वीकार करेगा? पीएम मोदी ने कहा, चाहे जितना भी षडयंत्र कर लें, जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 की वापसी नहीं हो सकती।

प्रधानमंत्री कहा, हर किसी का राजनीति में आने पर अपना लक्ष्य होता है। हम जैसे लोग जनता की सेवा करने के लिए राजनीति में आए हैं, जबकि कुछ लोगों के लिए राजनीति का आधार लोगों को लूटना है। जब लोगों को लूटने की नीयत रखने वाले महाअघाड़ी जैसे लोग सत्ता में आते हैं, तो वे विकास को रोकते हैं और हर योजना में भ्रष्टाचार करते हैं। महाअघाड़ी के लोगों के धोखे से बनी सरकार के ढाई साल आपने देखे हैं। इन लोगों ने पहले सरकार को लूटा और फिर महाराष्ट्र के आम लोगों को भी लूटना शुरू कर दिया। ▶10 पर

देश तोड़ने की ताक में कांग्रेस, कर रही संविधान का अपमान

नई दिल्ली, 08 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश की राजनीति से जुड़े अहम सवालों पर एक बार फिर आमने-सामने हैं। कांग्रेस की तरफ से जम्मू-कश्मीर विधानसभा में लाए गए एक प्रस्ताव को समर्थन देने की घटना को भाजपा ने देश के विभाजन का प्रयास बताया है। तेलंगाना में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने कहा, कांग्रेस ने कल जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एक प्रस्ताव को सामरिक समर्थन दिया।इसका उद्देश्य भारत को विभाजित करना है। कांग्रेस पार्टी ने हमारे संविधान का अपमान किया है। ▶10 पर

एएमयू को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने पलट दिया 1967 का फैसला

अल्पसंख्यक दर्जे पर आखिरी फैसला नियमित पीठ करेगी

चार जजों ने पक्ष में और तीन जजों ने विरोध में फैसला दिया

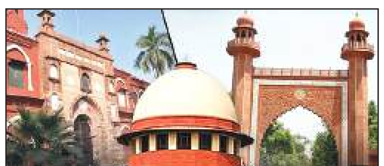

नई दिल्ली, 08 नवंबर (एजेंसियां)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अल्पसंख्यक दर्जे को लेकर साल 1967 का अपना ही फैसला पलट दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अजीज बाशा बनाम भारत गणराज्य मामले में दिए गए अपने पुराने फैसले को पलटते हुए कहा कि अगर कोई संस्थान कानून के तहत बना है तो भी वह अल्पसंख्यक संस्थान होने का दावा कर सकता है। अब अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का अल्पसंख्यक दर्जा बरकरार रहेगा या नहीं, इसका फैसला नियमित पीठ करेगी। सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की संवैधानिक पीठ ने 4-3 के बहुमत से यह आदेश दिया और मामले को तीन सदस्यीय पीठ के सुपुर्द कर दिया।

साल 2006 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को अल्पसंख्यक संस्थान नहीं माना था। उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। जिस पर सुनवाई के दौरान साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की पीठ ने मामले को सात जजों की पीठ के पास भेज दिया था। सुनवाई के दौरान सवाल उठा था कि क्या कोई विश्वविद्यालय, जिसका प्रशासन सरकार द्वारा किया जा रहा है, क्या वह अल्पसंख्यक संस्थान होने का दावा कर सकता है? ▶10 पर

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भारत को बताया महान देश

भारत को वैश्विक महाशक्ति कहा जाना चाहिए

मास्को, 08 नवंबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर भारत की जमकर तारीफ की है और कहा कि भारत और रूस में सहयोग लगातार बढ़ रहा है। पुतिन ने भारत को महान देश बताया और कहा कि भारत की आर्थिक तरक्की और इसकी विशालता को ध्यान में रखते हुए इसे वैश्विक महाशक्तियों की सूची में शामिल किया जाना चाहिए। पुतिन ने रूस के सोची शहर में वालदाई डिस्कशन क्लब नामक कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान ये बातें कही।

पुतिन ने अपने संबोधन में कहा कि हम भारत के साथ अपने रिश्तों को विभिन्न क्षेत्रों में विकसित कर रहे हैं। भारत एक महान देश हैं। यह आर्थिक विकास के मामले में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच भी प्रमुख है। इसकी जीडीपी 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। रूस और भारत के बीच सहयोग हर साल बढ़ रहा है। पुतिन ने सोवियत संघ के समय से भारत के साथ ▶10 पर

पुतिन ने ट्रंप को बधाई दी, उन्हें बहादुर शख्स कहा

मास्को, 08 नवंबर (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने डोनाल्ड ट्रंप को जीत की बधाई देते हुए कहा कि वह यूक्रेन संकट के उचित समाधान के लिए ट्रंप से बातचीत करने के लिए तैयार हैं। पुतिन ने कहा कि वह इस बात से प्रभावित हैं कि आखिर किस तरह ट्रंप ने अपनी हत्या के प्रयास के दौरान खुद को संभाला और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को प्रभावी शिकस्त दी। पुतिन ने ट्रंप को बहादुर शख्स करार दिया। ▶10 पर

दान के मामले में अंबानी-अडाणी से आगे शिव नाडर

नाडर ने दिया 2,153 करोड़ रुपए का दान

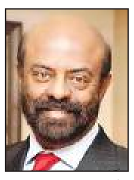

नई दिल्ली, 08 नवंबर (एजेंसियां)। एचसीएल टेक्नोलॉजी के शिव नाडर ने दान देने में सभी अमीरों को पीछे छोड़ दिया है। वित्त वर्ष 2023-24 में नाडर ने 2,153 करोड़ रुपए का दान किया। एक साल पहले की तुलना में यह पांच फीसदी अधिक है। एडेलगिव-हुरुन इंडिया के मुताबिक, रिलायंस के मुखिया मुकेश अंबानी 407 करोड़ के साथ दूसरे और अडाणी समूह के गौतम अडाणी 330 करोड़ के साथ पांचवें स्थान पर हैं।अडाणी, अंबानी, ▶10 पर

कुख्यात आतंकी यासीन मलिक को जेल से छुड़ाने का कुचक्र

यासीन की पाकिस्तानी बीवी ने राहुल गांधी से मांगी मदद

शुभ-लाभ चिंता

⇨ संसद में आवाज उठाने के लिए किया राहुल का आह्वान

⇨ जम्मू कश्मीर को दोबारा नर्क में झोंकने की कोशिशें शुरू

आतंकी गतिविधियों को जम्मू-कश्मीर में अंजाम तक पहुंचाने के लिए कुख्यात जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट का आतंकी यासीन मलिक जेल में बेचैन है। उसने जेल के भीतर अमानवीय व्यवहार का इल्जाम लगाकर भूख हड़ताल शुरू की है और बाहर उसकी पाकिस्तानी बीवी मुशाल मलिक उसके लिए राहुल गांधी से मदद मांग रही है। यासीन की पत्नी मुशाल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चिट्ठी लिखी और अपने पति के लिए मदद मांगी। यासीन मलिक की पाकिस्तानी पत्नी मुशाल ने राहुल गांधी को ही पत्र क्यों लिखा? उसने अपने पति को राहत दिलाने के लिए भारत सरकार को पत्र क्यों नहीं लिखा? स्वाभाविक है कि पाकिस्तानी मुशाल मलिक ने जिसे अपना करीबी समझा उसे पत्र लिखा। मुशाल ने राहुल गांधी से आग्रह किया है कि वो संसद में अपने उच्च नैतिक और राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करें और यासीन मलिक के मामले पर एक चर्चा शुरू करें। कश्मीर में हिंसा का नंगा नाच कराने वाले यासीन मलिक के बारे में मुशाल ने राहुल गांधी को बताया कि उसके पति जम्मू कश्मीर में ▶10 पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

समाज के प्रति समर्पित संस्था है जीतो : साध्वी विपुलदर्शना

जीतो पदाधिकारियों ने किए दर्शन वंदन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जरूरतमंदों को हर कदम पर सहयोग में तत्पर जैन समाज की सबसे बड़ी संस्था जीतो आज समाज की शिक्षा-सेवा व आर्थिक सुदृढ़ता में सहयोग के लिये समर्पित है। यह बात श्रीरामपुरम स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी विपुलदर्शनाजी ने कही। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने साध्वी के दर्शन वंदन किए। उन्होंने कहा कि जीतो अनेकों जनुपयोगी कार्य कर रहा है, परन्तु जेएटीएफ के माध्यम से चलायी जा रही सिविल परी-क्षाओं की तैयारी से समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को संजोने तथा समाज को प्रशासनिक अधिकारी देने का कार्य अति प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि जीतो की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहे जरूरतमन्दों की सेवा में जीतो आज समाज में अग्रज की भूमिका निभा रहा है। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया ने कहा कि चरित्रात्माएं आज न केवल संपूर्ण समाज को धर्म से जोड़ने का कार्य कर रही है, अपितु समाजोत्थान के लिये सेवा में अग्रसर समाज की संस्थाओं को मार्गदर्शन का कार्य भी करते है। उन्होंने कहा कि श्रमण आरोग्यम जैसी जीतो की महत्वाकांक्षी योजना के द्वारा साधु-साध्वी भगवंतों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता तथा विहार धामों द्वारा विहार के दौरान साधु-साध्वी भगवंतों की वैयावच्छ सेवा में भी जीतो समर्पण भाव से कार्य कर रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि आने वाले समय में चार अन्य विहार धाम के निर्माण की योजना उनकी कार्य योजना में है। श्रीरामपुरम स्थानक में आयोजित कर्नाटक गजकेशरी गणेशीलालजी के जन्म जयंती पर उन्होंने कहा कि यह एक शुभ संयोग है कि उनकी नयी कार्यकारिणी के कार्यों का श्री गणेश भी ऐसे महापुरुष के जन्म दिन पर हो रहा है। इस अवसर पर महामंत्री विजय सिंघवी ने श्रीरामपुरम संघ में गतिमान वैयावच्छ सेवा में जीतो बेंगलूरु नॉर्थ की ओर से अर्थ सहयोग की घोषणा की। कोषाध्यक्ष नरेंद्र आच्छा ने गुरु गणेश को उनके जन्म दिवस पर याद करते हुए उनके गुणों का बखान किया। जीतो नॉर्थ के श्रमण आरोग्यम योजना संयोजक दिनेश खिवेंसरा ने कहा कि इस योजना से वंचित साधु-साध्वी भगवंतों के कार्ड बनाने हेतु जीतो नॉर्थ प्रयासरत है। साध्वी भगवंत के दर्शनार्थ जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के सचिव अशोक भंडारी व मदन मुणोत, कार्यकारिणी सदस्य नेमीचंद दलाल, सुनील लोढ़ा, प्रीतेश जैन, सतीश पोरवाड, राकेश पोखरणा, श्रीरामपुरम अध्यक्ष शांतिलाल खिवेंसरा, मंत्री अशोक गुगलिया, सहमंत्री सिद्धार्थ बोहरा आदि उपस्थित थे। जीतो पदाधिकारियों का श्रीरामपुरम संघ की ओर से सम्मान किया गया।

दीपावली उत्सव के संग हुआ जेबीएन का शानदार कार्यक्रम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रेस कोर्स रोड स्थित रीनाइसन होटल में गुरुवार शाम जीतो नॉर्थ चैप्टर के तत्वावधान में जेबीएन टायकून पायनियर्स और वी कनेक्ट (महिला चैप्टर) तीनों चैप्टर का सौहार्दपूर्ण वातावरण में दीपावली उत्सव संगीतमय रात्रि के साथ आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र के पश्चात दीप प्रज्वलित के साथ हुआ। सर्वप्रथम जीतो नॉर्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया ने अपने स्वागत भाषण में उत्साहवर्धक भावों से सदस्यों का हौसला बढ़ाते हुए हंसी के फव्वारे के बीच महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया अभी हमारा बिजनेस 120 करोड़ है, जिसे 250 करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य है। प्रोग्राम के कन्वीनर मदन जैन की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए अगले 2 साल तक कमर कसने के लिए भी सतर्क किया। इसके पश्चात चैप्टर के महामंत्री विजय सिंघवी ने संक्षेप में आने वाले 2 वर्षों में जेबीएन की रूपरेखा से अवगत करवाया। तत्पश्चात कार्यक्रम के कन्वीनर मदन जैन और को कन्वीनर हर्ष चोरड़िया ने बारी बारी आने वाले 2 वर्षों के कार्यों पर विस्तारपूर्वक व्यवस्थित जानकारी उपलब्ध करवाई। जेबीएन टायकून्स के रेफरल हेड राजेंद्र कुमार ने विचार व्यक्त किए। जेबीएन पायनियर्स के रेफरल लीड से कुनाल ने अपना वक्तव्य दिया एवं वी कनेक्ट से सीमा शाह ने अपनी बात रखी। बेंगलूरु साउथ के महामंत्री नितिन लूनिया ने सभी को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में नॉर्थ चैप्टर के वाइस चेयरमैन दिनेश बाफना, कोषाध्यक्ष नरेंद्र आच्छा, मंत्री अशोक भंडारी, प्रीतेश जैन, राकेश पोखरणा, नेमीचंद दलाल, नितेश गांधी, अरविन्द टपरावत, दिनेश जैन, महिला विंग से अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, मंत्री रक्षा छाजेड़, यूथ विंग के अध्यक्ष अनीश भोजानी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। राजेंद्र जैन ने सभी का आभार ज्ञापित किया।

आचार्य श्री के दर्शन वंदन का लिया लाभ

जब जीवन में कोई दौड़ नहीं होगी तब कोई डर नहीं होगा: आचार्यश्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री आऊवा जैन महिला मंडल का एक समूह गिरनार चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य श्री अरविंदसागर सूरीश्वरजी के दर्शन सेवा हेतु प्रेरणा धाम पहुंचा। जहां उपधान तप आराधक की सभी ने साता पूछी एवं आचार्य श्री के दर्शन किए। आचार्य ने अपने आशीर्वचन में मनुष्य जन्म की सार्थकता बताते हुए कहा कि मनुष्य जीवन अनुपम एवं अद्भुत है।

चौरासी लाख योनियों में परिभ्रमण करने के उपरान्त यह अवसर मिलता है। इसका सदुपयोग करने पर निजी अपूर्णताओं को पूर्ण किया जा सकता है और विश्व उद्यान को समुन्नत बनाकर अपना कर्तव्यपालन एवं ईश्वरीय अनुग्रह का सम्पादन किया जा सकता है। आचार्यश्री ने कहा कि किसी के मन में कोई ऐसी आकांक्षा नही हो जिसके अधूरे रहने का डर हो। जो मिले उसमें खुश क्योंकि जब जीवन में कोई दौड़ नहीं होगी तब कोई डर नहीं होगा। मन खुश होगा तो जीवन सार्थक हो जाएगा। जीवन उस समय सार्थक लगेगा जब अपने खुश होकर आशीर्वाद देंगे। मनुष्य जीवन दुर्लभ है। इसकी एक-एक घड़ी हीरे-मोतियों जैसी बनने योग्य है। इतनी बड़ी सम्पदा का उपयोग किस प्रकार किया जाए, यह जान लेना और कर गुजरता ही इसकी सार्थकता है। सभी ने गुरु का आशीर्वाद लिया और गुरु पूजन किया। प्रसन्न, मंजु चण्डालिया, महेश, बिन्दु रायसोनी, मैना देवी, वसंता, तारा, कांता डी. रायसोनी, दमयंती, कविता कटारिया, मधु सेठिया आदि उपस्थित थे।

सत्य का मार्ग सीधा है सरल हैं: डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ. वरुणमुनि ने कहा कि साधना के मार्ग पर पाँच पगडण्डे हैं।

इस मार्ग पर जो चलता है वह मोक्ष रूपी मंजिल को प्राप्त कर लेता है। सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, अचौर्य और ब्रह्मचर्य। सत्य एक है लेकिन महापुरुषों ने अलग अलग ढंग से इसकी व्याख्या की है।

ज्ञानी कहते है सत्य में देव है, सत्य में आत्मा है। जहाँ सत्य है वही भगवान है और जहाँ भगवान है वही सत्य है। वह सत्य सत्य नहीं है जिस सत्य में सरलता ना हो। सत्य कड़वा नहीं मीठा होना चाहिए। सत्य की महिमा अपरंपार है। सत्य जीवन में सदाचार और सदगुणों को ले आता है। सांच को आंच क्या सत्य के मार्ग पर चलते हुए सच को साबित करने की कोई जरूरत नहीं होती है। किसी भी क्षेत्र में आत्म अवलोकन कर सत्य के मार्ग का अनुसरण करना बेहतर है। जीवन में खुश रहने के लिए सत्य मार्ग पर चलना जरूरी है जो भी हम महसूस करते हैं उसे अपनी रुचि को पसंद के अनुसार कर्म करना ही बेहतर है।

इसी सत्यता के आधार पर ही संचालित होता है कि सत्य वचन के द्वारा ही हम खुश रह सकते हैं। हमें खुश रहना है या दुखी यह चुनाव हमारा स्वयं ही है। सत्य की ही सदा विजय होती है। सत्य कभी पराजित नहीं होता। अतः जिसकी सदा विजय हो और जो कभी पराजय को प्राप्त न हो, उसी को हमें मानना चाहिये व आचरण में लाना चाहिये। पूर्व में रुपेशमुनि ने गुर आरती की प्रस्तुति दी और अंत में मंगलपाठ पंकजमुनि ने प्रदान किया। इस अवसर पर प्राज्ञ महिला मंडल बेंगलूरु से मार्गदर्शिका मीना कोठारी, अध्यक्ष अनीता गांग, मंत्री मोनिका बोहरा सहित समस्त सदस्याएं और मुक्ति महिला मंडल मैसूरु से अध्यक्ष सरलाबाई हिंगड, मंत्री नीलम लोढ़ा, सह मंत्री प्रिया देरासरिया व समस्त महिला मंडल की सदस्याएं उपस्थित रही। श्री संघ की ओर से उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट, ज्ञानचंद लोढ़ा, प्यारेलाल टपरावत, पारसमल भलगट, युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, चेतन रेदासनी, अमित डांगी, त्रिशला महिला मंडल से रेखा पोखरणा, सायरबाई लोढ़ा ने अतिथियों का अभिनंदन किया। धीरज नाहर ने आभार ज्ञापित किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *स्थानीय औद्योगिक क्षेत्र हुलि मंगला रोड पर स्थित डीएस मेक्स स्काई क्लासिक सोसायटी के तरण ताल में छठ पूजा करते सोसायटी के श्रद्धालुगण।*

पुरुषार्थ करने से ही होते हैं कार्य सिद्ध: साध्वी धर्मप्रभा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए साध्वी धर्म प्रभा जी ने कहा कि साधक को अपनी बुद्धि को विशुद्ध रखना चाहिये। भगवान महावीर ने आत्मा के उत्थान के लिये कई महत्वपूर्ण सूत्र दिये हैं। जिनके पास बुद्धि है उनके पास बल है।

ज्ञानियों ने शरीर से ज्यादा बुद्धिबल आत्मबल को श्रेष्ठ बताया है। बलहीन कार्य की सिद्धि नहीं कर सकता है। इसलिये बलहीन, कायर निरुत्साही को कुछ प्राप्त नहीं होता है। साध्वी ने नन्दी सूत्र में वर्णित चार प्रकार की बुद्धि पर विवेचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि मानव मननशील प्राणी हैं। अपने चिंतन - बुद्धिबल - कौशल से वह जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करता है। व्यक्ति को हमेशा अपने मन में प्राणी मात्र के प्रति शुभभावना लानी चाहिये। जीवन को आनन्दमय बनाने के लिये मन की शक्ति को जागृत करना होगा। स्वयं पर भरोसा रख पुरुषार्थ करना होगा। जीवन जीने से पहले ही उत्साह मर गया हो, जीवन का रस खत्म हो गया हो, ऐसे अपने जीवन से समस्याओं से घबरा कर ऊब चुके - थक चुके इंसान जिसकी जिज्ञासा खत्म हो गई हो, प्राणों में स्फूर्ति की तरंगें नहीं और आनन्द और संगीत नहीं तो उस मनुष्य का जीवन जीना ही बेकार है। साध्वी ने श्री पार्श्व-पद्मावती साधना-आराधना की पूर्णाहुति पर सभी तपस्वियों को साधुवाद - मंगल अनुमोदना की। हनुमंतनगर संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने कार्यक्रम का संचालन किया।

धूमधाम से मनाया छठ महापर्व

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद एवं राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आस्था एवं श्रद्धा का पर्व छठ महापर्व आरटी नगर स्थित एचएमटी ग्राउंड में धूमधाम से मनाया गया। भक्तों एवं श्रद्धालुओं की संख्या बहुत अधिक थी। भक्तों एवं श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से अर्घ्य देने एवं पूजा करने की व्यवस्था की गई थी। बिहार भवन में महिला मंडल द्वारा ठाकुआ एवं अन्य प्रसाद बनाया गया, जिसे एचएमटी ग्राउंड में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के बीच बांटा गया। युवा मंडल द्वारा अथक प्रयास से यह कार्यक्रम सफल हुआ। परिषद के गणमान्य लोगों ने कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया। छठ पूजा अध्यक्ष शीला सिंह एवं मुख्य सहयोगी विनय कुमार, यशवंत सिंह, मिंटू दुबे, संजय, सुरेश, शेषनाथ दुबे को सम्मानित किया गया।

स्वजन सेवा सहयोग द्वारा भव्य छठ पूजा महोत्सव का आयोजन

श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वजन सेवा सहयोग के तत्वावधान में आयोजित छठ पूजा महोत्सव में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। संगठन के अध्यक्ष सुनील पंडित और उनकी टीम ने अद्भुत टीम वर्क का प्रदर्शन करते हुए सूर्य षष्ठी व्रत का भव्य आयोजन किया।

गुरुवार को दिनभर छठ मैया के गीत और भजनों की गूंज रही, जिनमें कई लोकप्रिय गायकों ने अपनी प्रस्तुति दी। संध्या के समय छठ व्रतधारियों ने डूबते हुए सूर्य देव की पूजा-अर्चना की। शुक्रवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर महोत्सव का समापन हुआ। इस अवसर पर विधायक बैरती बसवराज, विधायक, कॉरपोरेटर जयप्रकाश, श्रीराम, शिवकुमार समेत कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह में शामिल लोगों ने महोत्सव की भव्यता की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान अनिल सिंह सिकरवार ने छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं और स्वजन सेवा सहयोग के सेवा कार्यों पर प्रकाश डालते हुए संगठन की विशेषताओं के बारे में बताया। वहीं, कॉरपोरेटर जयप्रकाश ने भीड़ को देखते हुए छठ घाट का विस्तार करने का वादा किया।

अध्यक्ष सुनील पंडित ने सफल आयोजन के लिए पूरी टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह एक टीम वर्क था, जिसे हम सभी ने मिलकर सफलतापूर्वक संपन्न किया।

हर आयोजन में कमियां और अच्छाइयाँ होती हैं और हमें इन दोनों से सीखने की जरुरत है। इस कार्य को सफल बनाने के लिए हम सभी धन्यवाद के पात्र हैं। स्वजन सेवा सहयोग द्वारा आयोजित इस छठ पूजा महोत्सव में सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के बन्नूर स्थित मदिगाहल्ली ग्राम में रामदेव मंदिर ट्रस्ट मंडल की ओर से तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। महिलाओं ने कलश यात्रा निकाल कर मंगल गीत गाए। मंदिर में गणपति पूजा की गई। प्रतिमा पर अभिषेक किया गया। पंचाग वांचन किया गया। नव ग्रह शांति होम कर पूर्णाहुति दी गई। मंगल आरती की गई। मंदिर ट्रस्ट मंडल की ओर से पर्यावरण जाग्रति वैदिके के अध्यक्ष समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित का सम्मान किया गया। इस मौके पर मंदिर प्रमुख रामचंद्रु एचएस., डॉ. एम. राजीव, रामदेव मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष मल्लू गौड़ा, सचिव सौमणा, कोषाध्यक्ष शम्भू लिंगू, सदस्य रमेश गौड़ा, सुरेश गौड़ा, नारायण गौड़ा सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

दीपावली स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थानी व्यापारी एकता मंडल संघ विराट नगर के दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन शुक्रवार को तुमकुरु रोड स्थित हॉलीडे रिसॉर्ट में किया गया। दीप प्रज्वलित कर सभा का शुभारंभ किया। संघ के अध्यक्ष केसाराम राठौड़ ने स्वागत करते हुए सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर लोगों ने विभिन्न प्रकार के खेल मनोरंजन कार्यक्रम और स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाया। महिलाओं ने डीजे की धुन पर घूमर नृत्य किया। कार्यक्रम में पदाधिकारियों व सदस्यों के बीच संघ की गतिविधियों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर संघ के सचिव महेंद्र राठौड, सहसचिव महेंद्र माली, मीडिया प्रभारी राजाराम सेणंचा, सलाहकार सोहनलाल, मदनलाल समेत कई लोग उपस्थित रहे। मंच संचालन सचिव महेंद्र राठौड़ ने किया।

वक्फ मुद्दे से लोग आ चुके हैं तंग

उपचुनाव में एनडीए तीनों सीटें जीतने को तैयार: बीवाई विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने शुक्रवार को विश्वास जताया कि कर्नाटक उप-चुनाव में एनडीए उम्मीदवार तीनों सीटें जीतेंगे, क्योंकि लोग वक्फ मुद्दे और सिद्धरामैया सरकार के इस मुद्दे पर रवैये से तंग आ चुके हैं।

बेंगलूरु में विधान सौधा में मीडिया से बात करते हुए विजयेंद्र ने दावा किया लोग राज्य सरकार की किसान विरोधी नीति पर सवाल उठा रहे हैं। मठों और धार्मिक संस्थानों की संपत्तियों पर अतिक्रमण करने का प्रयास, राज्य सरकार का हिंदू विरोधी रवैया लोगों को राज्य सरकार के खिलाफ विद्रोह करने के लिए मजबूर करेगा। उन्होंने कहा कि वक्फ विवाद पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के रवैये पर राज्य के लोग और किसान सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि राज्य में उपचुनाव में तीनों सीटों पर भाजपा और जद-एस के उम्मीदवार जीतेंगे। शिग्गांव विधानसभा सीट पर ऐसा माहौल था कि भाजपा विजयी हुई है। संदूर और चन्नपट्टना सीटों पर कांग्रेस को भ्रम था कि वह किसी भी कीमत पर जीत जाएगी।

अब मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके मंत्रियों को एहसास हो गया है कि उन्हें झटका लग रहा है। विजयेंद्र ने दावा किया कि अपने तय कार्यक्रम रद्द करने के बाद मुख्यमंत्री सिद्धरामैया संदूर विधानसभा क्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं। इससे पता चलता है कि संदूर विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस से खिसक रहा है और लोग भाजपा को जिताने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के बेटे भरत बोम्मई शिग्गांव सीट से भाजपा के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे थे। इस सीट का प्रतिनिधित्व बसवराज बोम्मई करते थे। कांग्रेस ने यासिर अहमद खान पठान को मैदान में उतारा है। कांग्रेस से टिकट के दावेदार सैयद अजमपीर खादरी ने इस फैसले के खिलाफ बगावत करते हुए निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया है। बाद में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और पार्टी के शीर्ष नेताओं ने खादरी को नामांकन वापस लेने के लिए मना लिया।

एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बंगारू हनुमंथु संदूर से भाजपा के उम्मीदवार हैं। हनुमंथु, बेल्लारी से कांग्रेस सांसद ई. तुकाराम की पत्नी अन्नपूर्णा के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। इस सीट का प्रतिनिधित्व तुकाराम करते थे। हाई-प्रोफाइल चन्नपट्टना सीट पर पूर्व पीएम एच.डी. देवेगौड़ा और उपमुख्यमंत्री तथा राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार के परिवार के बीच सीधा मुकाबला था। इस सीट का प्रतिनिधित्व केंद्रीय मंत्री देवेगौड़ा के बेटे एच.डी. कुमारस्वामी करते थे। कुमारस्वामी के बेटे निखिल जेडी-एस के चुनाव चिह्न के तहत एनडीए उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। कुमारस्वामी के साथ, 92 वर्षीय देवेगौड़ा निर्वाचन क्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं और अपने पोते के लिए जोश से प्रचार कर रहे हैं। दूसरी ओर, शिवकुमार और उनके भाई डी.के. सुरेश ने भाजपा नेता सी.पी. योगेश्वर को अपने पक्ष में कर लिया और उन्हें अपना उम्मीदवार बना लिया। दोनों ने तीन महीने तक निर्वाचन क्षेत्र का व्यापक दौरा किया और क्षेत्र में सघन प्रचार किया।

वक्फ विवाद मामला : सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सरकार ने तेजस्वी सूर्या के खिलाफ एफआईआर दर्ज की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार ने भाजपा के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष और सांसद तेजस्वी सूर्या के खिलाफ अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक संदेश पोस्ट करने के लिए एफआईआर दर्ज की है। इस संदेश में आठ साल पहले एक किसान द्वारा आत्महत्या करने का आरोप लगाया गया था, जिसके बाद वक्फ बोर्ड ने उसकी संपत्ति पर स्वामित्व का दावा करते हुए नोटिस जारी किया था। शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, कर्नाटक के हावेरी जिले में साइबर अपराध, आर्थिक अपराध, नारकोटिक्स (सीईएन) पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। भारतीय न्याय संहिता-2023 की धारा 353(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इस मामले में कन्नड़ दुनिया ई-पेपर के संपादक और कन्नड़ समाचार ई-पेपर के संपादक के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर में कहा गया है तेजस्वी सूर्या ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा है कि हावेरी में एक किसान ने अपनी जमीन वक्फ द्वारा कब्जाए जाने के बाद आत्महत्या कर ली। अल्पसंख्यकों को खुश करने की अपनी जल्दबाजी में, सीएम सिद्धरामैया और मंत्री जमीर खान ने कर्नाटक में विनाशकारी प्रभाव फैलाए हैं, जिन्हें हर गुजरते दिन के साथ रोकना असंभव होता जा रहा है, जो कन्नड़ दुनिया ई-पेपर की एक झूठी रिपोर्ट पर आधारित थी। कन्नड़ दुनिया और कन्नड़ समाचार ई-पेपर द्वारा अपने पोर्टल पर प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि रुद्रप्पा में, हावेरी जिले के हनारागी गाँव निवासी एक किसान ने आठ साल पहले आत्महत्या कर ली थी। इसमें आरोप लगाया गया है कि रुद्रप्पा ने अपनी चार एकड़ जमीन को भूमि अभिलेखों में वक्फ संपत्ति के रूप में दिखाए जाने के बाद अपनी जान दे दी। एफआईआर में कहा गया है कि यह झूठी खबर है और यह अपराध है। इस घटनाक्रम से राज्य में विवाद पैदा होने की संभावना है। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल और जेपीसी सदस्य तेजस्वी सूर्या को गुरुवार को कर्नाटक के किसानों की ओर से 500 से अधिक याचिकाएं मिली थीं, जिनमें कहा गया था कि उनकी कृषि भूमि पर वक्फ बोर्ड अपनी संपत्ति होने का दावा कर रहा है। कर्नाटक के विजयपुरा, बीदर, कलबुर्गी, हुब्बल्ली, बागलकोट और बेलगावी जिलों के किसानों ने पाल और सूर्या को इस मामले के बारे में पत्र लिखा है। किसानों की चिंताओं को समझने के लिए तेजस्वी सूर्या के अनुरोध पर जेपीसी अध्यक्ष गुरुवार को हुब्बल्ली, विजयपुरा और बेलगावी के दौरे पर थे। तेजस्वी सूर्या ने कहा कर्नाटक में कृषि भूमि पर राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा दावा किए जाने के मामलों की संख्या में तेजी से वृद्धि ऐसे समय में हो रही है, जब वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति वक्फ अधिनियम, 1995 के सुधारों पर विचार-विमर्श करने के लिए बैठक कर रही है। भाजपा नेता ने कहा कर्नाटक के अल्पसंख्यक मामलों और वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान राज्य के कई हिस्सों में वक्फ अदालतें आयोजित कर रहे हैं। ऐसी वक्फ अदालतों को संविधान या राजस्व विभाग के किसी भी नियम के तहत कोई वैध दर्जा नहीं है।

सिद्धरामैया सरकार हुई सख्त

सरकारी दफ्तर में धूम्रपान करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के सरकारी दफ्तरों में तंबाकू उत्पाद को लेकर कर्नाटक सरकार सख्त होती हुई नजर आ रही है। राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों को सरकारी दफ्तरों और परिसरों में सिगरेट पीने या फिर किसी भी तरह के तंबाकू उत्पाद का इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही सिद्धरामैया सरकार ने इस नियम का उल्लंघन करने वाले को कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश भी जारी किया है।

तंबाकू उत्पाद को लेकर कर्नाटक की कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग (डीपीएआर) ने एक आदेश जारी किया है। जिसमें कहा गया है कि अगर कोई कर्मचारी इस नियम का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि कर्नाटक सरकार ने राज्य सिविल सेवा (आचरण) नियम, 2021 के नियम-31 में भी सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी नशीले पदार्थ या पेय का सेवन करने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

वहीं आदेश में कहा गया कि सरकारी दफ्तरों और कार्यालयों में तंबाकू उत्पादों का इस्तेमाल इसके खिलाफ पहले से चेतावनी दिए जाने के बावजूद सरकार के ध्यान में आया है।

इसलिए कर्मचारियों के स्वास्थ्य की रक्षा करने और जनता को निष्क्रिय धूम्रपान से बचाने के लिए ये कदम उठाया गया है। जिससे किसी भी सरकारी कर्मचारी के लिए सरकारी दफ्तरों और परिसरों में सिगरेट या तंबाकू उत्पादों का इस्तेमाल पूरी तरह से मना किया गया है। राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश में यह भी कहा गया है कि दफ्तरों में उचित स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाए जाएंगे, जिसमें यह स्पष्ट किया जाएगा कि कोई भी कर्मचारी अगर इन निर्देशों का पालन नहीं करता और कार्यालय में तंबाकू उत्पादों (जैसे गुटखा, पान मसाला आदि) का सेवन करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही इसमें यह भी बताया गया है कि धूम्रपान और तंबाकू उत्पादों का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और 2003 के सिगरेट और तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन पर प्रतिबंध और व्यापार, उत्पादन, आपूर्ति और वितरण का विनियमन) अधिनियम के तहत सार्वजनिक स्थानों पर ऐसे उत्पादों का सेवन पूरी तरह से प्रतिबंधित है।

मतदाताओं से कांग्रेस पार्टी को पूरी तरह से खारिज करने की अपील करता हूं: प्रल्हाद जोशी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि राज्य भर में वक्फ के जरिए एक नया जिहाद छिड़ गया है। अगर आप सिद्धरामैया और कांग्रेसियों का व्यवहार देखेंगे तो आपको उनकी क्रूरता समझ में आ जाएगी।

यहां आयोजित एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा मैं कांग्रेसियों को मूर्ख और अज्ञानी कहने के लिए तैयार नहीं हूं। लेकिन उन्हें पता है कि वह किस बारे में बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में कहा है कि वह वक्फ संपत्ति को सुरक्षित रखेगी। मौजूदा वक्फ संपत्ति को वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने लूट लिया। किराये और लीज से उन्हें हजारों करोड़ रुपये मिल रहे थे। हमने कहा था कि हम मौजूदा वक्फ संपत्ति को संरक्षित करेंगे। अब सैकड़ों साल पुराने मंदिरों और मठों पर हमला होने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि विजयपुर जिले के पदगानुर गांव में चालुक्यों द्वारा निर्मित 1500 साल पुराने मंदिर को वक्फ घोषित किया गया था।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सिर्फ कॉलम नंबर 11 ही दर्ज किया गया है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि उन्हें पर्याप्त जवाब नहीं मिला। वक्फ बिना विक्रय पत्र के साजिश चला रहा है। कांग्रेस पार्टी आतंकवादियों के प्रति नरम है। फारूक अब्दुल्ला कह रहे हैं कि आतंकियों को नहीं मारना चाहिए। पाक से बातचीत करने को कहा। उनके साथ इंडी यूनियन है।

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस पार्टी का दिमाग खराब हो गया है। मैं तुष्टिकरण की इस नीति का विरोध करता हूं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस यहां जीतती है तो आपके घरों को भी वक्फ संपत्ति घोषित किया जा सकता है। उन्होंने आपत्ति जताई कि कांग्रेस पार्टी ने अल्पसंख्यकों यानी मुसलमानों के तुष्टिकरण को अपना मिशन बना लिया है। सिद्धरामैया ने 2013-18 के पहले कार्यकाल के दौरान प्रतिबंधित पीएफआई, एसडीपीआई, केएफडी सिमी के 175 मामले वापस ले लिए थे। उसके बाद कई बार हिंदू संगठनों और मंदिरों पर हमले हो चुके हैं। लेकिन, कांग्रेसियों को कुछ महसूस नहीं हो रहा है। प्रह्लाद जोशी ने उनके साथ सौम्य व्यवहार करने के लिए उनकी आलोचना की। वे केवल तुष्टिकरण के आधार पर चुनाव कराने जा रहे हैं।

कांग्रेस तुष्टीकरण की पराकाष्ठा है। यदि इस बार कांग्रेस को झटका दिया गया तो यह संदेश जाएगा कि प्रताड़ित हिंदू भी जागरूक हैं। इसलिए उन्होंने अनुरोध किया कि मतदाता कांग्रेस पार्टी को पूरी तरह से खारिज कर दें।

मैं संघर्ष कर रहा हूँ। सिद्धरामैया ने कहा है कि भाजपा की आलोचना करने के कारण उन्हें इस मामले में फंसाया गया है। उन्होंने विश्लेषण किया कि इससे पता चलता है कि कांग्रेसी लोगों से झूठ बोलने में कितने अयोग्य हैं। अभियोजन को अधिकृत करने के लिए राज्यपाल ने अपने पूर्ण विवेक का इस्तेमाल किया। हाई कोर्ट ने कहा है कि आपके प्रभाव के बिना ऐसा नहीं हो सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ आज तक कोई निषेधाज्ञा नहीं है। हुब्बल्ली में पुलिस स्टेशन पर हमले के दौरान खुद पुलिस अधिकारियों ने कहा था कि अगर थोड़ा भी ज्यादा या कम होता तो कई पुलिस अधिकारियों की जान चली जाती। प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना, पूर्व डीसीएम डॉ. अश्वथनारायण, पूर्व सांसद प्रतापसिम्हा, विधान परिषद सदस्य एन. रविकुमार और अन्य मौजूद थे। संदूर में कांग्रेस के शून्य विकास के पोस्टर भी जारी किए गए।

जनता ने आपको जनादेश दिया है, इसे शालीनता से चलाइए: प्रहलाद जोशी

सिद्धरामैया सरकार की आलोचना की

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने शुक्रवार को कर्नाटक में सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा, लोगों ने आपको लोकतंत्र में जनादेश और शक्ति दी है, इसलिए इसे शालीनता से चलाइए। केंद्रीय मंत्री जोशी ने यह बयान संदूर विधानसभा क्षेत्र के कुरेकुप्पा गांव में भाजपा उम्मीदवार बंगारू हनुमंतु के लिए एक जनसभा में बोलते हुए दिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस सरकार घोटालों, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति में गहराई से लिप्त है। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार को जनता द्वारा दी गई शक्ति का शालीनता से इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय के लिए एक विकास बोर्ड बनाया था, लेकिन कांग्रेस सरकार अब इसका फायदा उठा रही है और धन का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि हालांकि वाल्मीकि जनजाति कल्याण विकास निगम में 189 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ, लेकिन मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने दावा किया कि यह केवल 79 करोड़ रुपये का था। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि इस निगम में सैकड़ों करोड़ का भ्रष्टाचार हुआ है और कांग्रेस सरकार ने एसटी समुदाय के विकास के लिए निर्धारित धन का पूरी तरह से दुरुपयोग किया है। भाजपा का उद्देश्य निष्पक्ष खनन प्रथाओं और उद्योगों, खनन श्रमिकों और गरीबों के समग्र विकास के लिए काम करना है, जिससे संदूर में व्यापक विकास सुनिश्चित हो सके। इससे पहले, कुरेकुप्पा गांव में भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में एक विशाल रोड शो आयोजित किया गया था। पार्टी के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में पहुंचे। जन अभियान बैठक में भाजपा विधायक बैरती बसवराज, उम्मीदवार बंगारू हनुमंतु और अन्य मौजूद थे। कांग्रेस ने कांग्रेस सांसद ई. तुकाराम की पत्नी अन्नपूर्णा को अपना उम्मीदवार बनाया है। तुकाराम ने सीट का प्रतिनिधित्व किया और इस्तीफा दे दिया। उन्होंने आम चुनाव में प्रमुख भाजपा नेता बी. श्रीरामुलु को हराया। भाजपा ने संदूर विधानसभा सीट कभी नहीं जीती है।

बीबीएमपी का आरआर नगर जोन के अधिकारियों को निर्देश

बकाया संपत्ति कर वाली गैर-आवासीय इमारतों को सील करें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बीबीएमपी मुख्य आयुक्त तुषार गिरि नाथ ने शुक्रवार को मुख्य आयुक्त के नियमित क्षेत्रीय दौरे के तहत राजराजेश्वरी नगर जोन में चल रही कई विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे बकाया खातों और वसूली मामलों को प्राथमिकता देते हुए आरआर नगर जोन में बकाया संपत्ति कर वाली गैर-आवासीय इमारतों को सील करें।

गिरि नाथ ने यशवंतपुर में एमईआई रोड के 950 मीटर हिस्से पर व्हाइट-टॉपिंग परियोजना का निरीक्षण किया। यातायात पुलिस की मंजूरी के साथ, पिछले एक महीने से काम चल रहा है, निर्माण के लिए एक लेन को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। इस परियोजना में स्टॉर्मवॉटर ड्रेन, सैनिटरी लाइन, उपयोगिता नलिकाएं, चैंबर और पैदल यात्री मार्ग का उन्नयन शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को काम में तेजी लाने और साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। इस बात पर जोर दिया कि परियोजना को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। सुमनहल्ली के निकट स्थित एंटी-बर्थ कंट्रोल (एबीसी) केंद्र, जिसका जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है, में उन्होंने बताया कि पहले इस केंद्र में 50 ऑपरेशन किए जाते थे, तथा जीर्णोद्धार के बाद, यहां 80 ऑपरेशन किए जा सकेंगे। उन्होंने अधिकारियों से एक महीने के भीतर काम पूरा करके परिचालन शुरू करने का आग्रह किया। इसके अतिरिक्त, कैनाइन डिस्टेंपर से ठीक होने वाले कुत्तों के लिए एक अलग केंद्र का निरीक्षण किया गया, जिसमें उचित रखरखाव के निर्देश दिए गए। लगेरी में सहायक राजस्व कार्यालय के दौरे के दौरान, गिरि नाथ ने जनता से बातचीत की और संपत्ति हस्तांतरण के लिए इखतों को प्राप्त करने के बारे में जानकारी प्रदान की। यह देखने के बाद कि सहायता डेस्क दूसरी मंजिल पर थी, उन्होंने आसान पहुँच के लिए साइनेज को भूतल पर ले जाने की सिफारिश की। गिरि नाथ ने 4.7 एकड़ के जल निकाय, नागभवी झील का निरीक्षण किया और चल रहे बाड़ लगाने के काम की समीक्षा की। बगल के स्टॉर्मवॉटर ड्रेन के माध्यम से झील में प्रवेश करने वाले सीवेज के पानी को देखते हुए, उन्होंने अधिकारियों को इसे रोकने के लिए एक अवरोध बनाने का निर्देश दिया, जिससे केवल वर्षा जल का बहाव झील में बह सके। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अधिकारियों को सीमा सर्वेक्षण के बाद बगल के खाली पार्क क्षेत्र में बाड़ लगाने का निर्देश दिया। कोट्टीगेपल्या में इंदिरा कैंटीन के दौरे के दौरान, नागरिकों ने भोजन की गुणवत्ता की प्रशंसा की, विशेष रूप से हाल ही में रागी मुद्दे को शामिल किया गया। मुद्दे, सांभर और दही चावल का स्वाद चखने के बाद गिरि नाथ ने गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया और अधिकारियों से मानक बनाए रखने को कहा।

संदूर विधानसभा क्षेत्र में किया प्रचार

सीएम सिद्धरामैया के जेल जाने का समय दूर नहीं: बीएस येदियुरप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा केंद्रीय संसदीय समिति के सदस्य बीएस येदियुरप्पा ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के जेल जाने का समय दूर नहीं है। येदियुरप्पा, जिन्होंने शुक्रवार को संदूर निर्वाचन क्षेत्र में एक रोड शो में भाग लिया, ने कहा कि सिद्धरामैया और उनकी पत्नी मुडा घोटाले में फंस गए हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें लोकायुक्त के जांच का सामना करना पड़ा है। हमने मांग की है कि मैसूरु मुडा घोटाले की जांच सीबीआई को सौंपी जाए। उन्होंने कहा कि यह तय है कि सीबीआई जांच के 24 घंटे के अंदर मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर जेल भेजा जायेगा। पैसा, महिला, सत्ता और जाति पर आधारित राजनीति के दिन लद गए। सिद्धरामैया को पता होना चाहिए कि लोग आज जागरूक हैं। आपके धोखे का शिकार नहीं होंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य में होने वाले उपचुनाव में वह 3 की 3 सीटों पर जीत हासिल करेंगे। बंगारू हनुमंथु के प्रतीक कमल के फूल की पहचान के लिए वोट करें। उन्होंने उनसे गांवों में जाकर भाजपा के पक्ष में प्रचार करने का अनुरोध किया। येदियुरप्पा बंगारू हनुमंथु को जीतने के इरादे से यहां आए थे और अनुरोध किया था कि हमारे सभी कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर प्रचार करना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि नरेंद्र मोदी की पहचान, बंगारू हनुमंथु की पहचान, भाजपा की पहचान कमल है। संदूर निर्वाचन क्षेत्र में उन किसानों की जमीन को लेकर समस्या है जो अपने दादा-परदादाओं के समय से जुताई कर रहे हैं। उन्होंने इसे ठीक करने के लिए हर संभव प्रयास करने का वादा किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री जनार्दन रेड्डी, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, विधायक वी. सुनीलकुमार, बैरती बसवराज, सतीश रेड्डी, आंध्र प्रदेश के विधायक सुधाकर रेड्डी, पूर्व विधायक रेणुकाचार्य, थिप्पेस्वामी, रामचन्द्र रेड्डी, प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष मंजुला, प्रदेश भाजपा सचिव के.एस.दिवाकर, एस.सी. मोर्चा के प्रदेश महासचिव महेंद्र कौटाला, वरिष्ठ टी. कृष्णप्पा, गांव के बुजुर्ग, नेता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

कर्नाटक की अनदेखी न हो इस पर जोर देने के लिए छह बिंदु सूचीबद्ध किए

निर्मला सीतारमण ने मैसूरु संगीत सुगंध संगीत समारोह का किया उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कर्नाटक और विशेष रूप से मैसूरु, जो एक पर्यटन केंद्र है, की केंद्र द्वारा उपेक्षा न हो, इस पर जोर देने के लिए छह बिंदु सूचीबद्ध किए। मैसूरु में केएसओयू दीक्षांत समारोह हॉल में मैसूरु संगीत सुगंध संगीत समारोह के उद्घाटन के अवसर पर अपने भाषण के दौरान वित्त मंत्री ने कहा कर्नाटक सरकार के मंत्री हमारे साथ मौजूद हैं, मैं राज्य और मैसूरु के लिए किए गए कार्यों को रेखांकित करने के लिए छह मदों (पर्यटन विकास परियोजनाओं) को सामने रखना चाहूंगी। कर्नाटक से राज्यसभा सांसद सीतारमण ने महीने और वर्ष के विवरण के साथ उल्लेख किया कि सोमनाथपुरा (मैसूरु के पास) में 13वीं शताब्दी के केशव मंदिर को सितंबर 2023 में (क्रमिक नामांकन के तहत) यूनेस्को द्वारा बेलूर में चेन्नाकेशव मंदिर और हलेबिदु में होयसलेश्वर मंदिर के साथ विश्व धरोहर स्थल के रूप में अंकित किया गया था। यह यूनेस्को की 42वीं धरोहर स्थल है। जुलाई 2023 में हम्पी में आयोजित जी-20 बैठक के दौरान, शिखर सम्मेलन के दौरान आयोजित प्रदर्शनी में 1,757 लम्बानी कला और शिल्प वस्तुओं का सबसे बड़ा प्रदर्शन किया गया था। उन्होंने कला और संस्कृति को बढ़ावा देने पर प्रकाश डाला। फरवरी 2023 में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक और कन्नड़ को बढ़ावा देने के लिए नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में एक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि केंद्र द्वारा कर्नाटक के बाहर भी कन्नड़ को बढ़ावा दिया जा रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र ने मैसूरु में चामुंडी पहाड़ियों के ऊपर चामुंडेश्वरी मंदिर में सुविधाओं के विकास के लिए प्रसाद योजना के तहत 44.71 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। पर्यटन मंत्रालय के स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत मैसूरु में टोंगा राइड हेरिटेज एक्सपीरियंस जोन और इको एक्सपीरियंस जोन विकसित करने के लिए 22.48 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है। साथ ही हम्पी में पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए 26.3 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है। जब वित्त मंत्री ने परियोजनाओं की सूची पढ़ी तो समाज कल्याण मंत्री डॉ. एच.सी. महादेवप्पा मुस्कुरा रहे थे। बाद में उन्होंने सीतारमण के भाषण समाप्त करने के बाद उनसे बात की।

कोडागु में बेचे जाने वाले केरल के खाद्य पदार्थों की सुरक्षा पर चिंता

कोडागु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के अधिकारियों को विराजपेट के विधायक ए.एस. पोन्नना ने केरल से आपूर्ति की जाने वाली असुरक्षित खाद्य वस्तुओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है। अंतर-राज्यीय सीमा पर कोडागु जिले के कुट्टा, मकुट्टा और पेरुंबडी क्षेत्रों में केरल से आपूर्ति की जाने वाली खाद्य वस्तुओं की गुणवत्ता के बारे में आम जनता की शिकायतों और मीडिया रिपोर्टों के मद्देनजर, खाद्य पदार्थों के कुल 90 नमूने एकत्र किए गए और उनकी निर्माण तिथि, निर्माता का विवरण और कृत्रिम रंगों के उपयोग के विश्लेषण के लिए भेजे गए। एफएसएसएआई द्वारा अनुमोदित और एनएबीएल द्वारा मान्यता प्राप्त आईएडीएफएसी खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला ने पुष्टि की है कि 31 खाद्य नमूने असुरक्षित थे जबकि चार अन्य घटिया गुणवत्ता के थे। हाल ही में स्थिति का जायजा लेने के लिए बेंगलूरु में विराजपेट के विधायक ए.एस. पोन्नना, जो मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार भी हैं, द्वारा एफएसएसएआई अधिकारियों की एक बैठक बुलाई गई थी। पोन्नना ने कहा कि वे जन स्वास्थ्य के हित में मंत्री और संबंधित अधिकारियों से इस मामले पर चर्चा करेंगे तथा उचित कदम उठाएंगे। इस बीच, उन्होंने एफएसएसएआई अधिकारियों को कोडागु जिले में बेचे जाने वाले असुरक्षित खाद्य पदार्थों पर प्रतिबंध लगाने तथा ऐसे खाद्य पदार्थों की बिक्री को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

केडीए ने कन्नड़ में सटीक अनुवाद के लिए अनुवाद इंजन किया पेश

ऐप जल्द ही लॉन्च होगा

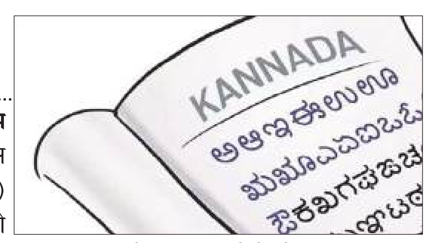

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ विकास प्राधिकरण (केडीए) ने कन्नड़ अनुवादों की सटीकता बढ़ाने के उद्देश्य से अपना खुद का अनुवाद इंजन पेश किया है। यह पहल विभिन्न कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संचालित अनुप्रयोगों की मौजूदगी के बावजूद, प्रभावी अनुवाद समाधानों की बढ़ती मांग के बीच की गई है।

केडीए का इंजन 80 से अधिक कन्नड़ शब्दकोशों की शब्दावली का उपयोग करेगा, जो मौजूदा सॉफ्टवेयर की तुलना में अधिक सटीक अनुवाद प्रदान करने का वादा करता है।

वर्तमान में विकास के दौर में, इसे जनवरी में एक मोबाइल एप्लिकेशन के साथ लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। जबकि कन्नड़-अंग्रेजी अनुवाद के लिए गूगल अनुवाद जैसे लोकप्रिय टूल का अक्सर उपयोग किया जाता है, वे अक्सर सटीकता के साथ संघर्ष करते हैं। केडीए के अध्यक्ष पुरुषोत्तम बिलिमेले ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कन्नड़ शब्दों में अद्वितीय स्वर अंत अनुवाद में विसंगतियों को जन्म दे सकते हैं, जो केडीए के इंजन को अलग बनाता है। उन्होंने विभिन्न शब्दकोशों से 150,000 शब्दों के अपलोड को देखते हुए कहा हमने एक ऐसी प्रणाली तैयार की है जो कन्नड़ की विशिष्ट विशेषताओं पर विचार करके सटीकता सुनिश्चित करती है। केडीए का लक्ष्य आने वाले महीनों में परियोजना के शुरुआती चरण को पूरा करना है, जिसके बाद कन्नड़-हिंदी अनुवादों को आगे बढ़ाने की योजना है। इस प्रयास का उद्देश्य अनुवादों में पाई जाने वाली आम अशुद्धियों को दूर करना है, खास तौर पर सार्वजनिक संकेतों पर, और राज्य में भाषाई सटीकता के उच्च मानक को बढ़ावा देना है।

बलात्कार-हत्या मामले में आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिला सत्र न्यायालय, एफटीएससी-2 ने मेंगलूरु ग्रामीण पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में 2021 में उलैबेट्टू परारी में हुई आठ वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में तीन आरोपियों को सजा सुनाई है। आरोपी जया सिंह, मुकेश सिंह और मनीष तिर्की को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही, अदालत ने निर्देश दिया कि मृतक लड़की के परिवार को मुआवजे के तौर पर 5 लाख रुपये दिए जाएं। यह फैसला न्यायमूर्ति मनु ने सुनाया। अपराध संख्या 95/2021 के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिसमें आईपीसी की धारा 120(बी), 366(ए), 377, 302, सहपठित 34 के साथ-साथ पॉक्सो अधिनियम की धारा 5 और 6 शामिल हैं। जांच का नेतृत्व पुलिस निरीक्षक जॉनसन डिसूजा ने किया, जिन्होंने अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

शहर में 3 मंजिला इमारत ढही, कोई हताहत नहीं

कोलार/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के बंगारपेट शहर में दांडू रोड के पास शुक्रवार को तीन मंजिला इमारत ढह गई। बंगारपेट पुलिस के अनुसार राज कुमार नामक व्यक्ति की तीन मंजिला इमारत ग्राउंड फ्लोर के नवीनीकरण के दौरान ढह गई। घर में मौजूद तीन परिवारों को दमकल कर्मियों ने सुरक्षित निकाल लिया। पुलिस ने बताया कि यह घर पिछले दो महीनों से खाली पड़ा था। अधिकारियों ने आगे बताया कि इमारत गिरने से इलाके में स्थित निजी स्कूल के परिसर को नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने बताया कि मामले में शिकायत दर्ज कर ली गई है। घटना में अभी तक किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है। मामले पर आगे की जानकारी का इंतजार है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *बीएपीएस संस्था की ओर से श्री स्वामीनारायण मंदिर के कोठारी पूज्य साधु सरल जीवन दास स्वामी, साधु निर्मल हृदय दास स्वामी एवं मंदिर के मुख्य कार्यकर्ता रोहित शाह और भरत मेहता ने राज भवन में राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की। राज्यपाल को बीएपीएस संस्था के अध्यक्ष महंत स्वामी की ओर से नूतन वर्ष की शुभकामनाएं एवं शुभेच्छा दी गई। भगवान श्री स्वामीनारायण और श्री अक्षर पुरुषोत्तम महाराज को भोग लगे अन्नकूट प्रसाद एवं स्मृति चिह्न भेंट की गई।*

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। *मलनाड क्षेत्रीय तेरापंथ समिति के तत्वावधान में 80 सदस्यों का एक संघ आचार्य श्री महाश्रमण जी के दर्शनाथ शुक्रवार को हासन से सूरत के लिए रवाना हुआ। मुनि मोहजित जी के दर्शन कर मंगल पाठ ग्रहण किया। अध्यक्ष महावीर भंसाली ने बताया 11 दिनों की यह यात्रा गुरु सेवा एवं तीर्थ स्थलों के दर्शन हेतु रहेगी। यात्रा के संयोजक माणिकचंद गादिया, उपाध्यक्ष चन्दमल भटेवरा, गौतम गादिया, संगठन मंत्री पुष्पराज गादिया और अन्य लोग मौजूद थे।*

अभिव्यक्ति की आजादी लेकिन निजता को हानि नहीं पहुंचा सकता है मीडिया: हाईकोर्ट

केरल/शुभ लाभ ब्यूरो।

आपराधिक मामले में मीडिया के हस्तक्षेप को लेकर केरल हाईकोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। अदालत ने गुरुवार को कहा कि मीडिया को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तो है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह नागरिकों के सम्मान, प्रतिष्ठा और निजता के अधिकार को नुकसान पहुंचा सकती है खासकर जब आपराधिक जांच या अदालतों में लंबित मामलों की रिपोर्टिंग की जाती है।

जानकारी के अनुसार यह फैसला पांच न्यायाधीशों की एक पीठ ने सुनाया, जिसमें यह कहा गया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में मीडिया को यह अनुमति नहीं दी जा सकती कि वह किसी व्यक्ति को दोषी या निर्दोष घोषित करने लगे जबकि जांच पूरी नहीं हुई हो। पीठ ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि मीडिया को जांच एजेंसियों, अभियोजकों और न्यायाधीशों की भूमिका निभाने का अधिकार नहीं है। इसके साथ ही न्यायमूर्ति ए.के. जयशंकरन नांबियार, कौसर एडप्पागथ, मोहम्मद नियास सीपी, सीएस सुधा और श्याम कुमार वीएम की पीठ ने एकमत से यह माना कि मीडिया की स्वतंत्रता न्याय व्यवस्था में हस्तक्षेप करने का लाइसेंस नहीं है। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि आपराधिक मुकदमों के दौरान मीडिया रिपोर्टिंग पर प्रतिबंध लगाने से न्यायिक प्रक्रिया और अभियुक्तों के अधिकारों की रक्षा की जा सकती है। इसके साथ ही कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि मीडिया को दी गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता किसी व्यक्ति की निजता के अधिकार और शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत के तहत सीमित होनी चाहिए खासकर जब वह आपराधिक मामलों और जांचों पर रिपोर्ट करता है। अदालत ने कहा कि आपराधिक जांच या कोर्ट में लंबित मामलों पर रिपोर्ट करते वक्त दोषी या निर्दोष होने का अंतिम निर्णय सिर्फ न्यायिक प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा ही किया जा सकता है। मीडिया को अपनी रिपोर्टिंग में सत्य और सटीक तथ्यों को ही शामिल करने का अधिकार है, लेकिन यदि मीडिया किसी मामले को गलत, अपमानजनक, विकृत या गैर-पेशेवर तरीके से प्रस्तुत करता है। इससे निष्पक्ष सुनवाई प्रभावित हो सकती है या आरोपी या पीड़ित की प्रतिष्ठा और गोपनीयता को नुकसान पहुंच सकता है। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि मीडिया को यह समझना चाहिए कि वह अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए न्यायपालिका और जांच एजेंसियों के अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किए बिना रिपोर्टिंग करें और यह सुनिश्चित करें कि मीडिया ट्रायल न हो। वहीं मीडिया ट्रायल, जो नैतिकता और निष्पक्षता की सीमाएं पार कर जाता है, संदिग्ध या आरोपी को बिना अदालत के फैसले के दोषी या निर्दोष के रूप में पेश कर देता है, यह संविधान के तहत निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार का उल्लंघन है। कोर्ट ने इस फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि आपराधिक जांच या निर्णय से जुड़े मामलों में मीडिया को किसी भी पक्ष के दोषी या निर्दोष होने पर कोई निश्चित राय व्यक्त करने की अनुमति नहीं है, जब तक कि संबंधित न्यायिक मंच आधिकारिक रूप से निर्णय नहीं देता। पीठ ने अंत में कहा कि इस प्रकार के फैसले से समाज में व्यक्तियों के मौलिक अधिकारों के उल्लंघन को रोकने में मदद मिलेगी और यह जिम्मेदार पत्रकारिता के एक नए युग की शुरुआत करेगा।

नकाबपोश लोगों ने चुराया गाय

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक चौंकाने वाली घटना में, एक लग्जरी कार में सवार तीन नकाबपोश लोगों ने देर रात होम्बाडी मुंदाडी ग्राम पंचायत के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत थलमक्की कॉम्प्लेक्स के सामने सड़क पर आराम कर रही गायों को चुरा लिया। हन्नेमक्की मेलपेटे और केलापेटे में बंद दुकानों के पास गायें अक्सर आराम करती हैं। घटना की रात, नकाबपोश लोगों ने गायों को खिलाने की आड़ में उनके पास पहुंचे, उन्हें अमानवीय तरीके से जबरन कार में लाद लिया और तुरंत घटनास्थल से भाग गए।

यह कृत्य सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गया। स्थानीय निवासी आमतौर पर अपनी गायों को खुले में चरने देते हैं, जिससे मवेशी भोजन की तलाश में शहर में भटकते हैं। नतीजतन, हाल के दिनों में गायों के लापता होने की घटनाएं बढ़ गई हैं। रिपोर्ट बताती हैं कि नकाबपोश व्यक्ति घातक हथियार रखते हैं, जिससे ग्रामीणों में डर पैदा हो गया है और वे अब रात में बाहर निकलने से कतराने लगे हैं।

होम्बाडी मुंदाडी ग्राम पंचायत के सदस्य संतोष ने पुलिस से प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और ऐसी चोरियों को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया है।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में 370 के मुद्दे पर आज फिर हुआ हंगामा

भाजपा विधायकों ने चलाई समानांतर विधानसभा

जम्मू, 08 नवंबर (ब्यूरो)।

अनुच्छेद 370 की बहाली पर जम्मू कश्मीर विधानसभा में लगातार पेश और पारित किए जाने वाले प्रस्तावों के मुद्दे पर हंगामा फिलहाल रुका नहीं है। आज विधानसभा में फिर जोरदार हंगामा हुआ और विधायकों ने आपस में गुत्थम गुत्था की। मार्शलों की मदद से विधानसभा से निकाले गए भाजपा विधायकों ने आज समानांतर विधानसभा चलाई और विरोध प्रदर्शन जारी रखा।

अनुच्छेद 370 की बहाली को लेकर जम्मू कश्मीर विधानसभा में आज फिर हंगामा हो रहा है। सत्र के पांचवें दिन विधानसभा में कुपवाड़ा से पीडीपी विधायक द्वारा अनुच्छेद 370 की बहाली पर बैनर दिखाए जाने के बाद हंगामा हुआ।

आज फिर विधायकों के बीच हाथापाई हुई। भाजपा विधायकों द्वारा नारेबाजी की गई। इंजीनियर राशिद के भाई और अवामी इत्त-ेहाद पार्टी के विधायक खुर्शीद अहमद शेख को मार्शलों द्वारा सदन से बाहर निकाला गया।

विधानसभा में पीडीपी के खिलाफ नारे लगे। इससे पहले गुरुवार को भी विधानसभा में काफी हंगामा देखने को मिला था। विधायकों के बीच हाथापाई भी हुई।

भाजपा विधायकों को विधानसभा से बाहर निकाले जाने के तुरंत बाद, भाजपा के सभी 28 विधायकों ने समानांतर विधानसभा का आयोजन किया, जहां पार्टी नेता शाम लाल शर्मा ने सदन के अध्यक्ष के रूप में भूमिका निभाई और अन्य सदस्यों ने अपनी बातें रखीं जैसे वे सदन में रखते हैं। जम्मू कश्मीर विधानसभा के पांचवें दिन, भाजपा विधायकों ने केंद्र शासित प्रदेश को विशेष दर्जा बहाल करने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) द्वारा पारित प्रस्ताव के खिलाफ अपना प्रदर्शन जारी रखा। प्रत्येक भाजपा सदस्य ने अपने विरोध के प्रतीक के रूप में अपने गले में तिरंगा पहना हुआ था। विरोध प्रदर्शन उपराज्यपाल के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर सत्तारूढ़ पार्टी की चर्चाओं के साथ हुआ। भाजपा नेता शाम लाल शर्मा का कहना था कि नेशनल कॉन्फ्रेंस कश्मीर में फिर से खून-खराबा चाहती है।

विधानसभा में तनाव उस समय नाटकीय रूप से बढ़ गया जब पीडीपी विधायक फैयाज मीर ने नेताओं सज्जाद लोन, लंगेट विधायक और विधायक वहीद पारा के साथ मिलकर एक बैनर फहराया, जिस पर लिखा था, अनुच्छेद 370 की बिना शर्त बहाली। इस हरकत पर भाजपा विधायकों ने तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त की। वे विधानसभा के वेल में घुस गए।

विधानसभा में अराजक स्थिति पैदा हो गई, जिससे मार्शलों को हस्तक्षेप करना पड़ा और व्यवस्था बहाल करने के लिए कई भाजपा विधायकों को बाहर निकालना पड़ा।

इससे विचलित हुए बिना भाजपा सदस्यों ने विधानसभा में अपना विरोध प्रदर्शन फिर से शुरू कर दिया और अनुच्छेद 370 पर किसी भी पुनर्विचार के खिलाफ अपने रुख पर अड़े रहे। बाद में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा के नेतृत्व में अन्य भाजपा विधायकों ने विधानसभा से बहिर्गमन किया।

पीडीपी और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (पीसी) सहित विधायकों के एक समूह ने विधानसभा में नया प्रस्ताव पेश किया। इसमें अनुच्छेद 370 और 35ए को उनके मूल स्वरूप में तत्काल बहाल करने की मांग की गई। यह प्रस्ताव विधानसभा में नेकां द्वारा लाए गए एक प्रस्ताव को पारित करने के एक दिन बाद आया है। बृहस्पतिवार को सदन में हंगामे के बीच अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर को नया प्रस्ताव सौंपा गया। प्रस्ताव पीडीपी सदस्यों वहीद पारा (विधायक पुलवामा) और फैयाज़ मीर (विधायक कुपवाड़ा), हंदवाड़ा से पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के विधायक सज्जाद लोन, लंगेट से अवामी इत्तेहाद पार्टी के विधायक शेख खुर्शीद और शोपियां से निर्दलीय विधायक शबीर कुल्ले द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रस्ताव में कहा है कि यह सदन केंद्र सरकार द्वारा जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के अधिनियम के साथ अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35ए के असांविधानिक और एकतरफा निरस्तीकरण की कड़ी निंदा करता है। इन कार्रवाइयों ने जम्मू और कश्मीर से उसका विशेष दर्जा और राज्य का दर्जा छीन लिया। इससे संविधान द्वारा इस क्षेत्र और इसके लोगों को मूल रूप से दी गई मूलभूत गारंटी और सुरक्षा कमजोर हो गई।

दो वीडीजी सदस्यों की हत्या के बाद जबरदस्त विरोध प्रदर्शन

जम्मू, 08 नवंबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के विभिन्न इलाकों में लोग आतंकवादियों द्वारा दो ग्राम रक्षा रक्षकों की हत्या के विरोध में सड़कों पर उतर आए हैं। प्रदर्शनकारियों ने स्थानीय लोगों में विश्वास बहाल करने के लिए हत्याओं में शामिल आतंकवादियों को तत्काल समाप्त करने की मांग की। निवासियों ने जिले में बंद भी रखा। सनातन धर्म सभा ने शुक्रवार को हत्याओं के विरोध में किश्तवाड़ में पूर्ण बंद का आह्वान किया था।

मारे गए दोनों वीडीजी सदस्यों की पहचान नजीर अहमद, पुत्र मुहम्मद खलील और कुलदीप कुमार, पुत्र अमर चंद के रूप में हुई है, जो ओहली, कुंतवाड़ा के निवासी हैं, जिन्हें आतंकवादियों ने कल रात किश्तवाड़ में मार दिया था। आज इन हत्याओं के विरोध में सैकड़ों लोग जिले के द्रबशाला इलाके में एकत्र हुए, टायर जलाए और सड़कें जाम कीं। उन्होंने पाकिस्तान और आतंकवादियों के खिलाफ नारे लगाए और भारत माता की जय के नारे लगाए। आज सुबह कुंतवाड़ा और अन्य इलाकों में भी विरोध प्रदर्शन की खबरें आईं, जिसमें पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे भी लगाए गए और सड़क पर धरना दिया गया।

द्रबशाला निवासी कुलदीप सिंह का कहना था कि इस तरह की घटना इस इलाके में लंबे समय से नहीं हुई है। पीड़ित अपने मवेशियों को चरा रहे थे, तभी आतंकवादियों ने उनका अपहरण कर लिया और उनकी हत्या कर दी। यह कायरतापूर्ण कृत्य है। हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। लोग आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि हम इस कृत्य में शामिल आतंकवादियों को खत्म करने के लिए एक बड़े अभियान की मांग करते हैं। सुरक्षा बलों को पूरे पहाड़ों की सफाई करनी चाहिए ताकि लोग इन इलाकों में मवेशी चराने में सुरक्षित महसूस करें।

एक अधिकारी ने बताया कि मारे गए दोनों सदस्य हमेशा अपने मवेशियों को चराने के लिए मुंजला धार (अधवारी) जाते थे, लेकिन आज वे वापस नहीं लौटे। यह ताजा हमला ऐसे समय में हुआ है, जब जम्मू कश्मीर में गैर-जम्मू-कश्मीर कार्यबल पर हमलों और मुठभेड़ों में तेजी देखी जा रही है। इस बीच, नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और उपाध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने किश्तवाड़ में दो वीडीजी की नृशंस हत्या की निंदा की। नेकां नेता ने कहा कि बर्बर हिंसा के ऐसे कृत्य जम्मू कश्मीर में दीर्घकालिक शांति प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण बाधा बने हुए हैं।

टीआरसी ग्रेनेड हमले में तीन आतंकी गिरफ्तार

जम्मू, 08 नवंबर (ब्यूरो)।

पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) कश्मीर वी के बिरधी ने शुक्रवार को कहा कि हाल ही में हुए टीआरसी ग्रेनेड हमले का मामला सुलझा लिया गया है, जिसमें 12 नागरिक घायल हुए थे। ग्रेनेड फेंकने की घटना में शामिल तीन आतंकियों को गिरफ्तार कर यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) कश्मीर ने कहा कि 3 नवंबर को टीआरसी पर ग्रेनेड फेंका गया था, जिसमें एक महिला और एक पुरुष सहित 12 नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हमले में एक महिला आबिदा गंभीर रूप से घायल हो गई थी। इसी तरह, अपने परिवार के लिए कमाने वाला अकेला व्यक्ति हबीबुल्लाह भी गंभीर रूप से घायल हो गया था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान उस्मा यासीन शेख, उमर फैयाज शेख और अफनान अहमद के रूप में हुई है, जो सभी श्रीनगर के इखराजपोरा के निवासी हैं। आईजीपी के बकौल, तीनों पर यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया है और उनके खिलाफ कोठीबाग थाने में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने पाकिस्तान स्थित आकाओं के इशारे पर इस कृत्य को अंजाम दिया।

पोर्ट्रेट भेंट करने वाली दिव्यांग कलाकार को मोदी ने भेजा प्रशस्ति पत्र

वडोदरा, 08 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिव्यांग कलाकार दिया गोसाई को प्रशस्ति पत्र भेजा। दिया ने 28 अक्टूबर को हुए रोड शो के दौरान पीएम मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज को एक पोर्ट्रेट भेंट की थी। डाक के जरिए दिया को भेजे पत्र में पीएम मोदी ने उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मैं और स्पेन के पीएम पोर्ट्रेट देखकर बहुत खुश हुए।

पीएम ने कहा, आपके हावभाव ने स्पेन के लोगों के प्रति भारतीयों के प्रेम और स्नेह को दिखा। मुझे बहुत खुशी है कि आपको ईश्वर से ऐसी असाधारण प्रतिभा मिली।

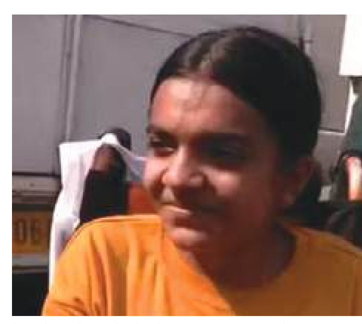

मोदी ने कहा, विभिन्न क्षेत्रों में जिस तरह गुजरात के युवा अपना योगदान दे रहे हैं, मुझे गुजरात के उज्ज्वल भविष्य को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हूं। 1 नवंबर की तारीख वाले इस पत्र में पीएम मोदी ने दिया और उनके परिवार को दिवाली की शुभकामनाएं दीं और उन्हें कला की अपनी यात्रा पर पूरी लगन और मेहनत के साथ आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं।

28 अक्टूबर को हुए रोड शो में खुली जीप से गुजरते हुए जब पीएम मोदी और पेड्रो सांचेज ने दिया को रास्ते में व्हील चेयर पर उनका इंतजार करते देखा तो वे दोनों प्रधानमंत्रियों ने काफिला रोक कर दिया से मुलाकात की थी। दिया ने उस वक्त उन्हें पोर्ट्रेट भेंट किया था। मोदी और सांचेज ने दिया से हाथ मिलाया था और उन्हें तोहफे के लिए शुक्रिया अदा किया था।

कश्मीर में एक और मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गए

जम्मू, 08 नवंबर (ब्यूरो)।

उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के सोपोर के सागीपोरा इलाके में चल रही मुठभेड़ में दो अज्ञात आतंकवादी मारे गए हैं। सागीपोरा के पानीपोरा में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय जानकारी मिलने के बाद संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। कल सागीपोरा इलाके में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद एक अभियान शुरू किया गया था।हालांकि एहतियात के तौर पर रात में अभियान रोक दिया गया था और आज सुबह सूरज निकलने पर इसे फिर से शुरू किया गया।

सेमीकंडक्टर नीति लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना गुजरात

गांधीनगर, 08 नवंबर (एजेंसियां)।

गुजरात सेमीकंडक्टर नीति लागू करने वाला भारत का पहला राज्य बना गया है।

गुजरात सरकार ने देश की पहली गुजरात सेमीकंडक्टर नीति 2022-2027 की शुरुआत की है। इस ऐतिहासिक नीति के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश सरकार ने गुजरात राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स मिशन की स्थापना की है। यह सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता में राज्य के नेतृत्व को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से समर्पित संस्थान है।

सेमीकंडक्टर नीति के तहत, गुजरात सरकार ने सेमीकंडक्टर कंपनियों के लिए एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित किया है। राज्य के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अनुसार इस पहल से प्रदेश में सेमीकंडक्टर बनाने वाली चार प्रमुख कंपनियां नई परियोजनाओं में कुल 1.24 लाख करोड़ रुपए का निवेश करने वाली हैं। इससे 53,000 नए रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

बता दें कि भारत सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2021 में भारत सेमीकंडक्टर मिशन शुरू किया था।

इसके लिए 76,000 करोड़ रुपए का पर्याप्त बजट आवंटित किया गया है।

भारत का सेमीकंडक्टर बाजार का मूल्य 2020 में 15 अरब डॉलर था, जो 2026 तक 63 अरब डॉलर से अधिक होने का अनुमान है।

जम्मू कश्मीर में बढ़ती हिंसा चिंता का कारण बनने लगी

जम्मू, 08 नवंबर (ब्यूरो)।

प्रदेश में तेज होती आतंकी हिंसा चिंता और दहशत का कारण बनती जा रही है। किश्तवाड़ में दो वीडीजी सदस्यों का अपहरण कर की गई हत्या ने अगर इलाके में दहशत फैलाई है तो सोपोर में हुई एक और मुठभेड़ के बाद सुरक्षाधिकारी इसलिए चिंतित हैं क्योंकि सूचनाएं कहती हैं कि कई आतंकी उस पार से घुसने में कामयाब रहे हैं।

किश्तवाड़ में हुई ताजा हत्याओं की जिम्मेदारी कश्मीर टाइगर्स (केटी) ने ली है। अधिकारियों की मानें, तो ये प्रतिबंधित पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद संगठन की एक शाखा है। केटी उन कई

नए आतंकी संगठनों में से एक है, जिनका उभार 2019 में केंद्र सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद हुआ है। सोशल मीडिया पर प्रसारित फोटो में दोनों मृतकों के मुंह, नाक और सिर से खून बहता दिख रहा था। ऐसा लग रहा था कि मारे जाने से पहले अहमद के सिर के चारों ओर कपड़े की एक पट्टी कसकर बंधी हुई थी और कुमार की आंखों पर पट्टी बंधी हुई दिखाई दे रही थी, जबकि दोनों के हाथ पीछे की ओर बंधे हुए थे।

ज्ञात हो कि इन हत्याओं ने 2018 की यादों को ताजा कर दिया है, जब भाजपा नेता अनिल परिहार और उनके भाई अजीत की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील इस जिले में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ था। यहां पूर्व में भी हिंदुओं और मुसलमानों के बीच झड़पें और दंगे हुए हैं।

मालूम हो कि इस बार किश्तवाड़ विधानसभा क्षेत्र से मारे गए भाजपा नेता अनिल परिहार की बेटी शगुन परिहार ने भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की है। ताजा हत्याओं की उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, पूर्व केंद्रीय मंत्री फारूक अब्दुल्ला और जम्मू कश्मीर के अन्य राजनीतिक नेताओं ने निंदा की है।

इससे पहले 29 अक्टूबर को भी जम्मू के बट्टल इलाके में आतंकवादियों द्वारा सेना की एम्बुलेंस पर असफल हमला किया गया था। इस विफल हमले में शामिल सभी तीन आतंकवादियों ने हाल ही में एलओसी के पास अखनूर सेक्टर से जम्मू में घुसपैठ की थी। इन सभी को इस क्षेत्र में 15 घंटे से अधिक समय तक चले आतंक विरोधी अभियान में मार गिराया गया।

इस मुठभेड़ में फैंटम नाम का सेना का एक कुत्ता भी घायल हो गया था, जिसने बाद में चोटों के कारण दम तोड़ दिया। किश्तवाड़ में ये हत्याएं सुरक्षा बलों द्वारा अनंतनाग के एक मुठभेड़ में पीप-ुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) के एक आपरेशनल कमांडर अरबाज मीर को मार गिराने के कुछ दिनों बाद सामने आई हैं।

मुस्लिम कट्टरपंथियों ने छठ व्रतियों पर किया जानलेवा हमला

घाट को किया तहस-नहस

पूर्णिया, 08 नवंबर (एजेंसियां)।

हिंदुओं के त्यौहारों, शोभायात्रा, मूर्ति विसर्जन और छोटे से छोटे धार्मिक आयोजन में मुस्लिम कट्टरपंथियों द्वारा माहौल बिगाड़ना जारी है। बिहार के पूर्णिया में छठ महापर्व के मौके पर गुरुवार 7 नवंबर को कट्टरपंथियों ने महिलाओं, बच्चों पर जानलेवा हमला किया और छठ घाट को पूरी तरह से तहत-नहस कर दिया। यह घटना बायसी थाना क्षेत्र के माला गांव की है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों और वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि इन कट्टरपंथियों के मन में हिंदुओं और उनके त्यौहारों के प्रति कितनी घृणा है। उन्होंने घाट पर लगाए गए केले के थंब, फूल पत्ती से की गई सजावट को कुछ ही समय में तोड़फोड़ दिया। पूजा सामग्री को भी फेंक दिया और घाट को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया।

कट्टरपंथियों की कायराना करतूत से आक्रोशित हिंदुओं के आपत्ति जताने के बाद पुलिस ने छठ घाट पर तोड़फोड़ करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पूर्णिया पुलिस ने बताया कि गुरुवार को बायसी थानान्तर्गत माला गांव में नदी किनारे बने छठ घाट को कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा नुकसान पहुंचाया गया था। इस घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक महोदय के आदेशानुसार बायसी थाना के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए छठ घाट को नुकसान पहुंचाने वाले असामाजिक तत्वों को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। छठ घाट को पुन: सुसज्जित कर शांतिपूर्ण तरीके से छठ पर्व मनाया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि इस क्षेत्र में हिंदू अल्पसंख्यक हो चुके हैं। छठ व्रतियों ने गांव के ही रहने वाले कट्टरपंथियों पर आरोप लगाया है कि वे उन पर हमला करने के लिए घाट पर पहले से ही घात लगाकर बैठे हुए थे। वे लोग संध्या अर्घ्य के बाद अपने घर लौट रहे थे, उसी बीच रास्ते में कट्टरपंथियों ने महिलाओं और बच्चों को घेर कर जानलेवा हमला बोला दिया। उन्होंने छठ पर्व पर माहौल बिगाड़ने के लिए लाठी-डंडों, तलवारों, ईंट और पत्थरों से पूरे घाट को तहस नहस कर दिया। पैरों से और हाथों से पूरे घाट को उजाड़ दिया गया। निर्जला उपवास करने वाले श्रद्धालु छठ घाट की हालत देखकर वहीं पर रोने लगे। सूचना मिलते ही पूर्णिया डीएम कुन्दन कुमार और एसपी कार्तिकेय शर्मा घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने लोगों को समझाकर माहौल को शांत कराया।

वहीं वायरल वीडियो देखने के बाद से हिंदुओं में काफी आक्रोश है। रिनिति पांडे ने इस वीडियो को शेयर कर तथाकथित बुद्धिजीवियों को घेरा है। उन्होंने लिखा, पूछो उनके पैरोकारों से, पूछो उन सेकुलर हिंदुओं से, पूछो अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव और राहुल गांधी से कि छठ पूजा में न कोई जुलूस निकलता है, न डीजे बजता है फिर बिहार के पूर्णिया में जेहादियों ने छठ व्रतियों पर हमला क्यों किया?

नरेश सोलंकी ने इस घटना पर रोष व्यक्त करते हुए लिखा कि कुछ लोगों की मानसिकता इतनी गिर गई है कि वे केवल और केवल हिंदू धर्म के पर्व और उनके त्यौहारों में ही खलल डालते हैं। ऐसे जेहादियों के खिलाफ सख्ती से निपटा जाए। एक यूजर ने लिखा कि कोई भी हिंदू त्यौहार बिना हमलों के नहीं हो रहा। इनके त्यौहार पर भी यही हो तो इन्हें पता चले। अर्पण शर्मा लिखते हैं कि इन जेहादियों को इनकी औकात दिखाने का समय आ गया है। संगठित रहो मजबूत बनो।

बीते कुछ दिनों में इस्लामी कट्टरपंथियों ने देश के अलग-अलग हिस्सों में हिंदुओं और उनके देवी-देवताओं को निशाना बनाया है। कट्टरपंथियों ने कहीं दुर्गा पंडाल पर पथराव किया तो कहीं मूर्ति विसर्जन के जुलूस पर, कहीं जुलूस के रास्तों को लेकर विवाद किया।

जहां दिखे सपाई, वहां बिटिया घबराई: योगी

यूपी में विधानसभा उपचुनाव अभियान में उतरे सीएम योगी

मीरापुर, कुंदरकी गाजियाबाद के प्रत्याशियों के लिए की रैली

मुजफ्फरनगर/मुरादाबाद/गाजियाबाद , 08 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा उप-चुनाव में शुक्रवार से प्रचार करने उतरे। पहले दिन उन्होंने मीरापुर में एनडीए (रालोद) तथा कुंदरकी -गाजियाबाद में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में रैली की। रैलियों में समाजवादी पार्टी व कांग्रेस सीएम योगी के निशाने पर रही। सीएम ने तंज कसा- जहां दिखे सपाई, वहां बिटिया घबराई। सीएम ने इशारों में कहा कि लोकसभा चुनाव में खटाखट-खटाखट (कांग्रेस) की सहयोगी रही समाजवादी पार्टी को फटाफट-फटाफट सफाचट करना है। सीएम ने आमजन से अपील की कि हमारे प्रत्याशी को वोट दें, विकास व सुरक्षा का दायित्व हमारे ऊपर छोड़ दें।

सीएम योगी ने कहा कि 2012-17 के बीच नारा चलता था, जिस गाड़ी पर सपा का झंडा-समझो बैठा है कोई गुंडा। सीएम ने तंज कसा कि आज जहां दिखे सपाई, वहां बिटिया घबराई। अयोध्या, कन्नौज में सबने इनके कारनामे को देखा है। यह सपा का नए ब्रांड है। इन्हें लोकलाज की चिंता नहीं है। अगर इन्हें लातों से ठीक नहीं करेंगे तो यह ठीक कैसे होंगे। मान्यता रही है कि गांव की बहन-बेटी सबकी बहन-बेटी। हम सब इसे मानने वाले लोग हैं, लेकिन सपा ने इस ताने बाने को छिन्न-भिन्न किया है। सपा मीडिया सेल के सोशल मीडिया हैंडल पर इनके वास्तविक संस्कार दिखते हैं, जहां यह घटिया स्तर की बातें करते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने जनआस्था के कारण चुनाव की तिथि 13 से बढ़ाकर 20 नवंबर कर दी है। सपा को हर अच्छे कार्य से परेशानी होती है, क्योंकि समाज में अच्छे लोग और कार्य होगा तो कूड़ा-कचरा छंट जाएगा। उन्हें पीड़ा होती है कि कैसे लोग पर्व-त्योहार सुख-शांति से मना लेते हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रायः चांद दिखाई नहीं देता तो ईद की तिथि बदल दी जाती और सरकार उसी अनुसार छुट्टी घोषित करती है, तब विरोध नहीं होता है। जब हिंदू आस्था के प्रतीक पर्व के महत्व को देखते हुए संवैधानिक संस्था ने तिथि में परिवर्तन किया तो सपा को तकलीफ हुई।

सीएम योगी ने कहा कि सपा-कांग्रेस में तलाक हो रहा है। लोकसभा चुनाव में इन लोगों ने कहा था खटाखट-खटाखट, लेकिन इसका लाभ नहीं मिला। अब दोनों में खटपट शुरू हो गई है। कांग्रेस व सपा ने लोकसभा चुनाव में संविधान, आरक्षण के नाम पर झूठ बोलकर गुमराह किया था। अब समाजवादी पार्टी को सफाचट करने का

अवसर है। हरियाणा में कांग्रेस ने सपा से कहा कि औकात में रहो। यूपी से बाहर निकले तो ठीक कर देंगे। महाराष्ट्र में भी यही कहा कि अपनी सीमा में रहो, जो बचा-खुचा है यह सब भी गायब हो जाएगा। यूपी में सपा ने कांग्रेस को ठनठन गोपाल कर दिया है। दोनों में ठन गई है, क्योंकि धोखा देना सपा की प्रवृत्ति है।

सीएम योगी ने कहा कि सपा सरकार के कारण पश्चिमी यूपी को पलायन का दंश झेलना पड़ता था। सत्ता के लिए सपा समाज को बांट रही थी। उन्होंने कहा कि यूपी में साढ़े सात साल में एनडीए सरकार है। बहन-बेटी की इज्जत से खिलवाड़, अन्नदाता किसान के बैल-भैंस व मोटर को चुराने और दंगे की कीमत कैसे चुकानी पड़ेगी। यह सभी को पता है। अब पश्चिम यूपी में दंगा व कैराना में पलायन नहीं हो रहा। अब मेरठ से दिल्ली तक रैपिड रेल चल रही है। मुजफ्फरनगर भी जल्द ही इस सुविधा का लाभ प्राप्त करता दिखेगा।

सीएम योगी ने कहा कि 1995 से 2017 (22 वर्ष) में किसानों को जितना गन्ना मूल्य का भुगतान हुआ। सात वर्ष में उससे कई गुना (दो लाख 53 हजार करोड़ रुपये) गन्ना मूल्य भुगतान कराया गया। मार्च 2023 के बाद से निजी ट्यूबवेल वाले किसान को पैसे का भुगतान नहीं करना है। यह भुगतान सरकार कर रही है। सरकार ने चीनी मिल के पुनरुद्धार का भी काम कराया। सीएम ने कहा कि इस महीने के अंत तक 60, 200 पुलिस भर्ती के परिणाम आने वाले हैं। पहले शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बागपत, बुलंदशहर आदि जनपदों के नौजवान उपेक्षित होते थे, अब वे बिना भेदभाव सरकारी नौकरियों में भर्ती होते हैं। जब युवा पास होंगे तो सपाइयों के चेहरे फीके पड़ जाएंगे। पहले भर्ती में सैफई की सूची होती थी, अब मेरिट के आधार पर सूची निकलती है। नौकरियों में 20 फीसदी बेटियां होंगी, जब सपाई छेड़छाड़ करेंगे तो बेटियां घूंसा, जूता-लात मारेंगी। यूपी सरकार एशियन, कॉमनवेल्थ, ओलंपिक व विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वालों को पैसा व नौकरी देती है। मेजर ध्यानचंद के नाम पर खेल विश्वविद्यालय बन रहा है। यूपी के खिलाड़ियों को अब यूरोप नहीं जाना पड़ेगा, बल्कि वहां की सुविधा मेरठ व मुजफ्फरनगर में ही मिलेगी।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' बन रहा है तो इंडी गठबंधन देश को विभाजन की तरफ ले जा रहा है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के प्रस्ताव को देखा है कि फिर से 370 बहाल करेंगे। आखिर इस प्रस्ताव पर कांग्रेस व सपा का मुंह क्यों बंद है। फलीस्तीन और पाकिस्तान के नाम पर आंसू बहाने वाले लोग जम्मू-कश्मीर के नाम पर चुप क्यों बैठे हैं। सीएम योगी ने कहा कि हमारे आदर्श चौधरी चरण सिंह, धन सिंह कोतवाल व मातृभूमि के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले महापुरुष व शहीद जवान हैं।

मुख्यमंत्री ने मुजफ्फरनगर दंगे की चर्चा करते हुए कहा कि उस समय हथियारों का जखीरा बरामद हुआ था। सपा के तब और अब के मुखिया दंगाइयों को अपने आवास पर सम्मानित कर रहे थे। जो मुजफ्फरनगर दंगों की आंच को झेलते -झेलते झुलस रहा था, आज वह गन्ने की मिठास को दुनिया में पहुंचा रहा है। 2013 के मुजफ्फरनगर दंगे में हथियारों के जखीरे बरामद हुए थे। उन जखीरों को हम तबाह करेंगे। सीएम ने अपील की कि दंगा के सरगनाओं को सबक सिखाने व उनके बारूद पर हैंडपंप का पानी डालने के लिए मिथिलेश पाल को जिताना है। सीएम योगी ने कहा कि हर-जाति समुदाय को खुशी से त्यौहार मनाने की स्वतंत्रता मिलना चाहिए। होली-दीवाली हर्षोल्लास से मनाई जाएगी तो ईद में भी बाधा पैदा नहीं होगी, लेकिन ताली दोनों हाथ से बजती है। आस्था से खिलवाड़ करने वाले लोग किसी के नहीं हैं। कुंदरकी में सीएम ने कहा कि मुरादाबाद का ब्रास उद्योग 2017 के पहले दम तोड़ रहा था। हमने बैरियर हटाए तो मुरादाबाद से 16 हजार करोड़ रुपए तक का एक्सपोर्ट होता है। इसमें सिर्फ हिंदू नहीं, बल्कि जिसके पास कला-हिम्मत है, वह हर कोई इससे जुड़ा है।

सीएम योगी ने सपा के कुकृत्यों को गिनाकर कहा कि यह लोग विकास, युवा, महिला, व्यापारी, जनआस्था की विरोधी हैं। हर जनपद का सबसे बड़ा माफिया, दुष्कर्मी, गुंडा सपा से अवश्य जुड़ा होगा। वोट देना तो दूर, इनका नाम लेना भी महापाप का कारण है। इन्हें जितना दूर रखेंगे, उतना ही कल्याण होगा। 2003-07 व 2012-17 के बीच सपा शासन में अनुसूचित जाति के उत्पीड़न की सर्वाधिक घटनाएं हुईं। सपा ने महापुरुषों का सर्वाधिक अपमान किया है। गाजियाबाद के विकास कार्यों का जिक्र कर सीएम ने कहा कि कई कार्यक्रमों को नई ऊंचाई देनी है, दुग्धेश्वर मंदिर कॉरिडोर का निर्माण हो या गाजियाबाद में एम्स का सेटेलाइट सेंटर, एम्स जैसी सुविधा गाजियाबाद व पश्चिमी यूपी को प्राप्त हो। ऐसे कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए गाजियाबाद में फिर से भाजपा का विधायक बनना चाहिए।

इन प्रत्याशियों के लिए मांगा वोट

सीएम योगी ने शुक्रवार को मुजफ्फरनगर के मीरापुर सीट से एनडीए (रालोद) प्रत्याशी मिथिलेश पाल, कुंदरकी से भाजपा उम्मीदवार रामवीर सिंह ठाकुर व गाजियाबाद से संजीव शर्मा को उपचुनाव में विजयश्री दिलाने की अपील की।

यूपी के गांवों में खुली रोजगार की नई राह

60.17 लाख परिवारों को मिला रोजगार

लखनऊ, 08 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रतिबद्धता और प्रशासनिक सजगता से उत्तर प्रदेश का ग्रामीण परिवेश तेजी के साथ विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। मनरेगा योजना के माध्यम से सीएम योगी ने ग्रामीण क्षेत्रों को रोजगार उपलब्ध कराने, महिलाओं का सशक्तिकरण करने और बुनियादी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए कई तरह के प्रयासों को मूर्तरूप दिया है। सीएम योगी की अगुवाई में प्रदेश में 2024-25 के चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 60.17 लाख परिवारों को गांव में रोजगार से जोड़ा गया है।

प्रदेश के बस्ती जिले ने मनरेगा के तहत रोजगार सृजन में प्रदेश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। बस्ती में अब तक 1,95,717 मांगों के सापेक्ष 1,95,714 परिवारों को गांव में रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है, जिससे 79,40,929 मानव दिवस का सृजन हुआ है। इस प्रयास के लिए बस्ती को प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त हुआ है, जबकि आजमगढ़ और जौनपुर क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट निर्देश है कि मनरेगा के तहत अधिक से अधिक मानव दिवस सृजित किए जाएं ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अपने गांव में ही रोजगार मिल सके। ग्राम्य विकास आयुक्त जीएस प्रियदर्शी ने संबंधित अधिकारियों को यह निर्देश दिए हैं कि मनरेगा योजनाओं का क्रियान्वयन और बेहतर तरीके से हो ताकि ग्रामीण लोगों के लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित किए जा सकें।

मनरेगा के अंतर्गत न केवल रोजगार बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए कई योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इनमें रोजगार के साथ-साथ आवास, पेयजल, महिला सशक्तिकरण, सिंचाई, सड़क निर्माण और पौधरोपण जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की समग्र प्रगति और लोगों के जीवन स्तर में सुधार करना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने मनरेगा को ग्रामीण विकास का महत्वपूर्ण साधन बना दिया है। उनके नेतृत्व में, उत्तर प्रदेश के गांवों में न केवल लोगों को रोजगार मिल रहा है बल्कि गांवों का ढांचा भी सशक्त हो रहा है। रोजगार के साथ-साथ बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता और सशक्तिकरण की दिशा में हुए प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्र नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर हैं।

प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी मनरेगा का विशेष योगदान है। गांव की महिलाएं इस योजना के अंतर्गत न केवल रोजगार प्राप्त कर रही हैं, बल्कि उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता भी मिल रही है। सरकार द्वारा महिलाओं को विशेष अवसर प्रदान किए जा रहे हैं ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और अपने परिवारों के लिए आर्थिक योगदान दे सकें। मनरेगा के तहत महिलाओं को रोजगार मिलने से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं।

इस वर्ष मनरेगा योजना के तहत एक लाख से अधिक परिवारों को 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है। अब तक 1,00,371 ऐसे परिवार हैं, जिन्होंने 100 दिनों का रोजगार प्राप्त कर अपनी आजीविका को स्थिर बनाया है। योगी सरकार का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक परिवारों को 100 दिनों का रोजगार मिले, ताकि उनके जीवन में आर्थिक सुरक्षा हो। योगी सरकार के इस ऐतिहासिक प्रयास से ग्रामीण लोगों का जीवन बदल रहा है। सरकार की ओर से मनरेगा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है ताकि इस योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके। मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी जिलों में अधिकारियों को इस योजना के सफल क्रियान्वयन का जिम्मा सौंपा गया है।

छठ पूजा की संस्कृति को स्वच्छता के साथ मनाने का सफल प्रयास

घाटों पर योगी सरकार की तैयारियां और सुंदरता देख खिले श्रद्धालुओं के चेहरे

लखनऊ, 08 नवंबर (एजेंसियां)। सूर्योपासना और लोक-आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर योगी सरकार द्वारा प्रदेश के घाटों को स्वच्छ, सुन्दर और सुविधायुक्त बनाकर श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण में पूजन करने का अनुभव कराया गया। स्वच्छता-सुंदरता के साथ घाटों को नो प्लास्टिक जोन के रूप में परिवर्तित करते हुए स्वच्छ छठ पूजा को जीरो वेस्ट इवेंट के रूप में मनाया गया। सुविधाओं के साथ ही स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया, यह यूं कहें कि संस्कृति को स्वच्छता के साथ संस्कार बनाने का प्रयास किया गया।

छठ पूजा पर्व पर नगर विकास विभाग और स्वच्छ भारत मिशन नगरीय ने स्वच्छता-सौंदर्यीकरण अभियान और स्वच्छ घाट प्रतियोगिता 2.0 के माध्यम से घाटों पर स्वच्छता और सुंदरता की अमिट छटा बिखेर दी। श्रद्धालुओं में अपार श्रद्धा और उत्साह इस बात का प्रतीक है कि स्वच्छ वातावरण में उन्हें लोक आस्था के प्रतीक छठ पूजा पर अविस्मरणीय अनुभव हुआ है। विभाग द्वारा घाटों के साथ ही

उनके संपर्क मार्गो को निरंतर साफ रखते हुए उनका सौंदर्यीकरण कराया है। घाटों के मरम्मत करते हुए उन्हें फूलों, रंगोली, अर्पण कलश, वॉल पेंटिंग के साथ ही झालरों से सजाया गया। इतना ही नहीं संपर्क मार्गो पर भी प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाया गया, जिससे श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी नहीं हुई। घाटों पर श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त संख्या में मोबाइल टॉयलेट, चेंजिंग रूम, स्नान घर, स्वच्छ पेयजल आदि कि व्यवस्था कराते हुए नियमित सफाई के लिए बीट बनाकर सफाई मित्रों की तैनाती भी की गई।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जानकारी/जागरूकता सम्बंधित साइन बोर्ड व कूड़ेदान भी लगाए गए थे। साथ ही घाटों में जलाशयों से जलकुंभी हटाते हुए जल को स्वच्छ और स्नान योग्य बनाया गया। घाटों पर कण्ट्रोल रूम और पीए सिस्टम भी लगाए, जिससे समय-समय पर श्रद्धालुओं को स्वच्छ के जागरूक करते हुए विभिन्न जानकारियां दी गयीं। घाटों और जलाशयों को स्वच्छ रखने के लिए विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, स्वयं सेवी संस्था, स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति, स्वच्छ सारथी क्लब के साथ छठ पूजन आयोजन समितियों की सहायता से श्रद्धालुओं को जागरूक गया। घाटों को नो प्लास्टिक जोन बनाते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक को पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया। दुकानदारों को पॉलीथिन की जगह कागज़ और कपड़े के बने थैलों का प्रयोग और श्रद्धालुओं को भी कपड़े के थैलों को उपयोग में लाने के लिए जागरूक किया गया।

छठ पूजा को जीरो वेस्ट इवेंट के रूप में मनाने के लिए जगह-जगह कूड़ेदान और अर्पण कलश रखे गए, जिससे सभी पूजन सामग्री का अर्पण उसी में किया जाये। उन्हें नियमित रूप से खाली करने के लिए पर्याप्त संख्या में सफाई मित्रों की तैनाती और मशीनों को उपयोग में लाया गया। जिसके परिणाम स्वरूप श्रद्धालुओं को पूजन के लिए स्वच्छ वातावरण प्रदान किया जा सका। पूजा सामग्री जलाशयों में न जाने पाए इसके लिए घाटों में जालीनुमा अर्पण कलश भी बनाए गए। स्वच्छ, सुंदरता और सुविधाओं के साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान दिया गया। जिसके लिए गहरे पानी में बच्चों और श्रद्धालुओं को जाने से रोकने के लिए पानी में भी बैरिकेडिंग कराई जाए। पूजा घाटों और मार्गों पर सुरक्षा का समुचित प्रबंध किया गया। व्यवस्था को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए लोगों का भी सहयोग भी लिया जाए।

घाटों पर गोताखोर/कुशल तैराक, एसडीआरएफ और मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त पुलिस बल का भी सहयोग लिया गया।

छठ घाटों, पूजा स्थलों तथा मार्गों पर गंदगी न हो, इसके लिए चूने का छिड़काव तथा मच्छरों से बचने के लिए एंटी लार्वा का छिड़काव और फॉगिंग भी करायी गयी। जिसकी नियमित मॉनिटरिंग ड्रोन और नगरीय निकाय निदेशालय में स्थापित डीसीसीसी (डेडिकेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर) में ऑनलाइन माध्यम से भी की गयी। वाहनों की पार्किंग की उचित व्यवस्था की गयी। घाटों में प्रवेश और निकास के लिए तथा श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए साइनेज लगाए गए।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला : बेसिक शिक्षकों का समायोजन रद्द

प्रयागराज, 08 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षकों का समायोजन रद्द कर दिया गया है, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस मामले में अहम फैसला सुनाया है। जूनियर टीचर यह मांग लेकर हाईकोर्ट पहुंचे थे, उनकी तरफ से कहा गया था कि बिना पारदर्शिता इस प्रकार के समायोजन को अंजाम दिया गया। अब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इसे रद्द कर दिया है, इस बात को स्वीकार किया गया है कि कुछ त्रुटियां हुई थीं।

हाईकोर्ट के इस आदेश का असर यूपी के 80 फीसदी शिक्षकों पर पड़ने वाला है। कई ऐसे भी शिक्षक थे जो इस ट्रांसफर का इंतजार कर रहे थे, लेकिन अब कोर्ट के आदेश के बाद उनका इंतजार ही और ज्यादा लंबा होने वाला है। वैसे माना तो यह भी जा रहा है कि कोर्ट के इस आदेश का असर सिर्फ जूनियर नहीं सीनियर शिक्षकों पर भी पड़ने वाला है। असल में कोर्ट ने अपने आदेश में साफ कहा है कि लास्ट कम फर्स्ट आउट वाला जो नियम अभी तक चल रहा था, यह सीधे-सीधे अनुच्छेद 14 और 16 के खिलाफ रहा, इस वजह से जूनियर शिक्षकों का ट्रांसफर तो लगातार हो रहा था, लेकिन सीनियर शिक्षक एक ही स्कूल में सालों तक पढ़ाते रहे। ऐसे में कोर्ट के आदेश के बाद अब सीनियर शिक्षकों का ट्रांसफर भी हो सकेगा। अभी के लिए फैसले के खिलाफ भी अपील दायर की जा सकती है।

अभी के लिए कोर्ट का यह आदेश पूरे शिक्षा विभाग के लिए किसी हड़कंप से कम नहीं है। जिस समायोजन की तैयारी पूरी कर ली गई थी, अब उस प्रक्रिया को ही सवालों में ला दिया गया है। इसके ऊपर कई बड़े बदलावों की सुगबुगाहट भी तेज है जिस वजह से जूनियर के साथ-साथ सीनियर शिक्षकों को भी नई चुनौतियों के लिए तैयार रहना ही पड़ेगा।

छात्रवृत्ति से संवरेगा ओबीसी छात्रों का भविष्य

ओबीसी छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने की पहल

लखनऊ, 08 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के लिए पूर्वदशम् और दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनाओं की समय सारिणी का दूसरा चरण शुरू कर दिया है। इस योजना का उद्देश्य पिछड़े वर्ग के छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहन देना और उनके आर्थिक बोझ को कम करना है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने बताया कि राज्य में कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों और अन्य उच्च कक्षाओं के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं का द्वितीय चरण जारी कर दिया गया है। इसके तहत छात्रों को ऑनलाइन आवेदन करने और जल्द से जल्द आर्थिक सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इस पहल का उद्देश्य राज्य के ओबीसी छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि वे बिना आर्थिक बाधाओं के अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। निदेशक पिछड़ा वर्ग कल्याण, डॉ. वंदना वर्मा ने जानकारी दी कि छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह से डिजिटाइज्ड कर दिया गया है, जिससे पारदर्शिता और त्वरित वितरण सुनिश्चित हो सके। ओबीसी छात्रों को आधिकारिक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। द्वितीय चरण की समय सारिणी के अनुसार 31 दिसंबर 2024 तक सभी शिक्षण संस्थानों को मास्टर डाटा में सम्मिलित किया जाएगा। इसके बाद 5 जनवरी 2025 तक विश्वविद्यालय, एफिलिएटिंग एजेंसियों और जिला विद्यालय निरीक्षकों द्वारा फीस आदि का सत्यापन पूरा किया जाएगा।

इस योजना के तहत कक्षा 9-10 के छात्रों के लिए पूर्वदशम् छात्रवृत्ति और कक्षा 11-12 के छात्रों के लिए दशमोत्तर छात्रवृत्ति के आवेदन 15 जनवरी 2025 तक किए जा सकते हैं।

संपादकीय

सरकार के संज्ञान में देहरा

सुशासन की सियासी तीमारदारी के स्तंभ कमोबेश हर सत्ता के कक्ष से निकले और इन करवटों ने हिमाचल के भौगोलिक नक्शे पर कई प्रयोग किए। ताजा प्रयोग देहरा में मुख्यमंत्री कार्यालय का प्रवेश द्वार है। इससे पहले नादौन में मुख्यमंत्री का कैंप आफिस, सुशासन के अपने तरीके खोज लाया। हिमाचल के शासन में भौगोलिक खींचतान हमेशा रही है और इसी से निकले हैं कई प्रयोग। खास तौर पर पंजाब पुनर्गठन के बाद पहाड़ी क्षेत्रों में भौगोलिक सीमाओं को पढ़ते-पढ़ते कहीं न कहीं ऊपरी व निचले हिमाचल के वित्तीय विभेद सामने आए और इस रस्साकशी से उपजे विवादों से अलग होने की कोशिश हुई। स्व. वाई एस परमार के दौर से सुखविंदर सुक्खू के आधार तक पहुंचते-पहुंचते हिमाचल की करवटें अपने गीत सुनाती रहीं। स्व. ठाकुर रामलाल ने सरकार के कद को कांगड़ा की सोहबत में परखा तो पहली बार मंत्रिमंडल ने धर्मशाला में शिविर स्थापित करके नजदीकी के सेतु तलाशे जो बाद में फैलते हुए वीरभद्र सिंह के शीतकालीन प्रवास तक पहुंच गए। विवाद धर्मशाला में हिमाचल भवन पर उठा और धूमल सरकार ने कश्मीर हाउस को आजाद करवा कर पर्यटन निगम को सौंप दिया, लेकिन इसके बाद बाकायदा एक प्रशासनिक सचिवालय बना जहां शिमला के बाद कुछ मंत्री धर्मशाला आकर बैठने लगे। राजनीति के शिल्प को तेजधार देने में माहिर रहे स्व. वीरभद्र सिंह ने शीतकालीन प्रवास को विधानसभा के शीतकालीन सत्र तक पहुंचा कर तपोवन विधानसभा परिसर की स्थापना नहीं की, बल्कि शीतकालीन राजधानी का दर्जा भी दिया, जिसे बाद में आज तक तरजीह नहीं मिली। पिछले कुछ सालों से मुख्यमंत्री का शीतकालीन प्रवास भी गैरजरूरी होता जा रहा है, हालांकि जयराम सरकार ने अपनी पहली इनवेस्टमेंट मीट और सुक्खू सरकार ने अपनी पहली वर्षगांठ मनाने के लिए धर्मशाला में ही स्तंभ स्थापित किए।

ताजा प्रयोग देहरा में मुख्यमंत्री कार्यालय का प्रवेश द्वार है। इससे पहले नादौन में मुख्यमंत्री का कैंप आफिस, सुशासन के अपने तरीके खोज लाया। हिमाचल के शासन में भौगोलिक खींचतान हमेशा रही है और इसी से निकले हैं कई प्रयोग। खास तौर पर पंजाब पुनर्गठन के बाद पहाड़ी क्षेत्रों में भौगोलिक सीमाओं को पढ़ते-पढ़ते कहीं न कहीं ऊपरी व निचले हिमाचल के वित्तीय विभेद सामने आए और इस रस्साकशी से उपजे विवादों से अलग होने की कोशिश हुई। स्व. वाई एस परमार के दौर से सुखविंदर सुक्खू के आधार तक पहुंचते-पहुंचते हिमाचल की करवटें अपने गीत सुनाती रहीं। स्व. ठाकुर रामलाल ने सरकार के कद को कांगड़ा की सोहबत में परखा तो पहली बार मंत्रिमंडल ने धर्मशाला में शिविर स्थापित करके नजदीकी के सेतु तलाशे जो बाद में फैलते हुए वीरभद्र सिंह के शीतकालीन प्रवास तक पहुंच गए। विवाद धर्मशाला में हिमाचल भवन पर उठा और धूमल सरकार ने कश्मीर हाउस को आजाद करवा कर पर्यटन निगम को सौंप दिया, लेकिन इसके बाद बाकायदा एक प्रशासनिक सचिवालय बना जहां शिमला के बाद कुछ मंत्री धर्मशाला आकर बैठने लगे।

आखिर कुछ तो है जिसे शिमला के बाहर ढूंढते-ढूंढते सरकारें धर्मशाला तक पहुंचीं, लेकिन अब फेहरिस्त में क्षेत्रीय राजनीति का बदलाव मुख्यमंत्री के दो शिविर कैंप स्थापित कर रहा है। प्रो. प्रेम कुमार धूमल के बाद सुखविंदर सुक्खू के सामने सियासी दोहन की पारी हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की जिरह को आबाद कर रही है और कहना पड़ता है कि सत्ता का शिखर और असर यही है। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के जिस पहलू में कांगड़ा का यह हिस्सा आ रहा है वहां सांसद अनुराग व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की निगरानी भी है। अनुराग ठाकुर जहां केंद्रीय विश्वविद्यालय को पहुंचा सकते थे, उससे कहीं आगे इसका देहरा परिसर पहुचं रहा है, जबकि धर्मशाला का प्रस्तावित जदरांगल परिसर अपने बुनियादी प्रश्नों से लड़ रहा है। बनखंडी का चिडियाघर अपने होने की इत्तिला दे रहा है, लेकिन धर्मशाला का टूरिस्ट विलेज, हिमुडा कालोनी, कानवेंशन परिसर, हाई आल्टीट्यूट स्पोट्र्स कांपलेक्स व यूनिटी मॉल अपने खोने की खबर बना रहा है। बहरहाल नई सियासी परंपराओं के आलोक में अगर मजमून को पढ़ा जाए, तो यह स्पष्ट हो रहा है कि देहरा के आवश्यक सवालों की मिट्टी पर सत्ता का ताकतवर घरौंदा खड़ा हुआ। ऐसे में देहरा को जिला स्तर तक की सहूलियतों में इसका कद न्याय प्राप्त करके अब पुरानी अलग जिला बनाने की मांग को इतिश्री कर दे। सुशासन की खोज व राजनीतिक स्वाभिमान के विमर्श में देहरा पिछले कई वर्षों से जिला मुख्यालय का मूलधन पाने की मांग करता रहा है, लेकिन अब उससे बड़ा और राज्य की राजधानी के सामने मुख्यमंत्री व अन्य कार्यालय प्राप्त करके जो हासिल कर रहा है, वहां भविष्य की सियासत के पैमाने जरूर बदलेंगे। देहरा अब पौंग विस्थापन के नए आयताकार परिदृश्य में उम्मीदों की फेहरिस्त में अव्वल व सरकार के संज्ञान में प्रथम दर्जा हासिल कर रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप की वापसी: भारत के उद्योग और रणनीतिक साझेदारी का उज्ज्वल भविष्य

भगवती बल्दवा

डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में अपनी ऐतिहासिक जीत दर्ज कराई है। उनकी यह वापसी न केवल अमेरिका बल्कि वैश्विक राजनीति, विशेष रूप से भारत के लिए एक नया अवसर लेकर आई है। ट्रंप का कार्यकाल पहले ही भारत-अमेरिका रिश्तों में मजबूत साझेदारी का प्रतीक रहा है, और उनकी दोबारा वापसी से इन रिश्तों को और प्रगाढ़ करने की संभावना है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान भारत को एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार के रूप में देखा था। चाहे वह व्यापार हो, रक्षा सहयोग हो, या फिर चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करना हो, ट्रंप ने भारत के साथ मजबूत रिश्ते बनाने के लिए कदम उठाए हैं।

ट्रंप ने भारतीय मूल के अमेरिकियों और हिंदू समुदाय के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और खुलेआम समर्थन दिखाया है। उनके पिछले कार्यकाल के दौरान उन्होंने भारत के सांस्कृतिक और धार्मिक पहलुओं का सम्मान किया और हिंदू त्योहार दिवाली पर शुभकामनाएं देकर भारतीय समुदाय के साथ मजबूत संबंध बनाए। उनके भाषणों में भी हिंदुओं की सुरक्षा और भारतीय संस्कृति के प्रति आदर साफ झलकता है। हाल ही में दिवाली के अवसर पर उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों की निंदा की और हिंदू अमेरिकियों की रक्षा का वादा किया। मतलब साफ है कि वे न केवल अमेरिकी हिंदुओं बल्कि वैश्विक हिंदू समुदाय के प्रति भी सहानुभूति रखते हैं।भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ट्रंप की मित्रता गहरी रही है। ट्रंप ने मोदी को हर मौके पर अपना अच्छा दोस्त कहा है और भारत-अमेरिका साझेदारी को मजबूत करने की इच्छा जताई है। दोनों नेताओं की दोस्ती ने भारत-अमेरिका संबंधों को एक नई दिशा दी। हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप जैसे आयोजनों ने न केवल दोनों नेताओं की आपसी समझ को उजागर किया बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर एक मजबूत संदेश के रूप में देखा गया। दोनों नेताओं की आपसी तालमेल ने द्विपक्षीय मुद्दों को तेजी से हल करने में मदद की और भारत-अमेरिका संबंधों को गहराई दी।अब अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी भारत के लिए कई जियोपॉलिटिकल लाभ लेकर आने वाली है। उनके नीतिगत रुख और भारत के प्रति समर्थन से क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीति में भारत की स्थिति और मजबूत हो सकती है।डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में चीन के खिलाफ सख्त रुख अपनाया था। उनके नेतृत्व में शुरू हुए व्यापार युद्ध ने चीन की आर्थिकी को गहरा झटका दिया। ट्रंप ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभुत्व को चुनौती देने के लिए भारत के साथ सहयोग बढ़ाया। ट्रंप ने भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के बीच क्वाड जैसी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत किया। उनकी वापसी से क्वाड और भी प्रभावी हो सकता है। चीन और भारत के साथ सीमा पर इस वक्त विश्वास बहाली की कोशिश हुई है। सेनाएं पीछे हट चुकी हैं। फिर भी लद्दाख क्षेत्र में चीन के सैन्य रवैये के खिलाफ ट्रंप का समर्थन भारत के लिए एक और मजबूत रणनीतिक कवच हो सकता है।ट्रंप का आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि पाकिस्तान को दी जाने वाली अमेरिकी मदद में कटौती ने ट्रंप के इरादों को स्पष्ट कर दिया था। भारत के आतंकवाद विरोधी प्रयासों को ट्रंप का समर्थन मिला, जिससे पाकिस्तान पर वैश्विक दबाव बढ़ा था। अब ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद भारत को आतंकवाद के खिलाफ अपने रुख को और मजबूती से रखने का मौका मिलेगा। डोनाल्ड ट्रंप के पिछले कार्यकाल में भारत को मेजर डिफेंस पार्टनर का दर्जा दिया गया, जिससे भारत को अमेरिकी रक्षा तकनीक और उपकरणों तक अधिक पहुंच मिली। भारत को ड्रोन्स, मिसाइल सिस्टम्स और अन्य उन्नत सैन्य तकनीक उपलब्ध कराने में ट्रंप प्रशासन ने अहम भूमिका निभाई। ट्रंप प्रशासन ने भारत और अमेरिका के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यासों को बढ़ावा दिया, जिससे दोनों देशों की सेनाओं के बीच सामंजस्य बढ़ा था।डोनाल्ड ट्रंप ने बेशक अमेरिका फर्स्ट की नीति अपनाई, लेकिन भारत के साथ व्यापारिक रिश्तों को उन्होंने हमेशा महत्व दिया। ट्रंप ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए कदम उठाए। ट्रंप ने भारत में मोदी सरकार के मेक इन इंडिया और अपने देश यानी के मेक अमेरिका ग्रेट अगेन, इन दोनों अभियानों के बीच तालमेल बैठाकर नई संभावनाएं पैदा कीं। अब ट्रंप की वापसी से दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को और गति मिल सकती है।भारतीय उद्योगों को निर्यात पर लगने वाले अमेरिकी शुल्क में कमी का लाभ मिलेगा। भारत और अमेरिका के बीच कृषि, विनिर्माण, और सेवा क्षेत्रों में नए समझौते हो सकते हैं। भारत की स्टार्टअप संस्कृति और तकनीकी नवाचार, जैसे डिजिटल भुगतान प्रणाली, स्वास्थ्य टेक्नोलॉजी और एग्री-टेक अमेरिकी कंपनियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकते हैं। अमेरिकी निवेशकों को भारत में स्टार्टअप्स और तकनीकी कंपनियों में निवेश के लिए प्रोत्साहन मिल सकता है। यानी भारतीय स्टार्टअप्स को अमेरिका में विस्तार के लिए नए अवसर मिलेंगे। खास तौर पर फिनटेक और हेल्थकेयर स्टार्टअप्स के क्षेत्रों में अमेरिकी कंपनियों के साथ सहयोग से भारत को वैश्विक पहचान मिलेगी।

ट्रंप की नीतियों में हरित ऊर्जा को लेकर पहले अलग दृष्टिकोण था, लेकिन अब भारत के साथ सौर ऊर्जा और अन्य टिकाऊ तकनीकों पर सहयोग बढ़ सकता है। भारतीय हर्बल उत्पादों और आईटी सेवाओं के साथ-साथ भारतीय प्रवासी समुदाय ट्रंप प्रशासन में एक मजबूत पुल की भूमिका निभा सकता है। डोनाल्ड ट्रंप की वापसी भारतीय हर्बल इंडस्ट्री और आईटी क्षेत्र के लिए एक नई दिशा तय कर सकती है। जहां एक ओर हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों को अमेरिका में बड़ा बाजार मिल सकता है, वहीं आईटी कंपनियां नए तकनीकी क्षेत्रों में विस्तार कर सकती हैं।ट्रंप ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका को हमेशा महत्व दिया है। ट्रंप की रणनीति ने भारत को इस क्षेत्र में एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरने का अवसर दिया। समुद्री सुरक्षा, मुक्त व्यापार और क्षेत्रीय स्थिरता को बनाए रखने के लिए भारत-अमेरिका ने मिलकर कई महत्वपूर्ण काम किये हैं। डोनाल्ड ट्रंप की दोबारा जीत भारत-अमेरिका संबंधों को अगले स्तर पर ले जा सकती है। ट्रंप की वापसी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी और अंतरिक्ष तकनीक जैसे क्षेत्रों में सहयोग और बढ़ने की संभावना है। भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ ट्रंप के संबंध और मजबूत होंगे, जिससे दोनों देशों के सांस्कृतिक रिश्तों को नई दिशा मिलेगी। जलवायु परिवर्तन, वैश्विक सुरक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर भारत और अमेरिका की साझेदारी से वैश्विक स्तर पर नेतृत्व की नई मिसाल पेश हो सकती है।डोनाल्ड ट्रंप की जीत न केवल अमेरिका बल्कि भारत के लिए भी एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है।

उनकी वापसी से भारत को न केवल सामरिक और आर्थिक क्षेत्रों में लाभ होगा बल्कि वैश्विक राजनीति में अपनी स्थिति को मजबूत करने का मौका मिलेगा। ट्रंप और मोदी की मित्रता भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सक्षम है। जियो पॉलिटिक्स के इस नए अध्याय में, भारत एक मजबूत साझेदार के रूप में उभर सकता है। सीधे तौर पर कहें तो डोनाल्ड ट्रंप की वापसी भारत-अमेरिका साझेदारी के लिए एक सुनहरा अवसर है। जिसका लाभ उठाकर दोनों देश भविष्य की नई कहानी लिख सकते हैं।

(लेखिका महेश बैंक की निर्देशक हैं ।)

दृष्टि कोण

प्रदेश सरकार की कारगुजारी का इम्तिहान

राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को आगामी 13 नवंबर को होने वाले सात विधानसभा उपचुनावों से फिर चुनावी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा। यह उपचुनाव भाजपा सरकार के 11 महीने के कार्यकाल का 'लिटमस टेस्ट' माना जा रहा है, जिसमें यह देखा जाएगा कि सरकार ने जनता को कौन सी योजनाओं का लाभ दिया और उनका कितना प्रभाव पड़ा। इन सात उपचुनावों में झुंझुनू, रामगढ़, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर, सलूंबर और चौरासी सीटें शामिल हैं, जिनमें से पांच सीटें लोकसभा चुनाव 2024 के बाद खाली हुई हैं। बता दें कि इन सात सीटों में से कांग्रेस का चार, बीएपी, आरएलपी और बीजेपी का एक-एक सीट पर कब्जा था। कुल 200 सदस्यों वाली विधानसभा में अभी भाजपा के 114 विधायक, कांग्रेस के 65, बीएपी-3, बसपा-2, आरएलपी-1, निर्दलीय 8, और रिक्त 7 हैं। इन उपचुनावों का महत्व इसलिए भी है क्योंकि ये भाजपा के कार्यकाल की उपलब्धियों का मूल्यांकन होगा। इन सीटों के लिए राजनीतिक दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है, जहां परिवारवाद और सहानुभूति आधारित उम्मीदवारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उदाहरण के लिए, कांग्रेस ने रामगढ़ सीट पर भूतपूर्व विधायक जुबेर खान के बेटे आर्यन जुबैर को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने इस सीट पर सहानुभूति को प्रमुख मुद्दा बनाते हुए अपने प्रत्याशी को उतारा है। वहीं भाजपा ने सुखवंत सिंह को टिकट दिया है, जो 2023 विधानसभा चुनाव में आजाद समाज पार्टी से हार चुके थे। झुंझुनू से बृजेंद्र ओला (सांसद) के पुत्र अमित ओला को टिकट दिया गया है, जबकि भाजपा ने राजेंद्र भम्भू को इस सीट पर मैदान में उतारा है। यह सीट ओला परिवार के लिए महत्वपूर्ण रही है, क्योंकि इस परिवार ने यहां पर कई चुनावों में सफलता हासिल की है। सलूंबर सीट पर भाजपा ने स्व. अमृतलाल मीणा की पत्नी शांता देवी मीणा को टिकट दिया है, जबकि कांग्रेस ने रेशमा मीणा को मैदान में उतारा है। यहां बीएपी प्रत्याशी जीतेश कटारा त्रिकोणीय मुकाबला बना रहे हैं। खींवसर सीट पर भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने उम्मीदवारों को उतारा है। भाजपा ने रेवत राम डांगा को टिकट दिया है, जबकि कांग्रेस ने रतन चौधरी को मैदान में उतारा है। इस सीट पर पहले ही आरएलपी के हनुमान बेनीवाल का प्रभाव था, जिन्होंने नागौर लोकसभा सीट पर भी जीत हासिल की थी। इस सीट पर आरएलपी से हनुमान बेनीवाल की पत्नी कनिका प्रत्याशी हैं। दौसा सीट पर भाजपा ने किरोड़ीलाल मीणा के भाई जगमोहन मीणा को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने दलित प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा को टिकट दिया है। यह सीट मीणा और गुर्जर समुदायों के लिए महत्वपूर्ण है, जहां दोनों दल अपनी-अपनी जीत के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। दौसा सीट को लेकर दोनों दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है क्योंकि यह सीट राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जाती है। देवली-उनियारा और चौरासी सीटों पर भी जातीय और क्षेत्रीय समीकरण महत्वपूर्ण होंगे। चौरासी सीट पर बीएपी के अनिल कटारा, कांग्रेस के महेश रोट और भाजपा के करिलाल नैनोमा के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होगा। चौरासी सीट पर आदिवासी मुद्दों का प्रभाव भी देखा जा सकता है, क्योंकि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का आदिवासी विरोधी बयान भाजपा को कुछ हानि पहुंचा सकता है, लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को इस आदिवासी बेल्ट में नुकसान हुआ थ। देवली-उनियारा सीट पर कांग्रेस के केसी मीणा और भाजपा के राजेंद्र गुर्जर के बीच मुकाबला दिलचस्प होगा। इस सीट पर टोंक लोकसभा से जीते हरीश मीणा की प्रतिष्ठा भी दांव पर होगी। इस सीट पर राजनीतिक संघर्ष के साथ-साथ पार्टी के प्रभाव और उम्मीदवारों की छवि भी निर्णायक भूमिका निभा सकती है। यह उपचुनाव भाजपा के लिए एक चुनौतीपूर्ण स्थिति प्रस्तुत करता है, क्योंकि पिछले कुछ उपचुनावों में उसे हार का सामना करना पड़ा है, जैसे कि बागीडोरा और सरदारशहर सीटों पर। भाजपा को इन हारों से कुछ सीखने का अवसर मिला है और इस बार वह चुनाव में कुछ नया करना चाहती है। भाजपा ने अपने विकास के एजेंडे को प्रमुखता से रखा है, जिसमें ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी), किसानों के लिए बेहतर एमएसपी और जनजातीय अधिकारों का मुद्दा प्रमुख हैं। हालांकि, भाजपा के अंदरूनी विवाद और बागी विधायकों का चुनावी हस्तक्षेप पार्टी के लिए मुश्किलें पैदा कर रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का प्रभाव और उनके समर्थकों की चुप्पी भी भाजपा को मुश्किल में डाल सकती है। इसके बावजूद, भाजपा राज्य के नेताओं, कार्यकर्ताओं को एकजुट करने की कोशिश कर रही है। भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा उपचुनावों में जीत का दावा कर रही है। भाजपा के लिए यह उपचुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इसके परिणाम मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के भविष्य और मंत्रिमंडल विस्तार पर असर डाल सकते हैं। इसके अलावा, लोकसभा चुनाव 2024 में कई सीटों पर हुई हार का असर हो सकता है। राजस्थान में भाजपा और कांग्रेस दोनों की ओर से ये उपचुनाव प्रतिष्ठा और राजनीतिक भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

कुछ अलग

सडक़ें चौड़ी हो गई हैं...

सुबह सुबह को बुलाया था मुख्यमंत्री ने, बोले-'देखो हम सडक़ें चौड़ी कर रहे हैं। आवागमन सुविधाजनक होता जा रहा है।' मैंने कहा-'सडक़ें ही क्यों, पुल बन रहे हैं और नए-नए फ्लाईओवर। शहर को आपने चमाचम कर दिया है। बिजली अबाधित है। थोड़ा सा गांवों पर भी ध्यान दें तो अगले चुनाव में नौका आसानी से किनारे जा लगेगी।' मेरी बात पर थोड़ा झुंझलाए, फिर सहज होकर बोले-'गांवों की और चुनावों की चिंता तुम छोड़ो। मैंने तुम्हें इसलिए बुलाया था कि तुमने देख लिया कि राजधानी में विकास किस गति से गतिमान है।' मैं बोला-'विकास की मत पूछिये। इसके नाम पर तो आपने गंगा बहा दी है। अतिक्रमण की समस्या लगभग समाप्त हो गई है। थोड़ा सा हाउसिंग सोसाइटीज पर ध्यान दे लेते तो और उत्तम रहता।' वे फिर बोले-'हाउसिंग सोसाइटीज को मारो गोली। विकास की बही गंगा पर एक 'राइटअप' लिख मारो।' मैंने कहा-'लिखने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन छपवाना जरा जटिल है।' वे बोले-'उसकी चिंता छोड़ो, सब मैनेज करा दूंगा। तुम तो अपना 'राइटअप' तैयार करो।' मैंने कहा-'सर, यह अकाल का क्या लफड़ा है? आये दिन चला आता है।' वे बोले-'जरा धीरे बोलो, अकाल को कन्टीन्यु करने दो। यह बहुत जरूरी है। काफी लोग जूझ रहे हैं। काफी लोग काम कर रहे हैं। इस तरह काफी लोग खा रहे हैं। काफी लोग जीविका जुटा रहे हैं। अकाल बहुत जरूरी है हमारे लिए। बारिश शुरू तो हो गई है, लेकिन इससे बात बनी नहीं है। राइटअप में अकालों को तो सब साइड ही कर देना। इसे आवश्यकता हुई तो बाद में देखेंगे। तुम तो हमने जो सडक़ें चौड़ी की हैं, उस पर गौर करो। कुल मिलाकर विकास की गंगा बह निकली है, उसे केंद्रबिंदु बनाना है।' मैं बोला-'सडक़ों पर तो लिखना ही पड़ेगा। वाकई सडक़ें बहुत चौड़ी हो गई हैं। मकान-दुकान तोडक़र भी इन्हें चौड़ा किया गया है। लेकिन सर इधर सडक़ बनकर तैयार होती है और उधर दूसरे ही दिन इन्हें खोद दिया जाता है। कभी सीवर लाइन के लिए और कभी टेलीफोन के लिए?' 'इसे भी छोड़ो, इसे मैं देख लूंगा, राइटअप में इसका भी जिक्र नहीं करना है। मैंने कहा न, सडक़ें पैरिस का मुकाबला कर रही हैं। इस पर ध्यान देना है तुम्हें।' वे बोले तो मैंने कहा-'मैं मानता हूं। सडक़ों के मामले में हम पैरिस से आगे जा रहे हैं। परंतु महंगाई सुरसा की तरह फैलती जा रही है।' इस बार उन्होंने दोनों हाथों से अपना सिर पकड़ लिया। बालों को खींचा, आसमान को देखा और फिर मुझे घूरकर बोले-'तुम क्यों नहीं बात का मर्म समझ रहे। महंगाई से मेरा लेना-देना क्या है? सुनो, भूख से कोई मर जाए, लेकिन महंगाई से मरते मैंने किसी को नहीं देखा। इधर कलर टीवी हमने सस्ता किया है। खरीदने वालों का तांता लगा हुआ है। इसलिए महंगाई की बात बेमानी है। 'राइटअप' में महंगाई का जिक्र तो 'भूले' से भी नहीं करना है, मैंने कहा न, सडक़ें बहुत चौड़ी हो गई हैं। विकास की गंगा बह रही है।' 'सर, मैं दोनों ही बातों से इंकार नहीं करता, परंतु गरीबों को दिया जाने वाला सस्ता राशन अभी तक दुकानों पर नहीं पहुंचा है। वहां कतारें लंबी हो रही हैं। गरीबी हटाने के मुद्दे से तो आप मुकर नहीं सकते।' मैंने कहा तो इस बार वे लगभग चिल्लाकर बोले-'शर्मा समझो। गरीबी नहीं मिटाना हमारी विवशता है। कहना और करना दो अलग-अलग बातें हैं और हम उस पर अमल कर रहे हैं। इसलिए इस बात को भी अलग रखो। सडक़ें चौड़ी हो गई हैं, बस इसी बात पर फोकस करो।'

देश दुनिया से

जन सहयोग से हो कारगर नीतियों का क्रियान्वयन

राजधानी दिल्ली में प्रदूषण की समस्या गंभीर हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर केंद्र और राज्य सरकारों की कार्रवाई को नकारते हुए कहा कि मौजूदा कानून प्रभावी नहीं हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि स्वच्छ वातावरण में रहना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है, जिसे सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए। निःसंदेह, प्रदूषण बढ़ने के प्रमुख कारणों में आतिशबाज़ी, किसानों द्वारा पराली जलाना, हवा की रुकावट, बढ़ती धूल और वाहनों का धुआं शामिल हैं। विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में पीएम 2.5 की सघनता विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से कहीं अधिक है, जिससे यह दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हो गया है। यहां की हवा में ज़हरीले तत्वों की अधिकता की वजह से ही स्थानीय लोग सालभर वायु और ध्वनि प्रदूषण के गंभीर प्रभावों का सामना करते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए दिल्ली सरकार ने कई प्रयास किए हैं, जैसे कि बाहरी वाहनों के प्रवेश पर रोक, पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंध, किसानों को आर्थिक सहायता देने, एनसीआर में उद्योगों को पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) मुहैया कराना और कई अन्य कदम जैसे बदरपुर बिजली संयंत्र बंद करना और निर्माण अपशिष्ट प्रबंधन नियम लागू करना शामिल है। इसके बावजूद, प्रदूषण की समस्या जस की तस बनी हुई है, जिसके कारण लोगों की जीवन प्रत्याशा घट रही है। इसके अतिरिक्त, प्रदूषण के कारण प्राकृतिक संसाधन और पर्यटन स्थल भी प्रभावित हो रहे हैं। ध्वनि प्रदूषण भी न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति और भी विकट हो गई है, खासकर त्योहारों के दौरान। कुल 3.3 करोड़ की जनसंख्या में से बड़ी संख्या में अधिकांश लोग किसी न किसी रूप में प्रदूषण फैलाने के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन न कोई ठोस जागरूकता अभियान चलाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार कानून के तहत त्योहार मनाने की दिशा में आदेश दिए, लेकिन इनका पालन नहीं होता। पुलिस महज औपचारिकता निभाती है और आम जनता प्रदूषण के प्रति जागरूक नहीं है। समस्या का समाधान तभी संभव है जब सरकार और नागरिक दोनों पर्यावरण के प्रति संवेदनशील हों। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का सबसे गंभीर प्रभाव लोगों की सेहत पर पड़ रहा है,

खासकर नई-नई बीमारियों के रूप में। ठंड के मौसम में प्रदूषण के कारण सांस संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं और बड़ी संख्या में मौतें हो रही हैं। दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स 500 तक पहुंच जाता है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन की सीमा से 100 गुना अधिक है। इस प्रदूषण का असर जीवन प्रत्याशा पर भी पड़ रहा है; शिकागो विश्वविद्यालय के अनुसार, दिल्ली में रहने वालों के जीवनकाल में औसतन 11.9 साल की कमी आई है। प्रदूषण के कारण दिल, फेफड़े, आंत, आंख, हड्डी और यकृत से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर भी इसका गहरा असर हो रहा है, विशेष रूप से बच्चों में याददाश्त और गणितीय क्षमताओं में गिरावट देखी जा रही है। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण केवल वायु तक सीमित नहीं है, जल, ध्वनि, मिट्टी और प्रकाश प्रदूषण भी तेजी से बढ़ रहा है। यमुना जैसे प्रमुख जलस्रोतों का पानी प्रदूषित हो चुका है, जिससे न केवल जल का उपयोग मुश्किल हो गया है, बल्कि आवारा जानवरों और पक्षियों में बीमारियों का संक्रमण बढ़ा है, और मवेशियों व पक्षियों की मौतें हो रही हैं। एक अमेरिकी शोध के अनुसार, भारत के बड़े शहरों में बढ़ता मिट्टी, जल और ध्वनि प्रदूषण पर्यावरण और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरे का संकेत है। राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुसार, पिछले तीस वर्षों में दिल्ली में कैंसर के मरीजों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई है, विशेष रूप से 0 से 14 साल के बच्चों में। दिल्ली की हवा में मौजूद खतरनाक गैसें जैसे कार्बन मोनोआक्साइड, नाइट्रिक आक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और ओजोन स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे पैदा करती हैं। इसके अलावा, पीएम 2.5 (अल्ट्रा फाइन पार्टिकुलेट मैटर) प्रदूषण का एक और प्रमुख कारण है, जो मोटर वाहनों, बिजली संयंत्रों, फैक्टरियों और पटाखों से निकलता है। पीएम 2.5 के संपर्क में आने से दिल और फेफड़ों की बीमारियों का खतरा बढ़ता है, जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। डाउन टू अर्थ की रिपोर्ट और साल 2018 से 2023 के अक्तूबर महीने के बीच 25 शोधों के अनुसार, भारत के बच्चों पर वायु प्रदूषण का असर केवल उत्तर भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के तमाम बड़े शहरों में यह समस्या बढ़ रही है। इसके कारण नवजात बच्चों का जन्म के वक्त वजन में कमी, समय से पहले प्रसव और मृत जन्म दर वृद्धि हो रही है। यूनाइटेड नेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में करोड़ों बच्चे एनीमिया से ग्रस्त हैं और प्रदूषण के कारण एंटीबायोटिक दवाओं का प्रभाव भी कम हो रहा है। एनसीआर में वाहनों की संख्या और धूल की समस्या बढ़ने के कारण भविष्य में स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ने की आशंका है। प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार के उपायों और कोर्ट के आदेशों के साथ-साथ आम आदमी की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है। इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग बढ़ाना, धूल नियंत्रण में जनसहयोग और पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए एनसीआर के सटे राज्यों के किसानों को भी जागरूक करना आवश्यक है।

आप का नजरिया

अमेरिका का 'ट्रंप कार्ड'

डोनाल्ड ट्रंप अमरीका के 47वें राष्ट्रपति होंगे। उनके पक्ष में अभी तक 295 इलेक्टोरल वोट हैं, जबकि कमला हैरिस 223 इलेक्टर्स के साथ काफी पिछड़ गई हैं। ट्रंप की टीम का आकलन है कि उन्हें 300 से अधिक इलेक्टर्स का समर्थन मिल सकता है। यह संपादकीय लिखने तक मतगणना जारी थी। अमरीका के लोकतंत्र ने एक बार फिर ट्रंप के नेतृत्व में विश्वास जताया है, नतीजतन उनके पक्ष में 51 फीसदी से अधिक जनादेश है। ट्रंप दूसरी बार अमरीका के राष्ट्रपति बन रहे हैं। बीच में चार साल का अंतराल था, जब जो बाइडेन राष्ट्रपति पद पर रहे। बाइडेन ने बेहद करीबी मुकाबले में ट्रंप को पराजित किया था। बहरहाल इस बार ट्रंप की जीत ऐतिहासिक, चमत्कारिक और अविश्वसनीय मानी जानी चाहिए। खुद ट्रंप ने भी ऐसा माना है। दरअसल उद्योगपतियों का एक वर्ग, संघीय नौकरशाहों की एक जमात, प्रमुख मीडिया समूह और दुष्प्रचार का एक प्रायोजित अभियान ट्रंप के खिलाफ था। वे वामपंथी सोच और सियासत के लोग थे और ट्रंप के खिलाफ लगातार प्रचारित कर रहे थे कि वह कमला हैरिस से पिछड़ रहे हैं। फिर प्रायोजित सर्वे भी प्रकाशित किए जाते रहे कि मुकाबला कांटेदार है, लेकिन जिस तरह इलेक्टर्स को जनादेश मिला है, वह स्पष्ट करता है कि इस बार अधिकांश अमरीका ने ट्रंप को ही चुनने का मन बना लिया था। औपचारिक तौर पर 6 जनवरी, 2025 को 538 निर्वाचित प्रतिनिधि राष्ट्रपति के लिए वोट करेंगे और उसी के बाद ट्रंप आधिकारिक तौर पर 'सुपर पॉवर' देश के 'सुपर बॉस' घोषित किए जाएंगे। नए राष्ट्रपति 20 जनवरी को शपथ ग्रहण करेंगे और उसके बाद अमरीका का 'ट्रंप काल' शुरू होगा। ट्रंप ने उसे 'स्वर्णिम दौर' माना है। बेशक अमरीका में एक बड़ा बदलाव सामने आया है, लेकिन ट्रंप के 'व्हाइट हाउस' में प्रवेश के बाद विश्व-व्यवस्था भी बदलेगी। रूस के राष्ट्रपति पुतिन नए राष्ट्रपति की नीति और नीयत का आकलन करेंगे, उसके बाद ही बधाई देंगे। संभव है कि रूस पर अमरीकी पाबंदियों में कमी आए या उनमें ढील दी जाए! ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता और अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार जरूर चिंतित होंगे। ट्रंप के पहले कार्यकाल में भी अमरीका घोर ईरान-विरोधी था। इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू बल्लियों उछल रहे होंगे, क्योंकि वह ट्रंप के ही पक्षधर, समर्थक रहे हैं। अमरीका में यहूदी लॉबी भी बहुत ताकतवर है। भारत के प्रधानमंत्री मोदी के 'गहरे दोस्त' ओबामा और बाइडेन भी थे। पुतिन भी हैं और ट्रंप तो पहले से ही 'प्रिय दोस्त' रहे हैं, लेकिन द्विपक्षीय संबंध और कूटनीति ऐसी 'दोस्ती' के सहारे नहीं चला करतीं। बेशक राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप का बुनियादी लक्ष्य होगा कि अमरीका को दोबारा 'महान' बनाया जाए। 'अमरीका सर्वप्रथम' की नीति लागू की जाए। उनके सामने 100 फीसदी जीडीपी के कर्ज वाली अर्थव्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी, अवैध शरणार्थी सरीखी ज्वलंत समस्याएं हैं, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप की अंतरराष्ट्रीय भूमिका भी कमतर नहीं है।

एलन मस्क का दावा–अब कनाडा में अगला चुनाव हार जाएंगे जस्टिन ट्रूडो

वॉशिंगटन, 08 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद दुनिया में कई तरह के बदलाव देखे जा सकते हैं। इसकी शुरुआत अरबपति एलन मस्क ने कर दी है। उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो आने वाले चुनाव में हार जाएंगे। हाल ही में अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव संपन्न हुए हैं, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है। खास बात है कि ट्रंप के प्रचार अभियान में मस्क ने भी बड़ी भूमिका अदा की थी। यहां तक कि ट्रंप ने पहले ही भाषण में टेस्ला चीफ का कई बार जिक्र किया था। हाल ही में एक यूजर ने सोशल मीडिया की एक पोस्ट में मस्क को टैग किया था। उन्होंने लिखा था, एलन मस्क हमें ट्रूडो से छुटकारा पाने के लिए आपकी मदद चाहिए। इस पर मस्क ने जवाब दिया, आगामी चुनाव में वह चले जाएंगे। खास बात है कि दिसंबर 2025 से पहले कनाडा में भी चुनाव होने हैं और फिलहाल ट्रूडो अपनी ही अगुवाई वाली लिबरल पार्टी में विरोध का सामना कर रहे हैं।

इससे पहले मस्क ने जर्मनी के चांसलर ओलाफ शूल्ज के तीन पार्टियों का गठबंधन टूटने के बाद उन्हें बेवकूफ कहा था। कारोबार समर्थक पार्टी 'फ्री डेमोक्रेट्स' के क्रिस्टियन लिंडनर को वित्त मंत्री पद से हटाए जाने के बाद जर्मनी की गठबंधन सरकार पर खतरा मंडरा रहा है। चांसलर ओलाफ शोल्ज ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अल्पमत सरकार के साथ देश का नेतृत्व करेंगे, हालांकि विपक्षी नेताओं ने जल्द चुनाव कराने का आह्वान किया है। चांसलर ने कहा कि अगले वर्ष की शुरुआत तक अल्पमत सरकार में उनकी 'सोशल डेमोक्रेट्स' और 'ग्रीन' पार्टी शामिल रहेगी। हालांकि संसद में सबसे बड़े विपक्षी गुट के नेता 'क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स' के फ्रेडरिक मर्ज ने अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान और चुनाव कराने का आह्वान किया है। कनाडा में आगामी चुनाव में ट्रूडो का सामना कई बड़े दलों से होना है। इनमें विपक्ष के नेता पियरे पॉलिवियर की कंजर्वेटिव पार्टी और जगमीत सिंह की अगुवाई वाली एनडीपी यानी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी का नाम शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

5.2 अरब डॉलर की डीलः इजराइल को अमेरिका देगा 25 अत्याधुनिक एफ-15 फाइटर जेट्स

यरूशलम। इजरायल ने बोइंग के साथ 5.2 अरब डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत 25 अत्याधुनिक एफ–15 फाइटर जेट्स की खरीद की जाएगी। यह समझौता इजरायल के रक्षा मंत्रालय द्वारा गुरुवार को घोषित किया गया। इस डील के तहत इजरायल को एफ–15आईए फाइटर जेट्स प्राप्त होंगे, जो इजरायली हथियार प्रणालियों, उन्नत रेंज और अधिक पेलोड क्षमता से लैस होंगे। यह सौदा अमेरिकी प्रशासन और कांग्रेस द्वारा स्वीकृत व्यापक सहायता पैकेज का हिस्सा है, जो पहले इस साल के प्रारंभ में मंजूर किया गया था। इजरायल के रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा कि इस सौदे में 25 अतिरिक्त विमानों का विकल्प भी शामिल है। अमेरिकी कंपनी बोइंग के साथ यह सौदा इजरायल की सैन्य क्षमता को और मजबूत करेगा, जो क्षेत्रीय सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है। मंत्रालय ने कहा कि इस डील का उद्देश्य इजरायली वायु सेना को मध्य पूर्व में रणनीतिक श्रेष्ठता बनाए रखने में मदद करना है, ताकि वह वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सके। सौदे के अनुसार, विमान की डिलीवरी 2031 में शुरू होगी और उम्मीद की जा रही है कि हर साल चार से छह विमान इजरायल को प्राप्त होंगे। इजरायली रक्षा मंत्रालय के महानिदेशक इयाल ज़मीर ने कहा कि यह नए विमानों का अधिग्रहण इजरायल की वायु शक्ति और रणनीतिक पहुंच में ऐतिहासिक वृद्धि का प्रतीक है। ज़मीर ने कहा, यह उस समय की बात है जब इज़राइल ने 7 अक्टूबर, 2023 को गाजा पट्टी में युद्ध की शुरुआत के बाद से लगभग 40 बिलियन डॉलर के रक्षा खरीद समझौते हासिल किए हैं।

बाइडन ने नागरिकों से व्यवस्थित सत्ता परिवर्तन का वादा किया

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने देश के नागरिकों से डोनाल्ड ट्रंप की जीत को स्वीकार करने का आग्रह किया और कसम खाई कि सत्ता का व्यवस्थित हस्तांतरण होगा।

बाइडेन ने कल व्हाइट हाउस में कहा, अमेरिकी प्रयोग कायम है। हम ठीक होने जा रहे हैं, लेकिन हमें इस पर लगे रहने की जरूरत है। हमें चलते रहने की जरूरत है और सबसे बढ़कर यह कि हमें विश्वास बनाए रखने की जरूरत है। खबर में कहा गया है कि अपनी जीत के बाद ट्रंप ने अपना ध्यान अपने नए प्रशासन में अपने चुनावी वादों को पूरा करने के लिए तैयार वफादारों के साथ पदों को भरने पर केंद्रित कर दिया है। उनका दीर्घकालीन एजेंडा सरकार, विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थशास्त्र और घरेलू मामलों को व्यापक रूप से नया आकार देना होगा।

पाकिस्तानः तीन साल की बच्ची ने वायु प्रदूषण के खिलाफ याचिका दायर की, सरकार को मुकदमे में निहायत गंभीरता से लेना होगा

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक तीन साल की बच्ची ने वायु प्रदूषण के खिलाफ सरकार के खिलाफ एक महत्वपूर्ण याचिका दायर की है। याचिका में उसने सरकार को वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में नाकामी पर मामला उठाया है। यह मामला खासकर लाहौर में जो वायु प्रदूषण की उन्नति के साथ लगातार खतरे के संकेतों में से एक है। लाहौर में वायु प्रदूषण के स्तर इतना बढ़ गया है कि यह अब दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में सहित शामिल है। इस मामले को लेकर बच्ची ने याचिका में स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण की मांग की है, जिसमें उसने अपनी, अपने दोस्तों और आने वाली पीढ़ियों के लिए न्याय की अपेक्षा की है। याचिका में उसने कहा है कि देश के संविधान के अनुच्छेद 99–ए के तहत सरकार नागरिकों को एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्रदान करने के लिए बाध्य है। उन्होंने सरकार पर मौलिक अधिकारों की रक्षा करने में असफल रहने का आरोप लगाया है।

235 साल बाद भी अमेरिका को नहीं मिल रही महिला राष्ट्रपति, उठने लगे सवाल

भारत-पाकिस्तान समेत कई देशों में महिलाएं संभाल चुकी हैं देश की बागडोर

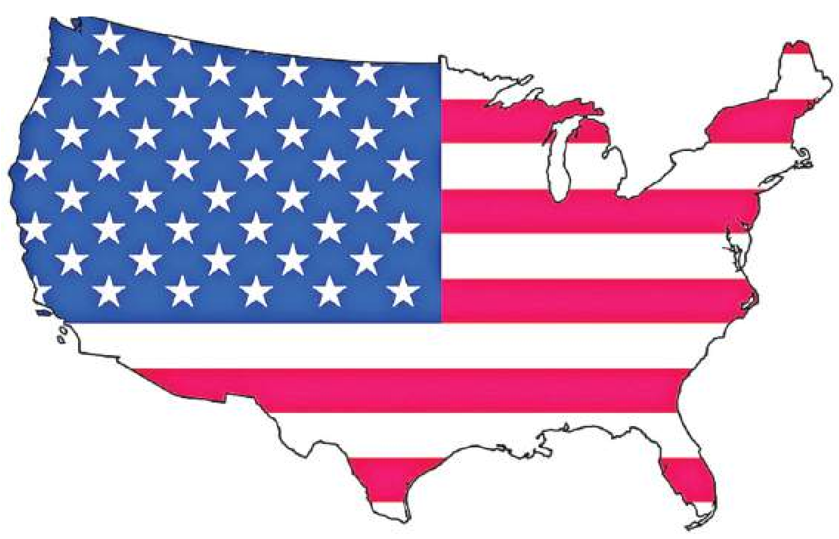

वाशिंगटन, 08 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव परिणामों ने एक बार फिर अमेरिका में महिला राष्ट्रपति बनने की संभावना को खत्म कर दिया है। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप इस दौड़ में विजयी रहे हैं, जबकि डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस पीछे रह गईं। इस चुनाव ने अमेरिका के लोकतांत्रिक स्वरूप पर फिर सवाल उठ रहे हैं, खासकर महिला नेतृत्व को लेकर।

इतिहासकारों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विक्टोरिया वुडहुल 1872 में राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बनने वाली पहली महिला थीं। अमेरिका को अब तक अपनी पहली महिला राष्ट्रपति नहीं मिल पाई है, जबकि देश में ज्यादातर उच्च पदों पर महिलाओं ने सफलता हासिल की है। यह 235 सालों से ज्यादा का समय हो चुका है, और अब तक कोई महिला अमेरिका का सर्वोच्च पद यानी राष्ट्रपति की कुर्सी पर नहीं बैठ पाई है।

अमेरिका में कई उच्च पदों पर महिलाएं रही हैं, जैसे संसद के दोनों सदनों में महिलाओं की उपस्थिति और कुछ महत्वपूर्ण मंत्रालयों में उनकी भूमिका रही है, लेकिन जब बात राष्ट्रपति पद की आती है, तो अमेरिका का रिकॉर्ड शून्य है। 2016 में हिलेरी क्लिंटन ने राष्ट्रपति पद के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा की थी, लेकिन वह ट्रंप से हार गईं थीं। हालांकि, उन्हें ट्रंप से करीब 28 लाख ज्यादा पॉपुलर वोट मिले थे, लेकिन इलेक्टोरल कॉलेज के बहुमत के कारण ट्रंप की जीत मिली थी। इसके विपरीत अन्य देश इस मुद्दे पर अमेरिका से कहीं आगे हैं। 1960 में श्रीलंका ने सिरीमावो भंडारनायके को पीएम बनाकर इतिहास रचा था। वह दुनिया की पहली महिला थीं, जिन्हें किसी देश का प्रमुख चुना गया। इसके छह साल बाद भारत ने 1966 में इंदिरा गांधी को पीएम पद पर आसीन किया था।

ट्रंप की जीत के बाद अमेरिका छोड़ना चाहती हैं एलन मस्क की बेटी

वॉशिंगटन। अरबपति एलन मस्क की बेटी विवियन जेना विल्सन ने अमेरिका छोड़ने की बात कही है।चुनाव नतीजे के बाद ट्रांसजेंडर बेटी ने पोस्ट किया, मैंने कुछ समय पहले यह सोचा था, मगर अब इसकी पुष्टि भी हो गई है। मैं संयुक्त राज्य अमेरिका में अपना भविष्य नहीं देखती हूं। इसलिए अमेरिका छोड़ रही हूं। बता दें कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की व्हाइट हाउस में वापसी के लिए उनके सबसे प्रमुख समर्थकों में से एक एलन मस्क रहे हैं। ट्रंप की जीत में उनका अहम योगदान माना जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के सबसे अमीर आदमी ने फ्लोरिडा में ट्रंप के साथ उनके मार–ए–लागो रिसॉर्ट में चुनावी रात बिताई। ट्रंप की जीत लगभग निश्चित दिखाई देने के बाद मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अमेरिका के लोगों ने डोनाल्ड ट्रंप को आज रात बदलाव के लिए स्पष्ट जनादेश दिया।मस्क से अलग हो चुकी बेटी ने राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद यह कसम खाई। उन्होंने कहा कि भले ही वह केवल 4 साल के लिए पद पर रहें। भले ही ट्रांस–विरोधी नियम लागू न हों। जिन लोगों ने स्वेच्छा से इसके लिए मतदान किया, वे जल्द नहीं बदलने वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पाम बीच कन्वेंशन सेंटर में अपने विजय भाषण में डोनाल्ड ट्रंप ने मस्क की प्रशंसा की थी। उन्होंने मस्क की कंपनियों में से एक स्पेसएक्स की ओर से निर्मित रॉकेट की सफल लैंडिंग को याद करते हुए कई मिनट बिताए।

अमेरिका में ट्रंप की जीत का जश्न तो जर्मनी में दोस्त ओलाफ की गिर गई सरकार

बर्लिन, 08 नवंबर (एजेंसियां)।

डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनने के बाद अमेरिका में जश्न मश्न रहा है, वहीं यूरोप में राजनीतिक उथल–पुथल तेज हो गई है। जर्मनी में चांसलर ओलाफ स्कोल्ज की गठबंधन सरकार गिर गई है। जर्मनी की फ्री डेमोक्रेटिक पार्टी (एफडीपी) ने गठबंधन से अपना समर्थन वापस ले लिया है, जिससे मौजूदा सरकार का बहुमत खत्म हो गया है।

ओलाफ के वित्त मंत्री क्रिश्चियन लिंडनर को हटाने के फैसले के बाद एफडीपी ने अपने मंत्रियों को कैबिनेट से बाहर कर लिया, जिससे गठबंधन टूट गया। उन्होंने घोषणा की है कि वह जनवरी में विश्वास मत हासिल करेंगे ताकि मार्च तक समय से पहले चुनाव कराए जा सकें। एफडीपी के प्रमुख लिंडनर का पार्टी के बीच विशेष प्रभाव है और उनका हटाया जाना पार्टी के लिए अस्वीकार्य था। गठबंधन में दूसरी बड़ी पार्टी

वित्त मंत्री को पद से हटाने के बाद एफडीपी ने लिया समर्थन वापस

ग्रीन्स अभी भी सरकार का हिस्सा है, लेकिन अल्पमत में होने के कारण स्कोल्ज को अन्य पार्टियों से अस्थाई समर्थन की जरुरत होगी।

इस राजनीतिक अस्थिरता के बीच रूढ़िवादी विपक्षी पार्टी सीएसयू के नेता मार्कस सोडर ने तुरंत चुनाव कराने की मांग की है। जर्मनी वर्तमान में आर्थिक संकट और वैश्विक चुनौतियों से जूझ रहा है, ऐसे में समय से पहले चुनाव का दबाव सरकार पर भारी पड़ सकता है। जर्मनी के राष्ट्रपति फ्रैंक–वाल्टर स्टीनमीयर ने कहा है कि यदि स्कोल्ज विश्वास मत हासिल कर लेते हैं, तो वह चुनाव को रोकने हस्तक्षेप नहीं करेंगे। इस स्थिति में चांसलर स्कोल्ज ने अल्पमत सरकार में बने रहने का संकल्प लिया है।

इजराइल ने हिजबुल्लाह पर रातभर की बमबारी

बेरूत, 08 नवंबर (एजेंसियां)।

इजरायल की सेना बेरूत के दक्षिणी शहरों में आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के गढ़ों पर लगातार हमला कर रही है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, बेका घाटी और बालबेक में अब तक 40 लोगों की मौत हो गई है। हिजबुल्लाह भी लगातार इजरायल पर हमला कर रहा है। हमले में एक इजरायली सैनिक की मौत की खबर आ रही है। आईडीएफ ने सैनिक की पहचान उजागर की है।

वहीं, एक बयान में बताया कि हिजबुल्लाह के लड़ाकों ने बुधवार देर रात तेल अवीव के दक्षिण में 'बिलु बेस' पर पहली बार एक साथ बहुत से अटैकर ड्रोनों को लॉन्च किया। हिजबुल्लाह ने कहा कि हमलावर ड्रोनों के झुंड ने पहली बार तेल अवीव के दक्षिण में इजरायली सेना के बिलू बेस को निशाना बनाया। शुक्रवार को इजरायल के उत्तरी बंदरगाह शहर हाइफा में एक नौसैनिक अड्डे पर फिर से हमला किया गया। 7 अक्टूबर, 2023 से गाजा में इजरायल के नरसंहार में कम से कम 43,391 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 102,347 घायल हुए हैं। लेबनान में यूएन के मानवीय प्रमुख जॉयस मसूया ने चेतावनी दी है कि उत्तरी गाजा में इजरायली सेना ने 'लगभग पूरी तरह से क्रूर घेराबंदी' के तहत रखे गए।

नेपाल–भारत के बीच दो नई ट्रांसमिशन लाइन पर सैद्धांतिक सहमति

काठमांडू, 08 नवंबर (एजेंसियां)।

नेपाल और भारत के बीच दो अंतरराष्ट्रीय ट्रांसमिशन लाइन पर सैद्धांतिक सहमति हो गई है। नई दिल्ली का तीन दिवसीय दौरा पूरा कर लौटे ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का ने आज यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच नेपाल के इनरुवा और भारत के पूर्णिया को जोड़ने वाली 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन और इतनी ही क्षमता की लम्की–बरेली ट्रांसमिशन लाइन के निवेश के प्रारूप पर सैद्धांतिक सहमति हो गई है। इनरुवा–पूर्णिया ट्रांसमिशन लाइन को 2027–2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है। लमकी (दोधारा)–बरेली 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन को 2028–2029 तक पूरा करने पर भी सहमति बनी है। नेपाल इन दोनों ट्रांसमिशन लाइनों को न्यू बुटवल–गोरखपुर ट्रांसमिशन लाइन के भारतीय खंड की तर्ज पर बनाने का प्रस्ताव कर रहा था। उन्होंने कहा नई दिल्ली में उनकी भारत के मंत्री मनोहर लाल के साथ द्विपक्षीय बैठक हुई। खड़का ने बताया कि इस पर नेपाल विद्युत प्राधिकरण और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया मिलकर काम करेंगे।

खड़का के मुताबिक नेपाल अपने हिस्से का निर्माण कार्य अमेरिका की एमसीसी परियोजना के अनुदान से करेगा। यह जानकारी भारत को दे दी गई है। नेपाल की सीमा से भारत के गोरखपुर तक निर्माण के लिए दोनों देशों की सरकारी कंपनी को मिला कर एक ज्वाइंट वेंचर कंपनी बनाने पर भी सहमति हो गई है। इसमें दोनों देशों की बराबर की हिस्सेदारी होगी। जल्द ही दोनों देशों के ऊर्जा सचिव लिखित समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस के स्टाफ में सबसे ताकतवर होंगी सूसी विल्स

वाशिंगटन, 08 नवंबर (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने अपने चुनाव में फ्लोरिडा की रणनीतिकार सूसी विल्स को व्हाइट हाउस का चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया है। वह व्हाइट हाउस की पहली अमेरिकन महिला चीफ ऑफ स्टाफ होंगी। उन्होंने लगभग चार साल तक ट्रंप के चुनाव अभियान की कमान संभाली।

खबर के अनुसार, मंगलवार को चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने सूसी के रूप में व्हाइट हाउस में पहली नियुक्ति की है। 67 वर्षीय सूसी विल्स उनके परिवार के बेहद करीब हैं। विल्स ने ट्रंप को अराजक प्रबंधन शैली से उबारा है। वह 2016 और 2020 में भी ट्रंप के राजनीतिक अभियान से जुड़ी रही हैं। साथ ही मुकदमों से निपटने में भी ट्रंप की मदद की है। ट्रंप ने उनकी नियुक्ति की घोषणा करते हुए एक बयान में कहा, सूसी सख्त, स्मार्ट, नवोन्मेषी हैं और सार्वभौमिक रूप से प्रशंसित और सम्मानित हैं। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह हमारे देश को गौरवान्वित करेंगी।

सूसी के नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, ट्रंप के दो बड़े बेटों डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर और एरिक से घनिष्ठ संबंध हैं। सूसी विल्स के पिता पैट समरॉल दिग्गज फुटबॉलर रहे हैं। फ्लोरिडा के पूर्व गवर्नर जेब बुश ने ट्रंप के इस फैसले की प्रशंसा की है। सूसी विल्स ने फ्लोरिडा स्थित लॉबिंग फर्म बैलार्ड पार्टनर्स और फिर मर्करी पब्लिक अफेयर्स के लिए भी काम किया है।

सूसी विल्स की व्हाइट हाउस में अहम भूमिका होगी। विल्स रिपब्लिकन पार्टी की कार्यकर्ता हैं। अब वह व्हाइट हाउस के कर्मचारियों का प्रबंधन करेंगी। राष्ट्रपति के कार्यक्रम तय करेंगी। फ्लोरिडा स्थित रिपब्लिकन सलाहकार डेविड जॉनसन ने कहा, सूसी एक मजबूत महिला और एक सच्ची नेता हैं, जिनके पास काम करने का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। सूसी विल्स ने रोनाल्ड रीगन के 1980 के राष्ट्रपति अभियान पर भी काम किया है। उन्होंने फ्लोरिडा के रिपब्लिकन गवर्नर रॉन डेसेंटिस को 2018 में चुनाव जीतने में भी मदद कर चुकी हैं।

चुनाव के दौरान विल्स ने ट्रंप को अपनी रणनीति से भटकने नहीं दिया। यही वजह है कि ट्रंप ने दूसरी बार ऐतिहासिक जीत दर्ज की। मीडिया में लीक होने वाली सूचनाओं को भी कम करने में विल्स ने अहम भूमिका निभाई। लैटिनो और अश्वेत मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की खातिर विल्स ने एक खास रणनीति बनाई। यह रणनीति सफल रही। ट्रंप की जीत में इन मतदाताओं की भूमिका निर्णायक रही।

कप्तान शाई होप के साथ मैदान पर विवाद के बाद अल्जारी जोसेफ दो मैचों के लिए निलंबित

बारबाडोस, 8 नवंबर (एजेंसियां)।

वेस्टइंडीज की इंग्लैंड पर 2-1 से सीरीज जीत के बाद, तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को टीम के कप्तान शाई होप के साथ मैदान पर तीखी बहस के बाद दो मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया है।

यह घटना बारबाडोस में तीसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान हुई, जिसमें जोसेफ मैदान से बाहर चले गए। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने गुरुवार को जोसेफ के व्यवहार को वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों से अपेक्षित मानकों से कम बताते हुए निलंबन की घोषणा की।

मैच के बाद, जोसेफ ने सीडब्ल्यूआई के माध्यम से एक बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने अपनी गलती स्वीकार की और अपने कप्तान, टीम के साथियों, प्रबंधन और प्रशंसकों से माफ़ी मांगी।

जोसेफ ने कहा, मैं मानता हूं कि मेरा जुनून मुझ पर हावी हो गया। मैंने व्यक्तिगत रूप से कप्तान शाई होप और अपने साथियों और प्रबंधन से माफ़ी मांगी है। मैं वेस्टइंडीज के प्रशंसकों से भी अपनी ईमानदारी से माफी मांगता हूं। मैं समझता हूं कि निर्णय में थोड़ी सी भी चूक का दूरगामी प्रभाव हो सकता है और मुझे किसी भी निराशा के लिए गहरा खेद है।

केंसिंग्टन ओवल में मैच के चौथे ओवर में यह स्थिति सामने आई। जोसेफ, जो पहले से ही फील्ड प्लेसमेंट को लेकर निराशा के लक्षण दिखा रहे थे, ने एक शानदार विकेट मेडन फेंका था, लेकिन होप के साथ बहस के बाद वह स्पष्ट रूप से उत्तेजित हो गए। ओवर जारी रखने के बजाय, तेज गेंदबाज ने बिना किसी को सूचित किए अचानक मैदान छोड़ दिया, ड्रेसिंग रूम में वापस चले गए और अपने साथियों को कुछ समय के लिए मैदान पर केवल दस खिलाड़ियों के साथ छोड़ दिया।

जोसेफ कुछ ही देर बाद वापस लौटे और पारी में आगे भी गेंदबाजी करते रहे। हालांकि, वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ आठ विकेट से जीत हासिल करते हुए वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डेरेन सैमी, जिन्होंने मैच के बाद के साक्षात्कार में जोसेफ के व्यवहार को पहले ही अस्वीकार्य करार दिया था, ने युवा गेंदबाज के व्यवहार पर अपनी निराशा व्यक्त की।

न्यूज ब्रीफ

चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वनडे से संन्यास लेंगे मोहम्मद नबी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार ऑलराउंडर मोहम्मद नबी आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वनडे क्रिकेट से संन्यास लेने वाले हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के मुख्य कार्यकारी नसीब खान ने शुक्रवार को इस बात की पुष्टि की। नसीब ने कहा, हां, नबी चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वनडे से संन्यास ले रहे हैं और उन्होंने बोर्ड को अपनी इच्छा से अवगत करा दिया है। उन्होंने मुझे कुछ महीने पहले बताया था कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अपना वनडे करियर खत्म करना चाहते हैं और हम उनके फैसले का स्वागत करते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद, मुझे लगता है कि उनसे अपने टी20 करियर को जारी रखने की उम्मीद है और अब तक यही योजना है। नबी ने अफगानिस्तान के लिए अपना पहला वनडे 2009 में स्कॉटलैंड के खिलाफ खेला और अपने डेब्यू मैच में अर्धशतक बनाकर अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने 165 वनडे में 27.30 की औसत से 3549 रन बनाए और 171 विकेट भी लिए। शारजाह में चल रही तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में नबी ने शानदार 82 रन बनाए और अपनी टीम को 235 रन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जवाब में बांग्लादेशी टीम 143 रन पर सिमट गई। अफगानिस्तान की तरफ से अल्लाह गजनफर के छह विकेट लिए।

लेवांडोव्स्की की नजर 100वें चैंपियंस लीग गोल पर

वारसॉ। एफसी बार्सिलोना के स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवांडोव्स्की, जिन्होंने बुधवार शाम को रेड स्टार बेलग्रेड पर 5-2 की जीत में अपना 98वां और 99वां चैंपियंस लीग गोल किया, की निगाहें अब अपने 100वें चैंपियंस लीग गोल पर हैं। लेवांडोव्स्की ने पहले हाफ में दो गोल किए। ब्रेक के बाद, पोलिश खिलाड़ी के पास हैट्रिक बनाने और चैंपियंस लीग में अपना 100वां गोल करने का मौका था, लेकिन वह लक्ष्य से चूक गए। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने गुरुवार को पोलिश मीडिया से कहा, मैच के दौरान, मैंने यह नहीं सोचा कि मैंने पहले ही कितने गोल किए हैं। मैंने हैट्रिक बनाने का एक अच्छा मौका गंवा दिया, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि मेरे पास गोल करने के अवसर थे। मैच के बाद, कोच हंसी फ्लिक ने मुस्कुराते हुए कहा कि यह बेहतर होगा यदि मैं बार्सिलोना में हमारे स्टेडियम में प्रतियोगिता में अपना 100वां गोल करूं। लेवांडोव्स्की ने कहा, हमें इस बात से थोड़ी तकलीफ़ हुई कि हमने दो गोल खाए। हम उन परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। लेकिन हम तीन अंक पाकर खुश हैं। बेलग्रेड में जीत के बाद, एफसी बार्सिलोना नौ अंकों के साथ चैंपियंस लीग ग्रुप स्टेज वर्गीकरण में छठे स्थान पर पहुंच गया। 26 नवंबर को, क्लब फ्रेंच टीम और सरप्राइज़ पैकेज ब्रेस्ट की मेज़बानी करेगा।

चोंगकिंग महिला गोल्फ ओपन : झोउ, सरनपोर्न ने पहले दौर में बढ़त हासिल की

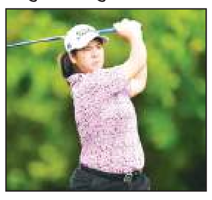

बीजिंग। 14 वर्षीय स्थानीय गोल्फ खिलाड़ी झोउ शियुआन ने गुरुवार को 2024 कोव चाइना स्पोर्ट्स लॉटरी चोंगकिंग महिला ओपन के पहले दौर के बाद चार अंडर 68 का कार्ड खेला और थाईलैंड की सरनपोर्न कटेसुवान के साथ शीर्ष पर पहुंच गईं। झोउ ने लगातार नौ पार के साथ शुरुआत करके स्थानीय प्रशंसकों को रोमांचित किया। फिर उसने बैक नाइन पर पांच बर्डी लगाई और केवल एक बोगी दर्ज की। झोउ ने कहा, यह एक शानदार दिन है, जिसमें शानदार स्कोर रहा, जो मेरी उम्मीदों से बढ़कर है। जीत के बारे में कुछ कहना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन मुझे पूरा भरोसा है। सरनपोर्न ने भी पांच बर्डी और एक बोगी दर्ज की। 19 वर्षीय खिलाड़ी सरनपोर्न ने कहा, मैंने खुशनुमा गोल्फ खेलने की कोशिश की, चीजों की अधिक उम्मीद नहीं की। मैंने बहुत सारे अच्छे पुट और अच्छे सेव किए। उन्होंने कहा, अगले दो दिनों के लिए मेरी रणनीति एक ही है, खुद से खुश रहना, गोल्फ़ खेलने में खुशी मनाना, कोई अति-अपेक्षा नहीं करना। अनुभवी चीनी गोल्फ़र पैन यानहोंग और 19 वर्षीय झांग युनक्सुआन ने 69 के स्कोर के साथ एक स्ट्रोक पीछे रहकर दिन समाप्त किया। ली मेंघन ने 70 का स्कोर करके पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया, जबकि ली डोंगमेई, जू यिंग और लिन कियानहुई सहित खिलाड़ियों के एक समूह ने 71 का स्कोर करके दिन का समापन छठे स्थान पर किया।

हैदराबाद में तेलुगू टाइटन्स के प्रशंसकों के सामने खेलना याद रहेगा : पवन सेहरावत

हैदराबाद, 8 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 के हैदराबाद चरण के अंत के करीब पहुंचने के साथ, घरेलू पसंदीदा, तेलुगु टाइटन्स, जिनकी कप्तानी कप्तान पवन सेहरावत कर रहे हैं, ने हाल ही में जीत की हैट्रिक दर्ज करते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। पीकेएल सीजन 11 में हैदराबाद में उनका अंतिम मुकाबला गत विजेता और तालिका में शीर्ष पर चल रही पुनेरी पलटन से होगा।

अपनी टीम के लिए शानदार फॉर्म में चल रहे पवन सेहरावत ने कहा कि युवा टीम भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है, इसमें और सुधार की गुंजाइश है, और उन्होंने यह भी कहा कि वह खेल का काफी आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने हाल के खेल जीते हैं, लेकिन हम यहाँ-वहाँ की गई छोटी-छोटी गलतियों को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते, और हम प्रशिक्षण में इस पर काम करेंगे। लेकिन पिछले 3-4 मैचों से मैं वास्तव में इसका लुत्फ़ उठा रहा हूँ। अपने दिमाग में दबाव के साथ खेल खेलना एक बात है, और दूसरी बात यह है कि खेल को इसलिए खेलना क्योंकि आप वास्तव में इसका आनंद लेते हैं, और मेरे लिए, हाल ही में यह बाद वाली बात रही है। तेलुगू टाइटन्स और खुद के लिए किस तरह से बदलाव आया, इस बारे में विस्तार से पवन ने कहा, जिस तरह से हमारे कोच (कृष्ण कुमार हुड्डा) ने हमें लगातार प्रेरित किया है, उससे टीम को और मुझे बहुत मदद मिली है। कई बार, एक वरिष्ठ खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर, आप खेल के बारे में सोचते हैं और आपको पता होता है कि मैट पर चीजें गलत भी हो सकती हैं। लेकिन कोच ने मुझसे कहा कि उन्हें हम पर पूरा भरोसा है और उन्होंने हमें खुलकर खेलने को कहा। इससे हमें मैच से पहले तनाव से राहत मिली और इससे मुझे अच्छा महसूस हुआ और हम स्पष्ट दिमाग के साथ खेल में उतरने में सक्षम हैं और इससे बहुत मदद मिलती है। जब भी तेलुगू टाइटन्स पीकेएल सीजन 11 के दौरान मैट पर उतरी हैं, हैदराबाद के गाचीबोवली में जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों ने उनका उत्साहवर्धन किया है, भले ही स्कोर घरेलू टीम के पक्ष में न रहा हो। समर्थन के बारे में तेलुगु टाइटन्स के कप्तान ने कहा, जब हम सीजन का पहला चरण पूरा करेंगे तो मैं निश्चित रूप से हैदराबाद की भीड़ के सामने खेलना मिस करूंगा क्योंकि प्रशंसक वास्तव में अच्छे हैं। यहां तक कि जब हम जीत नहीं रहे थे, तब भी उन्होंने हमारा समर्थन किया, चाहे वह स्टेडियम में हो या सोशल मीडिया पर, और मुझे हैदराबाद के लोगों का शुक्रिया अदा करना होगा। यहां तक कि नोएडा में भी हमारे बहुत सारे प्रशंसक हैं, और मुझे विश्वास है कि वे भी बड़ी संख्या में आएंगे।

गत चैंपियन स्विएटेक डब्ल्यूटीए फाइनल्स से बाहर, क्रेजिकोवा सेमीफाइनल में

रियाद। विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्विएटेक गुरुवार को डब्ल्यूटीए फाइनल्स से बाहर हो गईं, जबकि बारबोरा क्रेजिकोवा ने कोको गॉफ को हराकर सेमीफाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। चेक विंबलडन चैंपियन ने गॉफ पर 7-5, 6-4 से जीत दर्ज की, जिससे स्विएटेक की खिताबी जीत की उम्मीद खत्म हो गई, जिन्हें ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ने के लिए क्रेजिकोवा की हार की जरूरत थी। राउंड-रॉबिन प्ले के आखिरी दिन में एक जीत और एक हार के साथ, स्विएटेक की डारिया कसाटकिना पर 6-1, 6-0 की जीत ने उनके क्वालीफिकेशन के अवसरों पर कोई असर नहीं डाला। गॉफ यदि क्रेजिकोवा को हरातीं तो स्विएटेक सेमीफाइनल में पहुंच सकती थीं। हालांकि यह परिणाम नहीं हुआ और क्रेजिकोवा ने पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। ऑरेंज ग्रुप की विजेता के रूप में क्रेजिकोवा आगे बढ़ीं और शुक्रवार के अंतिम-चार चरण में झेंग किनवेन का सामना करेंगी, जबकि यूएसए की गॉफ उपविजेता के रूप में आगे बढ़ेंगी और सेमीफाइनल में उनका मुकाबला विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से होगा। मैच के बाद क्रेजिकोवा ने कहा, निश्चित रूप से यह मेरे लिए एक बड़ी जीत है। मैं अपने खेल और अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। यह वास्तव में एक बड़ा मैच था।

कोरिया मास्टर्स 2024: ताकुमा ओबायाशी को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे किरण जॉर्ज

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किरण जॉर्ज ने शुक्रवार को जापान के ताकुमा ओबायाशी को हराकर कोरिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल सेमीफाइनल में प्रवेश किया। 24 वर्षीय भारतीय ने क्वार्टर फाइनल में पांचवें वरीय जापानी प्रतिद्वंद्वी को 39 मिनट तक चले मैच में 21-14, 21-16 से हराया।

इससे पहले, विश्व के 44वें नंबर के खिलाड़ी जॉर्ज ने दूसरे दौर में चीनी ताइपे के तीसरे वरीय ची यू जेन को 21-17, 19-21, 21-17 से हराया था।

जॉर्ज शनिवार को सेमीफाइनल में थाईलैंड के शीर्ष वरीय और विश्व के पांचवें नंबर के खिलाड़ी कुनलावुत विटिडसार्न से भिड़ेंगे, जिन्होंने चीन के लियू लियांग के खिलाफ 21-15, 21-11 से जीत दर्ज की।

1-1 स्कोरलाइन के बाद, पहले गेम में जॉर्ज हमेशा आगे रहे। जब जॉर्ज ने 15-6 की बढ़त हासिल की, तो ओबायाशी ने थोड़ा प्रतिरोध किया, जिससे अंतर 12-16 हो गया। लेकिन जापानी खिलाड़ी इतना ही कर पाए, क्योंकि जॉर्ज ने लगातार चार अंक हासिल करके पहला गेम जीत लिया।

दूसरा गेम काफी करीबी रहा, क्योंकि दोनों ने एक-दूसरे पर दबाव बनाया।

जॉर्ज पहले 7-3 से आगे थे, लेकिन ओबायाशी ने वापसी करते हुए स्कोर 8-8 कर दिया। उसके बाद, मुकाबला बराबरी का हो गया। लेकिन 17-16 से जॉर्ज ने लगातार चार अंक हासिल करके दूसरा गेम और मैच अपने नाम कर लिया। जॉर्ज इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय शटलर हैं।

भारत के खिलाफ मैच के लिए प्रधानमंत्री एकादश के मुख्य कोच नियुक्त हुए टिम पेन

नई दिल्ली, 8 नवंबर (एजेंसियां)।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने शुक्रवार को पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर टिम पेन को 30 नवंबर से मनुका ओवल में भारत के खिलाफ होने वाले मैच के लिए प्रधानमंत्री एकादश टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। पेन को कैनबरा के स्थानीय खिलाड़ी एरिन ओसबोर्न और जेसन मैकनेली का समर्थन प्राप्त होगा।

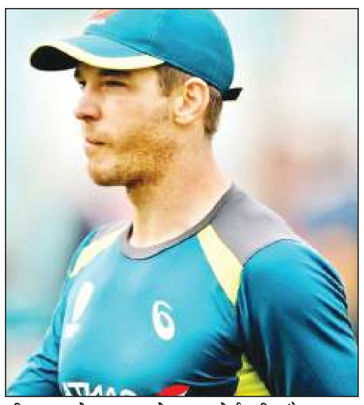

39 वर्षीय पेन ने 2018 से 2021 तक ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम की कप्तानी की। दाएं हाथ के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज और विकेटकीपर, पेन ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का अभिन्न अंग थे। 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बॉल टैंपरिंग विवाद के बाद स्टीव स्मिथ से पदभार संभालने के बाद पेन ने ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की।

पेन ने क्रिकेट एसीटी से बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि मेरे जैसे युवा कोच के लिए टीम का नेतृत्व करने का कोई भी मौका एक शानदार अवसर होता है, इसलिए मैं इसके लिए उत्सुक हूं। मैं ऑस्ट्रेलिया के कुछ सबसे प्रतिभाशाली युवा क्रिकेटरों के साथ काम करने के लिए भी उत्सुक हूं, इसलिए यह बहुत मजेदार होगा।

न्यूजीलैंड से करारी हार झेलने के बाद, भारत वापसी करने और खुद को सुधारने के लिए उत्सुक होगा। यह मैच 6 दिसंबर से एडिलेड ओवल में शुरू होने वाले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के दूसरे टेस्ट से पहले आयोजित किया जाएगा।

कुश मैनी ने एक और सफल फॉर्मूला 1 टेस्ट पूरा किया, भारतीय एफ1 ड्रीम के करीब पहुंचे

दोहा, 8 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत के मोटरस्पोर्ट सनसनी कुश मैनी गुरुवार को कतर के लुसैल इंटरनेशनल सर्किट में फिर से एक्शन में दिखे। युवा ड्राइवर ने बीडब्ल्यूटी अल्पाइन एफ1 टीम के साथ अपने फ़ॉर्मूला 1 परीक्षण के हिस्से के रूप में ट्रैक पर कदम रखा, जो साओ पाउलो में सप्ताहांत के ग्रैंड प्रिक्स से डबल पोडियम पर आ रही है। गुरुवार का परीक्षण मैनी के लिए पिछले 6 महीनों में चौथा था। उन्होंने अब ऑस्ट्रिया, इटली, अबू धाबी और कतर में टीम के साथ उनकी फ़ॉर्मूला 1 कार में परीक्षण किया है।

कतर के बिल्कुल नए सर्किट में कई दिनों तक चले टेस्ट में मैनी ने पहली बार ट्रैक पर रेस लगाई, जहाँ वे अपने फॉर्मूला 2 सीज़न के आखिरी चरण के लिए जल्द ही फिर से एक्शन में आएँगे।

मैनी अबू धाबी में यास मरीना सर्किट में अपने टेस्ट के कुछ हफ्ते बाद अपनी एफ1 कार में वापस आए, जहाँ उन्होंने एक और शानदार प्रदर्शन किया। बीडब्ल्यूटी अल्पाइन एफ1 टीम कार के साथ उनकी निरंतरता ने उन्हें एनस्टोन आधारित संगठन के लिए रिजर्व सीट के लिए शीर्ष दावेदार बना दिया है। इस साल के एफ2 वर्ग से एफ1 में तीन पुष्ट स्नातकों के साथ, कुश मैनी निकट भविष्य में इस बेहद प्रतिभाशाली पूल में एक और जोड़ हो सकते हैं।

इस महीने के अंत में, कुश अपनी फॉर्मूला 2 रेस के लिए कतर लौटेंगे। 2024 सीज़न में सिर्फ़ दो रेस बची हैं, कुश की इनविक्टा रेसिंग टीम कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप को सुरक्षित करने की स्थिति में है। इससे कुश फॉर्मूला रेसिंग चैंपियनशिप जीतने वाले पहले भारतीय बन जाएँगे। इस साल एक रेस जीत सहित 5 पोडियम के साथ, कुश ने अपनी टीम को इस स्थान पर पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपने इस सीज़न के साथ, भारत को आखिरकार 13 साल के लंबे अंतराल के बाद एफ1 ग्रिड पर एक ड्राइवर मिल सकता है।

एमपीएस, आरएसडी, सेंट मीरा और बोनी ऐनी की टीमें जीतीं

मुरादाबाद, 8 नवंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली रोड स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल में चार दिवसीय ब्रॉसिटी सहोदय इंटर स्कूल अंडर 19 क्रिकेट टूर्नामेंट का शुक्रवार को तीसरे दिन का शानदार प्रदर्शन रहा। मैच का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में सीआरपीएफ के कमांडर राजेंद्र कुमार द्वारा किया गया। स्कूल के प्रशिक्षक शाहवेज अली ने बताया कि प्रतियोगिता की शुरुआत बहुत ही रोमांचक रूप से हुई।

दूसरे दिन का पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला आर एस डी एकेडमी और सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल के बीच खेला गया जिसमे सेंट मैरी कान्वेंट स्कूल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और आर एस डी एकेडमी ने 12 ओवर में 62 रनों का लक्ष्य दिया, लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल की टीम 11 ओवर में शेष 42 रन पर आल आउट हो गई।

दूसरा मैच शिरडी साईं पब्लिक स्कूल बनाम मॉडर्न पब्लिक स्कूल के बीच खेला गया जिसमें मॉडर्न पब्लिक स्कूल की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया बल्लेबाजी करने उतरी मॉडर्न पब्लिक स्कूल की टीम ने 12 ओवर में 163 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी शिरडी साई की टीम 4 विकेट के नुक्सान पर 12 ओवर में 88 रन ही बना पाई। एमपीएस की टीम को विजय प्राप्त कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

तीसरा मैच बोनी ऐनी पब्लिक स्कूल बनाम शिरडी साई विंग 2 के बीच खेला गया। जिसमे शिरडी साई की टीम ने टॉस जीतते हुए पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, जिसमें निर्धारित 12 ओवर में 135 रन का टारगेट दिया, लक्ष्य का पीछा करने उतरी बोनी ऐनी की टीम ने 12 ओवर में 136 रन बनाकर 1 विकेट के साथ मैच में जीत हासिल कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। चौथा मैच गांधी नगर पब्लिक स्कूल और सेंट मीरा एकेडमी के मध्य खेला गया, जिसमे सेंट मीरा एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की व 12 ओवर में 139 रन बनाकर 140 रन का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गांधी नगर की टीम 11.2 ओवर में 114 रन पर ऑल आउट हो गई। सेंट मीरा एकेडमी ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पांचवां मैच एस बी एस स्कूल और आर एस डी एकेडमी के मध्य खेला गया जिसमें आरएसडी एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 12 ओवर में 133 रन का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसबीएस स्कूल की टीम ने चक्कों के साथ जोरदार शुरुआत की, परंतु लक्ष्य को प्राप्त किए बिना ही 12 ओवर में 88 रन ही बना पाई।

आयोजन मंडल में सौरभ शर्मा, सलीम खान, कीर्ति पाल, निहाल इब्राहिम उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य शकील अहमद का विशेष रूप से सहयोग रहा।

टायरों की उम्र बढाने का उपाय है हवा का सही प्रैशर रखना

नई दिल्ली,08 नवंबर (एजेंसियां)।

अगर बाइक के टायर की उम्र को बढ़ाना है तो सबसे आसान उपाय टायर में हवा का सही प्रैशर रखना है। अगर आप बाइक के टायर में हवा का सही प्रैशर नहीं रखते हैं तो इससे न सिर्फ टायर की उम्र कम होती है बल्कि बाइक चलाते हुए फिसलने का खतरा भी बढ़ जाता है।

इसके अलावा बाइक की हैंडलिंग पर भी इसका बुरा असर होता है। कम हवा के कारण इंजन को भी ज्यादा क्षमता से काम करना पड़ता है जिसमें ईंधन की खपत भी बढ़ जाती है और बाइक का माइलेज कम हो जाता है। कोशिश करें कि बाइक में कंपनी की जानकारी के मुताबिक ही हवा का प्रैशर रखें। बाइक एक दो पहिया वाहन है और इसे ड्राइवर सहित सिर्फ दो लोगों के लिए बनाया गया है।

अगर आप बाइक पर दो से ज्यादा सवारियों के साथ सफर करते हैं या फिर बाइक पर ज्यादा सामान रखकर चलते हैं तो भी इससे टायर पर बुरा असर होता है। इसलिए कोशिश करें कि बाइक पर क्षमता से ज्यादा सामान या सवारियों के साथ सफर न करें।

बाइक को कभी भी सीधी धूप में पार्क नहीं करना चाहिए। इससे न सिर्फ पेंट को नुकसान पहुंचता है बल्कि इससे टायर भी जल्दी खराब हो जाते हैं। बाइक के टायर की उम्र को बढ़ाने के लिए कोशिश करनी चाहिए कि जब भी बाइक को पार्क करें हमेशा छायादार जगह या कवर्ड पार्किंग में पार्क करें।

इससे टायर पर सीधी धूप नहीं पड़ेगी और टायर की रबर जल्दी सूखेगी नहीं, जिससे इनकी उम्र बढ़ जाएगी। युवाओं को बाइक चलाने का काफी शौक होता है। कई युवा बाइक्स को तेज स्पीड में चलाने के साथ ही स्किड करवाते हैं। ऐसा करने से भी रबर काफी जल्दी घिसने लगती है।

वहीं ऐसा करने से हादसा होने का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए कोशिश करें कि बाइक को तय लिमिट के अंदर ही चलाएं और स्किड करने की कोशिश न करें।

कार की तरह बाइक के टायर की उम्र को बढ़ाने का आसान उपाय इनकी अलाइनमेंट का ध्यान रखना है। अगर आप समय पर बाइक के पहियों का अलाइनमेंट करवाते हैं तो भी टायर की उम्र को आसानी से बढ़ाया जा सकता है। बता दें कि भारत में रोजाना बड़ी संख्या में लोग बाइक का उपयोग एक जगह से दूसरी जगह आने जाने के लिए करते हैं।

इन मामूली लेकिन महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखकर बाइक के टायर्स की उम्र को आसानी से बढ़ाया जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका के बाद अब चीन करेगा राहत पैकेज की घोषणा, दबाव में आ सकता है भारत का शेयर बाजार

मुंबई। अमेरिका के बाद अब चीन ने भारत के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। फेडरल रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में कटौती की है, जो अमेरिका में महंगाई को नियंत्रित करने के लिए किया गया है। चीन में नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की बैठक अब समाप्त होने वाली है और राहत पैकेज का ऐलान हो सकता है। चीन की ओर से 10 लाख करोड़ रुपए के और राहत पैकेज की संभावना है। यह कदम भारत के लिए बड़ी चुनौती बना सकता है और शेयर बाजार दबाव में आ सकता है। विदेशी निवेशक चीन की ओर बढ़ सकते हैं और भारतीय शेयर बाजार को नुकसान हो सकता है। पिछले महीने विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से बड़ी राशि निकाली थी, जिससे उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। अमेरिका में ब्याज दर कम होने से वैश्विक शेयर बाजार में तेजी आई है, जो भारत के शेयर बाजार को भी प्रभावित कर सकता है। इस संदर्भ में भारतीय रिजर्व बैंक भी रेपो रेट में कटौती करने का विचार कर सकता है। इस तरह की कटौती से भारतीय अर्थव्यवस्था को भी तरक्की मिल सकती है।

एफएसएसएआई ने अधिकारियों से कहा- ई-कॉमर्स कंपनियों के गोदामों में निगरानी बढ़ाएं

नई दिल्ली। खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने सरकारी अधिकारियों से ई-कॉमर्स कंपनियों के गोदामों की निगरानी बढ़ाने और उपभोक्ताओं तक सुरक्षित भोजन पहुंचाने के लिए आपूर्ति कर्मचारियों के बारे में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करने को कहा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की 45वीं केंद्रीय सलाहकार समिति (सीएसी) की बैठक में यह निर्देश दिया गया। इस बैठक में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से नवंबर से मार्च तक के मुख्य पर्यटन सत्र की तैयारी में उच्च सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर निगरानी बढाने का आग्रह किया गया। लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सैलानियों की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को वहां फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स मोबाइल लैब का उपयोग करने की सलाह दी गई। उन्होंने विभिन्न राज्यों के खाद्य आयुक्तों से ई-कॉमर्स मंचों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले गोदामों और अन्य सुविधाओं पर निगरानी बढ़ाने को कहा।

आईआरबी इंफ्रा का टोल राजस्व संग्रह अक्टूबर में बढ़कर 540 करोड़ हुआ, आईआरबी ने बताया कि उनके 17 टोलों में सर्वाधिक राजस्व महाराष्ट्र में हुआ

नई दिल्ली। आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर ने अपने टोल संग्रह में अक्टूबर माह में वृद्धि की जानकारी दी और बताया कि इसे पिछले वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत बढ़कर 539.6 करोड़ रुपये हो गया है। यह एक पॉजिटिव संकेत है कि कंपनी अपनी दिशा में मजबूत बनी जा रही है। आईआरबी ने बताया कि उनके 17 टोलों में सर्वाधिक राजस्व महाराष्ट्र में हुआ है, जहां आईआरबी एमपी एक्सप्रेसवे ने 142.6 करोड़ रुपये का संग्रह किया। इसके बाद आईआरबी अहमदाबाद वडोदरा सुपर एक्सप्रेस टोलवे ने 66.2 करोड़ रुपये का योगदान दिया। कंपनी ने इस योजना में सीजी टोलवे से 32.7 करोड़ रुपये संकलित किए हैं। आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें इस तरीके के रुझान से बड़ी उम्मीदें हैं और वे उम्मीद कर रहे हैं कि यात्रियों की संख्या में आगे भी वृद्धि होगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

घुसपैठियों को...

रजिस्टर (एनआरसी) सहित केंद्र सरकार की नीतियों के बारे में मुस्लिम मतदाताओं के बीच चिंताओं ने लोकसभा चुनावों के दौरान उच्च मतदान में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि ये मुद्दे मौजूदा राज्य चुनावों में भी प्रासंगिक बने हुए हैं। यानी स्पष्ट है कि मुसलमानों को किन मुद्दों को लेकर भड़काया जा रहा है।

महाराष्ट्र डेमोक्रेटिक फोरम के समन्वयक शाकिर शेख ने स्वीकार किया कि पिछले दो महीनों में फोरम ने पूरे राज्य में कम से कम 70 बैठकें कीं, जिनमें से 18 बैठकें महाराष्ट्र के मुंबई के मुस्लिम बहुल इलाकों में हुईं। शाकिर ने भी कहा, सीएए, समान नागरिक संहिता और वक्फ विधेयक जैसे मुद्दों पर मुसलमान अधिक प्रेरित होते हैं। शाकिर ने यह माना कि अकेले मुंबई में संस्था ने कम से कम नौ लाख नए मतदाताओं को पंजीकृत किया और प्रतिक्रिया बहुत सकारात्मक रही।

खुफिया एजेंसियां यह भी कहती हैं कि जमीनी स्तर पर खुले तौर 180 एनजीओ काम कर रहे हैं, लेकिन वोट-जेहाद को बढ़ावा देने वाले 400 से अधिक एनजीओ गुप्त रूप से मुसलमानों के बीच सक्रिय हैं। मराठी मुस्लिम सेवा संघ से मुसलमानों के बीच गुप्त रूप से वितरित हो रहा एक पर्चा खुफिया एजेंसी को मिला, जिससे स्पष्ट हुआ कि मुस्लिमों में भाजपा के खिलाफ किस कदर नफरत फैलाया जा रहा है। पर्चे में मुस्लिम मतदाताओं से कई सवाल पूछे गए हैं, जिसमें पूछा गया है कि क्या वे ऐसी पार्टी का समर्थन करेंगे जिसका उद्देश्य मदरसों को बंद करना, शरिया कानून में हस्तक्षेप करना या मुसलमानों पर समान नागरिक संहिता लागू करना है? इसमें मुसलमानों को महा विकास अघाड़ी के लिए वोट करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया है, जो कांग्रेस, एनसीपी-शरद पवार और शिवसेना-यूबीटी का गठबंधन है।

अपने अनुसंधान के लिए माहिर भाजपा नेता किरीट सोमैया ने कहा, लोकसभा चुनाव के दौरान भी वोट-जेहाद का अभ्यास किया गया था। यह योजना पिछले 12 महीनों से चल रही है। यह एक सुनियोजित साजिश है। मैंने लोकसभा चुनाव के दौरान कई इलाकों का दौरा किया और देखा कि मुस्लिम महिलाओं का ध्रुवीकरण किया जा रहा है। मैंने इन मुद्दों को उजागर करने के लिए एक किताब वोट-जेहाद भी प्रकाशित की। वे एक जहरीली साजिश रच रहे हैं। वे दंगे फैलाना चाहते हैं। किरीट सोमैया ने ऐसे संगठनों की फंडिंग पर भी गंभीर सवाल उठाए। सोमैया ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में चुनाव आयुक्त को शिकायत भेजी है। सोमैया ने इस तरह की साजिश रचने और उसे अंजाम देने के लिए मराठी मुस्लिम सेवा संघ के खिलाफ भी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि ऐसी गतिविधियों से राज्य के लोकतांत्रिक ताने-बाने को नुकसान पहुंच रहा है।

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टिस) द्वारा किए गए एक अध्ययन से भी पता चला है कि मुंबई में मुसलमान और अवैध अप्रवासी क्षेत्र की जनसांख्यिकी को बदल रहे हैं और विशिष्ट राजनीतिक दलों को वोट देकर राजनीति को प्रभावित कर रहे हैं। टिस के प्रो. वाइस चांसलर शंकरदास और सहायक प्रोफेसर सौविक मंडल द्वारा किए गए अध्ययन में यह भी दावा किया गया है कि अवैध अप्रवासी कम-कुशल रोजगार लेकर शहर की सामाजिक-अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप स्थानीय लोगों में वेतन में कमी और झुंझलाहट हो रही है। अध्ययन में भी यह बात सामने आई है कि कुछ राजनीतिक संस्थाएं अवैध अप्रवासियों का इस्तेमाल वोटबैंक की राजनीति के लिए करती हैं, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाधित होती है।

मई-जून 2024 में लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद महाराष्ट्र में मुसलमान भाजपा को हराने के लिए लामबंद हो गए हैं। इस्लामवादियों ने फतवे जारी किए, एमवीए रैलियों में इस्लामी झंडे फहराए और मतदाताओं से शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार) को वोट देने का आग्रह किया। इस बार भी मराठी मुस्लिम सेवा संघ की छत्रछाया में कई गैर सरकारी संगठन मुस्लिम मतदाताओं से भाजपा के खिलाफ वोट करने का आग्रह कर रहे हैं, जो वोट जेहाद का अभ्यास कर रहे हैं, जिसे वामपंथी इस्लामवादियों और उनके समर्थकों द्वारा कम करके आंका गया है।

कांग्रेस आजादी....

इन लोगों ने मेट्रो परियोजनाओं को रोका, वधावन पोर्ट के काम में बाधा डाली, महाआघाड़ी के लोगों ने हर उस योजना को रोका जो महाराष्ट्र के लोगों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने वाली थी।

महाराष्ट्र के ही शिराला में एक चुनावी रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि शरद पवार की चार पीढ़ियां भी जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 वापस नहीं ला सकतीं। महाराष्ट्र के शिराला में एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस पार्टी ने जम्मू कश्मीर विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें अनुच्छेद 370 को वापस लाने की मांग की गई है कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग नहीं है। आज मैं संभाजी महाराज की धरती से कह रहा हूं, शरद पवार साहब, अगर आपकी चार पीढ़ियां भी आ जाएंगी तो भी हम अनुच्छेद 370 को वापस नहीं आने देंगे।

उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर विधानसभा में नई सरकार के गठन के बाद विधानसभा के पहले ही सत्र में अनुच्छेद 370 को वापस लाने का प्रस्ताव पेश किया गया। इस प्रस्ताव को पेश करने के दौरान विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ और इसे लेकर भाजपा और सत्ताधारी दल के विधायकों में हाथापाई भी हो गई। इसे लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने भी विपक्ष पर निशाना साधा है।

शाह ने कहा कि ये अघाड़ी वाले न देश को सुरक्षित कर सकते हैं, न देश का सम्मान बढ़ा सकते हैं। अगर ये काम करना है, तो पीएम मोदी का हाथ मजबूत करना होगा। प्रधानमंत्री मोदी का वादा पत्थर की लकीर है, जबकि कांग्रेस पार्टी तो वादा करके खुद ही भूल जाती है। उन्होंने न कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और न ही तेलंगाना में अपने वादे पूरे किए हैं। राम मंदिर का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा कि प्रभु श्रीराम 500 साल से टेंट में बैठे थे। कांग्रेस पार्टी राम मंदिर को अटका रही थी, प्रधानमंत्री मोदी आए तो पांच साल में ही उन्होंने भूमिपूजन भी किया और राम मंदिर का निर्माण करा प्राण प्रतिष्ठा भी कर दी। अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी वक्फ बोर्ड में बदलाव का बिल लाए और विपक्ष उसका विरोध कर रहा है। कर्नाटक के वक्फ बोर्ड ने पूरे गांव को, मंदिर और किसानों की जमीन समेत, वक्फ की सम्पत्ति घोषित कर दिया। मैं पवार साहब से, उद्धव जी से पूछता हूं, आप वक्फ का विरोध करेंगे? अगर महा विकास अघाड़ी की सरकार आ गई, तो ये किसानों की जमीन वक्फ के नाम कर देंगे। ने मेट्रो परियोजनाओं को रोका, वधावन पोर्ट के काम में बाधा डाली, महाआघाड़ी के लोगों ने हर उस योजना को रोका जो महाराष्ट्र के लोगों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने वाली थी।

महाराष्ट्र के ही शिराला में एक चुनावी रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि शरद पवार की चार पीढ़ियां भी जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 वापस नहीं ला सकतीं। महाराष्ट्र के शिराला में एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस पार्टी ने जम्मू कश्मीर विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें अनुच्छेद 370 को वापस लाने की मांग की गई है कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग नहीं है। आज मैं संभाजी महाराज की धरती से कह रहा हूं, शरद पवार साहब, अगर आपकी चार पीढ़ियां भी आ जाएंगी तो भी हम अनुच्छेद 370 को वापस नहीं आने देंगे।उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर विधानसभा में नई सरकार के गठन के बाद विधानसभा के पहले ही सत्र में अनुच्छेद 370 को वापस लाने का प्रस्ताव पेश किया गया। इस प्रस्ताव को पेश करने के दौरान विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ और इसे लेकर भाजपा और सत्ताधारी दल के विधायकों में हाथापाई भी हो गई। इसे लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने भी विपक्ष पर निशाना साधा है।

शाह ने कहा कि ये अघाड़ी वाले न देश को सुरक्षित कर सकते हैं, न देश का सम्मान बढ़ा सकते हैं। अगर ये काम करना है, तो पीएम मोदी का हाथ मजबूत करना होगा। प्रधानमंत्री मोदी का वादा पत्थर की लकीर है, जबकि कांग्रेस पार्टी तो वादा करके खुद ही भूल जाती है। उन्होंने न कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और न ही तेलंगाना में अपने वादे पूरे किए हैं। राम मंदिर का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा कि प्रभु श्रीराम 500 साल से टेंट में बैठे थे। कांग्रेस पार्टी राम मंदिर को अटका रही थी, प्रधानमंत्री मोदी आए तो पांच साल में ही उन्होंने भूमिपूजन भी किया और राम मंदिर का निर्माण करा प्राण प्रतिष्ठा भी कर दी। अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी वक्फ बोर्ड में बदलाव का बिल लाए और विपक्ष उसका विरोध कर रहा है। कर्नाटक के वक्फ बोर्ड ने पूरे गांव को, मंदिर और किसानों की जमीन समेत, वक्फ की सम्पत्ति घोषित कर दिया। मैं पवार साहब से, उद्धव जी से पूछता हूं, आप वक्फ का विरोध करेंगे? अगर महा विकास अघाड़ी की सरकार आ गई, तो ये किसानों की जमीन वक्फ के नाम कर देंगे।

देश तोड़ने की...

सीआर केसवन ने कहा कि कांग्रेस ने न केवल देश की संसद का अपमान किया है, बल्कि उसने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों की भी अवहेलना की है। उन्होंने यासीन मलिक की पत्नी के पत्र को लेकर भी सवाल खड़े किए। केसवन ने कहा, अभी हाल ही में, जेल में बंद एक आतंकवादी यासीन मलिक की पत्नी ने राहुल गांधी को पत्र लिखा है। उनकी मांग है कि राहुल गांधी को एक

सांसद के रूप में इस आतंकवादी की रिहाई का मुद्दा उठाना चाहिए।

उन्होंने सवाल किया कि क्या यह आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में शांति लाएगा? केसवन ने केरल की लोकसभा सीट से होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस की टिकट पर प्रियंका की उम्मीदवारी पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, प्रियंका गांधी और कांग्रेस पार्टी को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वे इस उपचुनाव में जमात-ए-इस्लामी के राजनीतिक प्रतिनिधि का समर्थन स्वीकार करते हैं। क्या यही कारण है कि गांधी परिवार हमेशा केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़ना पसंद करता है।

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कांग्रेस के साथ-साथ आम आदमी पार्टी (आपा) को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, चाहे अरविंद केजरीवाल हों, राहुल गांधी हों या फिर इंडी गठबंधन के नेता हों, वे देश की एकता को तोड़ने का काम कर रहे हैं। संविधान का भी अपमान कर रहे हैं। भाटिया ने कहा कि जो धर्मांध बेईमान लोग हैं, जो जमानत पर बाहर हैं और दिल्ली की जनता को धोखा दे रहे हैं, उनके बारे में बात करना जरूरी है, ये पाप आपा संयोजक अरविंद केजरीवाल को शर्मिंदा करेंगे। उन्होंने कहा, एक तरफ गरीब लोगों के लिए, झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले दिल्ली के लोगों के लिए बारह गज, अठारह गज और पच्चीस गज के मकान की व्यवस्था की गई है, जबकि दूसरी तरफ केजरीवाल के लिए बंगले का बंदोबस्त है। यह दिखाता है कि इन्हें आम आदमी से कोई सरोकार नहीं है।

अल्पसंख्यक दर्जे ...

इस मामले पर सुनवाई पूरी कर सुप्रीम कोर्ट के सात जजों की पीठ ने बीती 1 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने साल 1967 के फैसले को पलटते हुए स्पष्ट कर दिया कि कानून द्वारा बनाए गए संस्थान को भी अल्पसंख्यक दर्जा मिल सकता है। इस पर अंतिम फैसले के लिए पीठ ने मामले को नियमित पीठ के पास भेज दिया है।

साल 1967 में अजीज बाशा बनाम भारत गणराज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ ने भी अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का अल्पसंख्यक दर्जा खारिज कर दिया था। हालांकि साल 1981 में सरकार ने एएमयू एक्ट में संशोधन कर विश्वविद्यालय का अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा फिर से बरकरार कर दिया गया था। अपने 1967 के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जो संस्थान कानून के मुताबिक स्थापित किया गया है, वह अल्पसंख्यक संस्थान होने का दावा नहीं कर सकता है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ में से खुद सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस जेडी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा ने संविधान के अनुच्छेद 30 के मुताबिक अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अल्पसंख्यक संस्थान के दर्जे के कायम रखने के पक्ष में तर्क दिए। पीठ में शामिल जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने विपरीत तर्क दिए।

नाडर ने दिया....

फाइनेंस क्षेत्र के कारोबारी बजाज परिवार ने सालाना आधार पर 33 फीसदी अधिक 352 करोड़ रुपए परोपकार कार्यों के लिए दिया। यह परिवार तीसरे स्थान पर रहा। कुमारमंगलम बिरला और उनका परिवार 334 करोड़ के दान के साथ चौथे स्थान पर रहा।

सूची के मुताबिक, 203 ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने पांच करोड़ रुपए से अधिक का दान दिया है। 1,539 लोगों की कुल सम्पत्ति 1,000 करोड़ रुपए से अधिक थी। इनकी कुल सम्पत्ति में 46 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। नाडर 3.14 लाख करोड़ रुपए की सम्पत्ति के साथ अमीरों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। जबकि अडाणी की सम्पत्ति 11.6 लाख करोड़ रुपए और अंबानी की 10.14 लाख करोड़ रुपए है। शिव नाडर और परिवार 2,153 करोड़, मुकेश अंबानी और परिवार 407, बजाज परिवार 352, कुमार मंगलम बिड़ला और परिवार 334, गौतम अडानी और परिवार 330, नंदन नीलेकणि 307, कृष्णा चिवुकुला 228, अनिल अग्रवाल और परिवार 181, सुष्मिता और सुब्रतो बागची 179, रोहिणी नीलेकणि ने 154 करोड़ रुपए दान किए।

भारत को वैश्विक ....

रूस के रिश्तों पर बात की और दोनों देशों के रिश्तों को बेहद खास

बताया। पुतिन ने कहा कि सोवियत संघ ने भारत की आजादी में भी भूमिका निभाई थी।

पुतिन ने कहा कि भारत को वैश्विक महाशक्तियों की सूची में शामिल किया जाना चाहिए। यह डेढ़ अरब लोगों का देश है और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इसकी संस्कृति बेहद प्राचीन है और इसमें भविष्य में विकास की अपार संभावनाएं हैं। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और रूस रक्षा क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं के पास कई रूसी हथियार हैं। इससे दोनों देशों के बीच के भरोसे का पता चलता है। हम सिर्फ अपने हथियार भारत को बेचते ही नहीं हैं बल्कि हम साथ मिलकर उन्हें डिजाइन भी करते हैं। गौरतलब है कि भारत और रूस ने मिलकर ही ब्रह्मोस मिसाइल विकसित की है। ब्रह्मोस को भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मोस्कवा नदी के नाम को जोड़कर ब्रह्मोस नाम दिया गया है। इस मिसाइल को भारत के डीआरडीओ और रूस के एनपीओ ने साथ मिलकर बनाया है।

पुतिन ने ट्रंप ...

रूस के सोची में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुतिन ने हालांकि यह भी कहा कि युद्ध समाप्त करने के लिए रूस पर किसी भी तरह का कोई दबाव काम नहीं करेगा। हालांकि वह संकट के समाधान

के लिए बातचीत के लिए तैयार हैं। बातचीत ऐसी हो जो दोनों पक्षों के हित में हो। गौरतलब है कि फरवरी, 2022 में यूक्रेन के साथ शुरू हुए युद्ध के कारण रूस और अमेरिका के रिश्ते तनावपूर्ण हैं। इसी बीच डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रपति पद के चुनावों में जीत के बाद रूस ने सतर्क रुख अपनाया है। क्रेमलिन द्वारा जारी बयान में कहा गया था कि अमेरिका में ट्रंप की जीत के बाद यूक्रेन के साथ 30 महीने से अधिक समय से जारी युद्ध समाप्त होता है या नहीं, यह देखना बेहद दिलचस्प रहेगा। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान के दौरान यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के बारे में कुछ महत्वपूर्ण बयान दिए थे। लेकिन यह तो समय ही बताएगा कि इन बयानों पर कार्रवाई होती है या नहीं।

यासीन की पाकिस्तानी...

शांति कायम करने का जरिया बन सकते हैं, इसलिए राहुल गांधी उसकी मदद करें।

यासीन मलिक पर केस कोई एक मामले पर नहीं चल रहा है। उसके आतंक से जुड़े होने का इतिहास काफी पुराना है। 1989-1990 के बीच जब इस्लामी कट्टरपंथियों ने घाटी से कश्मीरी पंडितों का नरसंहार शुरू किया तब यासीन मलिक का नाम उन हत्यारों में शामिल था जिसने चुन-चुन कर कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया। इसके अलावा उसके ऊपर 1990 में वायुसेना के चार जवानों की हत्या का भी आरोप है जिसे उसने खुद स्वीकार किया है। यासीन पर कश्मीरी पंडित न्यायाधीश न्यायमूर्ति नीलकंठ गंजू की हत्या सहित कई अन्य गंभीर अपराधों में संलिप्तता का भी आरोप लगा हुआ है। यासीन मलिक पर कश्मीर घाटी में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने, आतंकियों के लिए धन जुटाने और देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने के गंभीर मामले चल रहे हैं।यासीन मलिक कांग्रेस पार्टी का बहुत दुलारा रहा है। कांग्रेस के प्रधानमंत्री खुद यासीन का स्वागत करने के लिए उत्साहित रहते थे। 1990 में घाटी में खून-खराबा करने का दोषी यासीन मलिक 2006 में कांग्रेस का अत्यंत प्यारा बन गया था। खुद प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने यासीन मलिक को नई दिल्ली में पीएम आवास पर बुलाया था और कई मुद्दों पर उससे चर्चा की थी। आज भी यासीन मलिक के साथ पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की मुस्कुराती फोटो और वीडियो आपको सार्वजनिक फोरम पर मिल जाएगी। यासीन मलिक को प्रमुख मीडिया संस्थानों के बड़े-बड़े कार्यक्रमों में बुद्धिजीवी बनाकर लाया जाने लगा था। 2008 के इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में यासीन को यूथ आईकन बनाकर पेश किया गया था। साल 2013 में एनडीटीवी ने यासीन मलिक को अपना मंच दिया था और इस दौरान रवीश कुमार यासीन मलिक को साहब और यस सर, जी सर कहते अघा नहीं रहे थे। केंद्र में बैठी केंद्र सरकार को उस समय यह नहीं लगा कि वो किस व्यक्ति को सम्मान दे रहे हैं और मीडिया को यह नहीं समझ में आया कि किसे यूथ आइकन बनाया जा रहा है। उस समय यासीन अपने कुकर्मों को खुलेआम स्वीकारता था, पाकिस्तान जाने के किस्से बताता था, खुलेआम हाफिज सईद से मिलता था, भारत से कश्मीर को अलग करने की बात करता था और फिर तत्कालीन भारत सरकार, नस्लदूषित पत्रकार और दुर्बुद्धिजीवी उसे दुलराते थे। इन्हीं वजहों से यासीन मलिक की बीवी मुशाल कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पत्र लिख रही है शौहर के लिए संसद में आवाज उठाने का आग्रह कर रही है।यासीन मलिक को 2017 में गिरफ्तार किया गया। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कश्मीर घाटी में आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन जुटाने के मामले में उसे पकड़ा और फिर उसे टेरर फंडिंग से संबंधित मामलों में आरोपी बनाया गया। इसके बाद 19 मई 2022 को एक विशेष अदालत ने उसे विभिन्न आरोपों के तहत दोषी ठहराया। 2017 की गिरफ्तारी के बाद यासीन अब तक जेल में है। वरना एक समय 1990 का भी था जब वो खुलेआम वायु सेना के जवानों की बात कबूलता था और जेल से रिहा होता रहता था।

यासीन मलिक के पापों की पूरी सूची देख लेनी चाहिए। इस बात के पुख्ता प्रमाण मौजूद हैं कि कैसे उसने भारतीय वायुसेना के चार अधिकारियों की हत्या की थी। कैसे तत्कालीन गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी का अपहरण किया था, जिसके कारण पांच खूंखार आतंकियों को रिहा करना पड़ा था। उनके रिहा होने के बाद देश भर में कई आतंकी घटनाएं घटीं। 1989 में केंद्र में वीपी सिंह की सरकार थी। उस वक्त मुफ्ती मोहम्मद सईद गृह मंत्री थे। श्रीनगर में तीन आतंकियों ने बस से रूबिया सईद को अगवा कर लिया था, इसके बाद आतंकियों की मांग मानते हुए पांच आतंकियों को रिहा किया गया था। 2008 में मुंबई में 26/11 के हमले में भी उन छोड़े गए आतंकियों की अहम भूमिका सामने आई थी। 1989 में कश्मीरी पंडित न्यायाधीश न्यायमूर्ति नीलकंठ गंजू की हत्या में भी यासीन मलिक शामिल था।

यासीन मलिक कश्मीर के उन चार आतंकियों में एक है, जो सबसे पहले आतंकी ट्रेनिंग लेने पाकिस्तान गया था। इन चार आतंकियों को हाजी ग्रुप कहा जाता रहा है। इनमें हमीद शेख, अश्फाक मजीद वानी, यासीन मलिक और जावेद मीर शामिल थे। हमीद और अश्फाक दोनों ही मारे जा चुके हैं। यह इतिहास में दर्ज हो चुका है कि कैसे इस व्यक्ति यासीन मलिक व उसके साथी कश्मीर की आजादी के नारे के साथ कश्मीरी मुस्लिमों को अस्सी के दशक के बाद से बरगलाते रहे हैं । इससे जुड़ी पूरी टीम ने कई दशकों तक चुन-चुनकर कश्मीरी हिंदुओं को मारा और उन्हें कश्मीर छोड़ने के लिए मजबूर किया। इस मलिक ने 80 के दशक में ताला पार्टी का गठन किया था, जिसका काम ही था कि गैर मुसलमानों के प्रति संगठित हिंसा करना ।

जब 11 फरवरी 1984 को आतंकी मकबूल भट को फांसी दी गई, तब भी इसने अपनी ताला पार्टी के जरिए कश्मीर में भारत के विरोध में भयंकर अलगाव माहौल पैदा किया था, जिस पर कि इसे चार माह तक सलाखों के पीछे रहना पड़ा, फिर रिहा होने के बाद 1986 में ताला पार्टी का नाम बदलकर इसने इस्लामिक स्टूडेंट लीग (आईएसएल) रख दिया था। यासीन मलिक इसका महासचिव था, ये वही संगठन है जिसने कि कश्मीर की आजादी के नाम पर भारतीय सेना से छद्म और सामने की लड़ाई का रास्ता चुना। अशफाक मजीद वानी, जावेद मीर और अब्दुल हामीद शेख जैसे आतंकी इसके सदस्य रहे। फिर ये 1988 में जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट से जुड़ गया।

आज इसके अनेक प्रमाण मौजूद हैं कि कैसे यासीन मलिक के इशारे पर इस संगठन ने घाटी में जबरदस्त आतंक फैलाया था। युवाओं को बहका कर उनसे हथियार उठवाए गए। 1987 के चुनाव के बाद कुछ समय के लिए यासीन मलिक पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में गया और वहां उसने आतंक की ट्रेनिंग ली। उसके बाद 1989 में वो वापस लौट आया और आकर कत्लेआम मचाने लगा था। जिसमें कि उसका बड़ा कांड 25 जनवरी 1990 को सामने आया, जब श्रीनगर में एयरपोर्ट जाने के लिए बस का इंतजार कर रहे वायुसेना के जवानों पर आतंकियों ने हमला कर दिया था, हमले में स्कवॉड्रन लीडर रवि खन्ना समेत चार जवान हुतात्मा हो गए थे और 40 लोग जख्मी हुए थे, मलिक पर इस हमले की साजिश का आरोप है। साल 2013 में यासीन मलिक ने लश्कर ए तैयबा चीफ हाफिज सईद के साथ पाकिस्तान में भूख हड़ताल की थी। यह भूख हड़ताल अफजल गुरु को फांसी देने के विरोध में की गई थी। वस्तुत: इसका दिल पाकिस्तान के लिए कितना धड़कता है, वह उसके परिवारिक रिश्तों से पता चलता है, 2009 में यासीन मलिक ने पाकिस्तान की रहने वाली मुशाल हुसैन से पाकिस्तान में शादी की । मुशाल हुसैन का राजनीतिक जुड़ाव यह है कि उनकी मां रेहाना पाकिस्तानी मुस्लिम लीग की नेता रही हैं। ये वही मुस्लीम लीग है जो भारत विभाजन की गुनहगार है।यासीन मलिक पर पाकिस्तान से पैसे लेकर कश्मीर में अलगाववाद और आतंकवाद बढ़ाने के आरोप लगने पर 19 मई 2022 को एनआईए कोर्ट ने इन्हें सही पाया और इसके लिए इसे गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और अन्य अपराधों के लिए दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई । इसके साथ ही यासीन मलिक पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून (यूएपीए) की धारा 16 (आतंकी गतिविधि), धारा 17 (आतंकी फंडिंग), धारा 18 (आतंकी गतिविधि की साजिश) और धारा 20 (आतंकवादी गिरोह या संगठन का सदस्य होना) सहित आईपीसी की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) और 124-ए (राजद्रोह) के तहत केस दर्ज किया गया है । इस पर भी सबसे बड़ी बात यह है कि यासीन मलिक दिल्ली की अदालत में यूएपीए के तहत दर्ज ज्यादातर मामलों में अपने पर लगे आरोपों को मंजूर कर चुका है। अब उसके लिए उसकी पत्नी का यूं राहुल गांधी को पत्र लिखना आखिर क्या संकेत करता है?

बिना पैसा खर्च किए दूर करें अपने घर के सभी वास्तुदोष

हम लोग जब अपना घर बनवाते हैं तो काफी कोशिशों के बाद भी कोई न कोई कमी रह जाती है और यही कमियां वास्तु दोष की वजह बनती हैं। इन कमियों की वजह से घर में सकारात्मक ऊर्जा के स्थान पर नकारात्मक ऊर्जा वास करने लगती है। अब चूंकि हम लोग घर को तोड़कर फिर से बनवा नहीं सकते हैं। ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि वास्तुशास्त्र में हमारे घर के निर्माण में होने वाली गड़बड़ियों को वास्तुदोष कहा जाता है। वास्तु दोष हमारे जीवन में का बहुत अधिक प्रभाव डालते हैं। घर में या घर के बाहर कई तरह के वास्तु दोष पाए जाते हैं। वास्तु दोष से कई तरह के रोग और शोक उत्पन्न होते हैं। ऐसे में यदि आपका घर तीकोना है, कार्नर का है, या फिर चौराहे है इसके आलाव दक्षिण दिशा पर भी है। उन वास्तुदोषों को दूर करने के लिए घर के निर्माण में बड़े बदलाव करने पड़ते है। लेकिन आज हम आपको वास्तु के कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं जिनमें आप घर में बिना किसी तोड़-फोड़ किए आप अपने घर के वास्तु दोष को आसानी से दूर कर सकते हैं।

पंचतत्वों का वास्तु से गहरा संबंध

वास्तु विशेषज्ञ नीतिका शर्मा ने बताया कि घर की उत्तर-पूर्व कोने को ईशान कोण कहा जाता है जो कि जल तत्व को दर्शाती ह। उत्तर-पश्चिम दिशा को वायव्य कोण कहा जाता है जो कि वायु तत्व को दर्शाती है। दक्षिण-पूर्व दिशा को आग्नेय कोण कहा जाता है जो कि अग्नि तत्व का प्रतिनिधित्व करती है। दक्षिण-पश्चिम दिशा को नैऋत्य कोण कहा जाता है जो कि पृथ्वी तत्व को दर्शाती है। घर के बीचोंबीच का जो स्थान होता है उसे ब्रह्म स्थान कहा जाता है जो कि आकाश तत्व माना जाता है। इस प्रकार से हमारा पूरा घर पंचतत्वों से मिलकर बना है और इन्हीं पंचतत्वों से मिलकर शरीर भी बना है। बेहतर और खुशहाल जीवन जीने के लिए इन सभी दिशाओं का दोषरहित होना सबसे जरूरी है। इन दिशाओं के दोष को दूर करने के लिए जानते हैं सरल से उपाय।

स्वास्तिक

वास्तु विज्ञान के अनुसार, घर के मुख्य द्वार पर सिंदूर से नौ अंगुल लंबा और नौ अंगुल चौड़ा स्वास्तिक का चिन्ह बनाएं। ऐसा करने से चारों ओर से आ रही नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है तथा वास्तुदोष भी हटता है। हर मंगलकवार को यह उपाय करने से मंगल ग्रह से जुड़े दोष भी समाप्त होते हैं।

रसोई में लगाएं बल्ब

वास्तु विज्ञान में रसोई घर को घर की सुख समृद्धि हेतु अतिविशिष्ट माना गया है। रसोई के लिए वास्तु के नियमों के अनुसार, आग्नेय कोण यानी कि दक्षिण-पूर्व दिशा सबसे उचित स्थान मानी गई है।

यदि रसोईघर गलत स्थान पर है तो अग्निकोण में बल्ब लगा दें एवं हर रोज ध्यान से उस बल्ब को जलाएं। इससे आपके घर का वास्तुदोष दूर हो जाएगा।

घोड़े की नाल

वास्तु के अनुसार घर में घोड़े की नाल टांगना बेहद शुभ माना जाता है। काले घोड़े की नाल मुख्य द्वार पर लगाने से सुरक्षा एवं सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। घोड़े की नाल अंग्रेजी के अक्षर यू के आकार की होती है। ध्यान रहे, घोड़े की नाल अपने आप गिरी हुई होनी चाहिए। या फिर आपके सामने घोड़े के पैर से उतारी हुई होनी चाहिए।

कलश की स्थापना

वास्तु के अनुसार यदि घर में वास्तु दोष है तो घर के उत्तर-पूर्व कोने में कलश रखना सर्वाधिक उपयुक्त माना जाता है। ध्यान रहे कि कलश कहीं से भी खंडित नहीं होना चाहिए। हिंदू मान्यताओं के अनुसार कलश को भगवान गणेशजी का रूप माना जाता है। गणेशजी को सुखकर्ता और विघ्नहर्ता माना गया है। घर में कलश की स्थापना के बाद सभी कार्य बिना किसी बाधा के पूर्ण होते हैं।

पूजा पाठ

जिस घर में पूजा पाठ और कीर्तन भजन रोजाना होते हैं, उस घर में मां लक्ष्मी स्वयं आकर वास करती हैं। रोजाना पूजापाठ करने से आपके घर से वास्तु दोष का भी निवारण होता है। अगर आप रोजाना भजन और कीर्तन करने का वक्त नहीं निकाल सकते हैं तो कम से कम गायत्री मंत्र और शांति पाठ रोजाना करें।

शयन की दिशा

वास्तु के अनुसार, यदि आप पश्चिम की ओर मुंह करके सोते हैं तो आपको बुरे सपने आ सकते हैं तथा पेट से संबंधित रोग हो सकते हैं। नींद नहीं आने पर व्यक्ति का स्वभाव चिड़चिड़ा रहता है और उसके शरीर में आलस्य बना रहता है। ऐसा होने से घर में नेगेटिव एनर्जी का प्रवाह बढ़ता है। तो आपको दक्षिण दिशा में मुख करके सोना चाहिए। इससे आपके स्वभाव में बदलाव होगा तथा अनिद्रा की स्थिति में भी सुधार होगा।

कूड़ा-कचरा रखने की सही दिशा

घर के उत्तर-पूर्व कोने में कभी भी कचरा एकत्र न होने दें, एवं न ही इधर कोई भी भारी मशीन रखें। इससे आपके घर में वास्तुदोष लगता है। साथ ही आप अपने वंश की उन्नति के लिए मुख्य द्वार पर अशोक का वृक्ष दोनों और लगाएं। इससे आपके घर का वास्तु दोष दूर होगा साथ ही नकारात्मक ऊर्जा कभी घर में प्रवेश नहीं करेगी।

शौचालय – वैसे तो घर में शौचालय बनवाने के लिए सबसे उचित दिशा दक्षिण-पश्चिम मानी जाती है। लेकिन अगर घर के पूर्व में आपको शौचालय बनवाना पड़ गया हो और कोई विकल्प बाकी न हो तो आप टॉयलेट सीट को इस प्रकार लगवाएं कि उस पर बैठते समय पश्चिम अथवा दक्षिण की ओर मुंह करके बैठ सकें। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा की जगह सकारात्मक ऊर्जा ले लेगी एवं आपके सारे काम बनने लगेंगे।

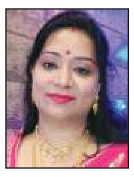

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर, अजमेर

व्यवसाय को बनाना है कामयाब तो अपनाएं वास्तु टिप्स

वास्तु में दिशाओं का बहुत महत्व है और व्यापार के दौरान आपको भी अपने दिशा स्थान का ध्यान रखना बेहद आवश्यक है। वास्तुशास्त्र के सिद्धांत सिर्फ घर में ही कारगर नहीं है अपितु इनका उपयोग दफ्तर और व्यवसायिक क्षेत्रों जैसे दुकान, फैक्ट्री आदि में भी किया जा सकता है। यदि आपके व्यवसाय क्षेत्र में वास्तुदोष है तो आपको व्यवसाय में सफलता नहीं मिल पाएगी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि वास्तु में दिशाओं का बहुत महत्व है और व्यापार के दौरान आपको भी अपने दिशा स्थान का ध्यान रखना बेहद आवश्यक है। यदि आप अपने व्यवसाय को कामयाब बनाना चाहते हैं तो वास्तु के इन उपायों को जरूर आज़माएं। व्यवसाय को सफल बनाने के लिए दुकान या शोरूम का मुख्यद्वार दीवार के बीच में होना शुभ होता है। दुकान के अंदर बिक्री का समान रखने की शेल्फ,शोकेस उत्तर-पश्चिम दिशा में बनाना आपको लाभ दिलाएगा और आपका व्यवसाय बढ़ेगा।

वास्तु शास्त्र के अनुसार शोरुम या दुकान का कैशबाक्स हमेशा दक्षिण और पश्चिम दीवार के सहारे होना उपयुक्त माना जाता है। अपने व्यवसाय स्थल के ईशान कोण में मंदिर लगाया जा सकता है। इसके साथ ही इस हिस्से में पीने का पानी रखना भी शुभ मन जाता है। आप अपने ऑफिस, दुकान या फैक्ट्री में सफेद, क्रीम या हल्के रंग का उपयोग कर सकते हैं। इन रंगों से सकारात्मकता का प्रवाह होता है, जो व्यवसाय में तरक्की प्रदान करने में सहायक माने जाते हैं। व्यवसाय को कामयाब बनाने के लिए आप अपनी टेबल पर श्रीयंत्र, व्यापार वृद्धि यंत्र, क्रिस्टल वाला कछुआ, क्रिस्टल बॉल, आदि रख सकते हैं। इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार दुकान के मालिक या मैनेजर को अपने व्यवसाय क्षेत्र के दक्षिण-पश्चिम दिशा में बैठना चाहिए। व्यवसाय में सफलता पाने के लिए आप अपने दुकान या फैक्ट्री में पांचजन्य शंख भी स्थापित कर सकते हैं। शंख को माता लक्ष्मी का भाई मानते हैं क्योंकि दोनों की उत्पत्ति समुद्र मंथन से हुई थी। शंख की पूजा से माता लक्ष्मी भी प्रसन्न होती हैं। और इससे आपको व्यवसाय में सफलता हासिल हो सकती है।

व्यापार बढ़ाने के वास्तु टिप्स

भगवान की मूर्ति लगाने का सही स्थान

हम में से अधिकतर लोग अपने दफ्तरों, दुकानों में एक छोटा पूजा कक्ष या मंदिर बनाते हैं। जहां भगवान की मूर्ति रखते हैं. हालांकि अगर आप इसे गलत जगह पर रखते हैं तो ये आपके काम और मुनाफे को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। वास्तु विशेषज्ञ के अनुसार मंदिर या पूजा कक्ष हमेशा ईशान कोण या पूर्व दिशा में होना चाहिए।

क्लियर ऑफिस एंट्री

क्या आपने अपनी दुकान, कार्यालय या कारखाने के प्रवेश द्वार को बहुत अधिक सजावटी सामग्री से सजाया है। वास्तु विशेषज्ञ के अनुसार ऐसा नहीं करना चाहिए क्योंकि ये आपके रास्ते में आने वाले अच्छे व्यावसायिक अवसरों को रोक सकता है। इन्हें तुरंत हटा दें। आपके कार्यालय, दुकान या कारखाने का प्रवेश हमेशा क्लियर होना चाहिए।

दफ्तर के मालिक का रूम/सीट

आप अपने कार्यालय या दुकान में जहां बैठते हैं, वो आपके व्यवसाय की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आपका कमरा हमेशा दक्षिण-पश्चिम दिशा में होना चाहिए या आप इस तरह बैठ सकते हैं कि आपका मुख उत्तर दिशा की ओर हो। मंदिर आपके पीछे नहीं होना चाहिए। भगवान की मूर्तियों को अपने सीट के पीछे कभी न रखें। आपकी सीट के पीछे हमेशा एक सादी दीवार होनी चाहिए।

वॉशरूम की दिशा

माना जाता है कि वॉशरूम/शौचालय में नकारात्मक ऊर्जा होती है और व्यापार में किसी भी समस्या से बचने के लिए इनका सही दिशा में होना जरूरी है। इन्हें हमेशा उत्तर-पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम दिशा में होना चाहिए। नहीं तो ये आपके व्यवसाय में वित्तीय वृद्धि को रोक सकते हैं।

दुकान/कारखाने में फर्नीचर

अगर आपको अपने कार्यस्थल पर कोई फर्नीचर रखना है तो सुनिश्चित करें कि उसका आकार अनियमित या एल-आकार का न हो। क्योंकि ये विकास को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं। अपने ऑफिस के लिए हमेशा चौकोर या आयताकार आकार का फर्नीचर चुनें।

उत्तर दिशा

सुनिश्चित करें कि उत्तर दिशा हमेशा साफ हो। आपको यहां कुछ भी नहीं रखना चाहिए क्योंकि ये अग्नि तत्व का प्रतिनिधित्व करता है। साथ ही इस क्षेत्र को लाल रंग से नहीं रंगना चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी पेंट्री डिजाइन न करें।

कार्यालय में लाइट

आपके कार्यालय या दुकान में अच्छी रोशनी होनी चाहिए, कार्यालय में प्राकृतिक प्रकाश व्यवस्था हो तो हमेशा बेहतर होता है। अगर नहीं तो आप बहुत सारी लाइट्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये कार्यालय में किसी भी नकारात्मकता को रोकता है और व्यवसाय को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसके अलावा अगर आप अपने व्यवसाय के लिए एक नया स्थान खरीद रहे हैं तो ऐसी जगह की तलाश करें जहां अच्छा वेंटिलेशन, ढेर सारी खिड़कियां और प्राकृतिक रोशनी हो।

दाहिनी दीवार के रंग

आपके कार्यालय या कारखाने में दीवार के रंग भी महत्वपूर्ण हैं। इनका काम के माहौल से सीधा संबंध है. हमेशा ऐसे रंगों का इस्तेमाल करें जो ब्राइट और आंखों को भाते हों। अपनी दुकान या ऑफिस के लिए सफेद, नीला, ग्रे जैसे रंग चुनें. इससे सकारात्मकता आएगी और व्यापार में वृद्धि होगी।

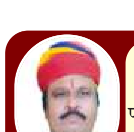

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

रक्षाबंधन और भाईदूज के अलावा भी होता है भाई बहन को समर्पित एक त्योहार

हममे से बहुत लोगों को बस यही पता है कि रक्षाबंधन और भाई दूज दो ही ऐसे त्योहार हैं जो भाई बहन के लिए समर्पित है। लेकिन अब जो हम आपको बताने जा रहें हैं उसे जानकर आप थोड़ा आश्चर्य में पड़ सकते हैं। दरअसल भाई बहन को समर्पित एक त्योहार और है। जिसका नाम सामा चकेवा है। जानते हैं इसके बारे में-

बिहार और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाको में जैसे ही छठ पर्व की समाप्ति होती है, ठीक उसी दिन से ही सामा चकेवा का पर्व शुरू हो जाता है। इस पर्व में महिलाएं सामा चकेवा और चुगला चुगली के गीत गाते हैं। बिहार की सुप्रसिद्ध गायिका शारदा सिन्हा ने सामा चकेवा को लेकर कई तरह के गीत गाए हैं। इस पर्व को मानने वाली महिलाएं मिट्टी की प्रतिमा बनाती है। जिसमें सामा चकेवा, चुगला, सतभैया, वृंदावन और पक्षियों की प्रतिमा शामिल है। ये पर्व भाई बहन के पवित्र रिश्ते को दर्शाता है।

सामा चकेवा का शुक्रवार 8 नवंबर को शुरू होकर शुक्रवार 15 नवंबर 2024 को खत्म होगा। बता दें कि कार्तिक शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को महिलाएं सामा चकेवा बनाती है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण की पुत्री सामा के संबंध को लेकर किसी चुगले न गलत आरोप लगा दिए थे। जिस वजह से श्रीकृष्ण ने गुस्से में आकर सामा को पक्षी बन जाने का श्राप दे दिया। बहुत दिनों तक सामा श्राप के कारण पक्षी बनी रही। लेकिन सामा का भाई चकेवा ने अपने प्यार और त्याग के बल पर सामा को वापस मनुष्य रूप दिलवाया। बहन को श्राप से मुक्त करने के साथ ही चकेवा ने चुगले को प्रातड़ित भी करवाया। उसी कथा का मार्गदर्शन करते हुए भाई बहन के रिश्ते को साल में छठ के आठ दिन बाद सामा चकेवा के पर्व के रूप में मनाया जाता है।

इस पर्व की परंपरा काफी अलग है। इसमें चुगले की प्रतिमा को लंबी चोटी के साथ बनाया जाता है। चुगले की चोटी में आग लगाकर उसे जूते से पीटने की परंपरा है। परंपरा के मुताबिक इस दिन बहने भाईयों को दही चूड़ा खिलाती है। लेकिन ये त्योहार मुख्य तौर से बिहार और उत्तरप्रदेश में मनाया जाता है।

कार्तिक पूर्णिमा पर ही क्यों मनाते हैं देव दिवाली

दिवाली के 15 दिन बाद देव दिवाली मनाई जाती है। दिवाली का पर्व कार्तिक अमावस्या को होता है, वहीं देव दिवाली कार्तिक पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। इसे देवताओं की दीपावली भी कहते हैं।

इस साल 31 अक्टूबर 2024 को दिवाली का त्योहार मनाया गया। इसके ठीक 15 दिन बाद 15 नवंबर 2024 को कार्तिक पूर्णिमा के दिन देव दिवाली मनाई जाएगी। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर क्यों कार्तिक पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है देव दिवाली, क्या है इसका कारण। जानिए देव दिवाली से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें-

देव दिवाली 2024 तिथि और शुभ मुहूर्त

देव दिवाली तिथि– 15 नवंबर 2024

कार्तिक पूर्णिमा आरंभ– 15 नवंबर 2024, सुबह 06:19 से

कार्तिक पूर्णिमा समाप्त: 16 नवंबर 2024, देर रात 02:58 तक

प्रदोष काल पूजा मुहूर्त: 15 नवंबर, शाम 5:10 से 07:47 तक

पूजा की कुल अवधि: 2 घंटे 37 मिनट

कार्तिक पूर्णिमा को क्यों मनाते हैं देव दिवाली

कार्तिक पूर्णिमा के दिन देव दिवाली मनाने के पीछे का कारण यह है कि इस तिथि को भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का वध किया था, जिस खुशी में देवताओं ने स्वर्ग में दीप जलाकर दिवाली मनाई थी। धार्मिक व पौराणिक कथाओं के अनुसार, त्रिपुरासुर राक्षस ने अपनी शक्ति से तीनों लोकों पर राज जमा लिया था और देवताओं पर भी अत्याचार करने शुरू कर दिए थे।

त्रिपुरासुर के अत्याचार से त्रस्त होकर सभी देवतागण शिव के पास पहुंचे। तब भगवान शिव ने कार्तिक पूर्णिमा के दिन त्रिपुरासुर का वध किया और देवताओं को उसके अत्याचार से मुक्त कराया। इसके बाद से कार्तिक पूर्णिमा के दिन से देव दिवाली मनाई जाती है।

देव दिवाली का महत्व

देव दिवाली को लेकर ऐसी मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन देवी-देवता धरती पर आते हैं और गंगाघाट पर दिवाली मनाते हैं। इसलिए इस दिन दीप जलाने की परंपरा है। लोग इस शुभ दिन पर दीपदान भी करते हैं। देव दिवाली पर वाराणसी में अद्भुत नजारा देखने को मिलता है।

13 नवंबर को तुलसी विवाह

सही समय, मुहूर्त, क्यों विष्णु जी ने किया तुलसी से विवाह जानें

सनातन धर्म में तुलसी को मां लक्ष्मी के रूप में पूजा जाता है। तुलसी का दूसरा नाम विष्णुप्रिय भी है, तुलसी माता विष्णु जी की पत्नी मानी जाती है। हर साल कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को तुलसी विवाह के रूप में मनाया जाता है।

इससे एक दिन पहले देवउठनी एकादशी पर श्रीहरि विष्णु 4 महीने बाद क्षीर निद्रा से जागते हैं, इसके बाद ही समस्त मांगलिक कार्य की शुरुआत होती है। देवउठनी एकादशी और तुलसी विवाह के दिन कई जगह शादी की शहनाईयां बजती है। जानते हैं इस साल तुलसी विवाह 2024 की डेट, मुहूर्त। इस साल तुलसी विवाह 13 नवंबर को किया जाएगा। इससे एक दिन पहले 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी है, इस दिन चातुर्मास की समाप्ति होगी। इसी दिन भगवान विष्णु का शालिग्राम के रूप में तुलसी के साथ विवाह करवाने की भी परंपरा है।

तुलसी विवाह मुहूर्त

पंचांग के अनुसार कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि 12 नवंबर 2024 को शाम 04।04 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 13 नवंबर 2024 को दोपहर 01।01 मिनट पर समाप्त होगी।

गोधूलि बेला का समय – शाम 05:28 – 05:55 (13 नवंबर)

देवउठनी एकादशी पर तुलसी विवाह का मुहूर्त – शाम 05:29 – 05:55 (12 नवंबर), मान्यता अनुसार कुछ लोग देवउठनी एकादशी की शाम को तुलसी और शालीग्राम जी के विवाह की परंपरा निभाते हैं।

तुलसी विवाह कराने से क्या लाभ मिलता है

हिंदू धर्म में कन्यादान को महादान की श्रेणी में रखा गया है। मान्यता है कि तुलसी विवाह की परंपरा निभाने वालों को कन्यादान करने के समान फल प्राप्त होता है। तुलसी विवाह घर के आंगन में कराना चाहिए। इसके लिए सूर्यास्त के बाद गोधूलि बेला का मुहूर्त चुनें। मान्यता है जिस घर में शालिग्राम जी और तुलसी माता का विवाह कराया जाता है वहां लक्ष्मी जी वास करती हैं।

तुलसी विवाह कैसे किया जाता है ?

इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर नहाने के बाद शंख और घंटानाद सहित मंत्र बोलते हुए भगवान विष्णु को जगाया जाता है। फिर उनकी पूजा की जाती है। शाम को घरों और मंदिरों में दीये जलाए जाते हैं र गोधूलि वेला यानी सूर्यास्त के समय भगवान शालिग्राम और तुलसी विवाह करवाया जाता है।

विष्णु जी ने क्यों किया तुलसी से विवाह ?

एक पौराणिक कथा है, जिसमें जालंधर को हराने के लिए भगवान विष्णु ने वृंदा नामक अपनी भक्त के साथ छल किया था। इसके बाद वृंदा ने विष्णु जी को श्राप देकर पत्थर का बना दिया था, लेकिन लक्ष्मी माता की विनती के बाद उन्हें वापस सही करके सती हो गई थीं। उनकी राख से ही तुलसी के पौधे का जन्म हुआ और उनके साथ शालिग्राम के विवाह का चलन शुरू हुआ।

अनुष्का सेन ने समझाया फैशन का मतलब है अभिव्यक्ति

अभिनेत्री अनुष्का सेन के लिए फैशन के मायने स्टाइलिश कपड़ों से कहीं बढ़कर है। उनके हिसाब से यह खुद को व्यक्त करने का तरीका है।नव्या नंदा के एंटरप्रेनारी और अबू संदीप के गुलाबो द्वारा आयोजित फैशन शो में अनुष्का ब्लैक एंड व्हाइट आउटफिट में नजर आईं। उन्होंने अपने लुक को फ्री-फ्लोइंग बोहेमियन श्रग से पूरा किया।अनुष्का ने कहा, मैं एंटरप्रेनारी बाय नव्या नंदा और गुलाबो बाय अबू संदीप शोकेस के लिए पहली बार रैंप पर चलने को लेकर उत्साहित थी और इनकी आभारी भी हूं। मेरे लिए फैशन कपड़ों से इतर है। यह अपने आप को व्यक्त करने का अच्छा तरीका है यानि ये बताने का कि हम कौन हैं।अभिनेत्री ने कहा कि वह सही अवसर और पल का इंतजार कर रही थीं।उन्होंने कहा, यह कार्यक्रम एक सपने के सच होने जैसा था, खासकर इसलिए क्योंकि यह महिला उद्यमियों की मदद करने के लिए था। इसका एक और कारण भी था और वो था अबू जानी संदीप खोसला के लिए वॉक करना, जो मेरे पसंदीदा डिजाइनर्स हैं।अनुष्का ने अमिताभ बच्चन की पोती नव्या के साथ अपनी मुलाकात को एक शानदार अनुभव बताया।मैंने पूरे दिल से उस पल को अपनाया और उस अद्भुत अवसर के लिए मैं आभारी हूं। नव्या से मिलना मेरे लिए एक शानदार अवसर था।इस महीने की शुरुआत में अनुष्का ने सोशल मीडिया पर दुर्गा पूजा से एक शानदार फोटो शेयर की थी। वह साड़ी और बड़े झुमके में बहुत खूबसूरत लग रही थीं।उन्होंने साड़ी में अपनी कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसका शीर्षक था, दुर्गा पूजा 2024।अनुष्का सेन एक भारतीय टेलीविजन अभिनेत्री हैं, जिन्हें बाल कलाकार के तौर पर काफी लोकप्रियता मिली। उन्हें हाल ही में दक्षिण कोरियाई पर्यटन के लिए आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है।उन्होंने 2009 में भारतीय टेलीविजन पर यहाँ मैं घर घर खेली शो से अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने देवों के देव... महादेव में बाल पार्वती की भूमिका निभाई थी।2012 में, उन्होंने टीवी शो बालवीर में मेहर के अपने किरदार से लोगों का दिल जीत लिया था।इसके अलावा, उन्होंने खूब लड़ी मर्दानी – झांसी की रानी थी में मणिकर्णिका का किरदार निभाया।अनुष्का वेब सीरीज दिल दोस्ती डिलेमा में भी नजर आ रही है। यह तीन दोस्तों की जिंदगी की कहानी है, जो प्राइम वीडियो पर भी स्ट्रीम हो रही है।उन्होंने हाल ही में क्रश नामक एक अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट पर काम किया, जिसमें उन्होंने ओलंपिक रजत पदक विजेता किम ये जी के साथ अभिनय किया है।

दिव्यांका त्रिपाठी की द मैजिक ऑफ शिरी को मिली रिलीज तारीख

छोटे पर्दे की जानी-मानी अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी पिछले लंबे समय से वेब सीरीज द मैजिक ऑफ शिरी को लेकर चर्चा में हैं।उनकी यह सीरीज पिछले साल 13 जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन किसी कारण निर्माताओं ने इसकी रिलीज टाल दी।अब द मैजिक ऑफ शिरी की नई रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। आइए जानते हैं इस सीरीज को आप कहां और कब देख सकते हैं।द मैजिक ऑफ शिरी का प्रीमियर 14 नवंबर, 2024 से जियो सिनेमा पर होने जा रहा है। निर्माताओं ने पोस्ट साझा करते हुए लिखा, मेहरबान कदरदान साहिबान, हो जाए तैयार, क्योंकि जल्द ही छाएगा शिरी का जादू।जावेद जाफरी और दास नमिता भी इस सीरीज का अहम हिस्सा हैं।द मैजिक ऑफ शिरी की कहानी एक घरेलू महिला के संघर्ष को दिखाती है, जो घरेलू कामकाजी की दुनिया से निकलकर ऐसा काम करना चाहती है, जिसमें उसकी दिलचस्पी है।

ड्यूून प्रोफेसी का ट्रेलर रिलीज तब्बू का दिखा दमदार अवतार

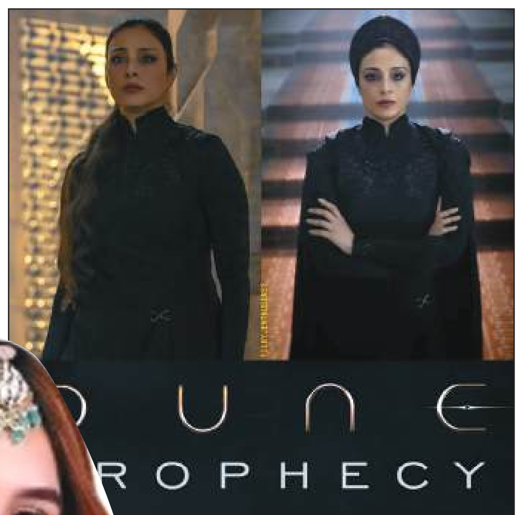

18 नवंबर को जियो सिनेमा प्रीमियम पर रिलीज होगा बहुप्रतीक्षित अंतर्राष्ट्रीय शो ड्यून: प्रोफेसी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। कनिंग हैंड, एनाबेलिटा फिल्म्स और लेजेंडरी टेलीविजन द्वारा निर्मित इस शो में तब्बू की मौजूदगी ने भारतीय दर्शकों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। बीते दिन जारी हुए शो के टीजर में सिस्टर फ्रांसेस्का के रूप में तब्बू की एक झलक दिखाई गई थी। वहीं, अब ट्रेलर उनके किरदार और ड्यूड सिस्टरहुड के समग्र तंत्र के बारे में थोड़ी अधिक जानकारी देता है। इसके साथ ही ड्यून: प्रोफेसी के प्रीमियर की तारीख से भी पर्दा उठ गया है।ड्यून: प्रोफेसी हाल की ड्यून फिल्मों की घटनाओं से 10,000 साल पहले की कहानी है। यह सीरीज केविन जे एंडरसन और ब्रायन हर्बर्ट द्वारा लिखे गए उपन्यास सिस्टरहुड ऑफ ड्यून से प्रेरित है। यह एक साइंस फिक्शन वेब सीरीज है, जिसमें कुल छह एपिसोड होंगे। सीरीज दो हरकोनेन बहनों (वाल्या और तुला) का अनुसरण करेगी क्योंकि वे मानव जाति के वर्तमान और भविष्य को खतरे में डालने वाली ताकतों से लड़ती हैं। यह प्रसिद्ध संप्रदाय बेने गेसेरिट की स्थापना की उनकी यात्रा पर केंद्रित होगा। दिलचस्प ट्रेलर के साथ-साथ मेकर्स ने शो की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। ड्यून: प्रोफेसी का नया ट्रेलर मुख्य रूप से वाल्या हरकोनेन के रूप में एमिली वॉटसन और तुला हरकोनेन के रूप में ओलिविया विलियम्स पर केंद्रित है। सिस्टर फ्रांसेस्का के रूप में तब्बू पूरे ट्रेलर में छोटी लेकिन आकर्षक प्रस्तुतियां देती हैं, जिससे यह देखना दिलचस्प हो जाता है कि उनका हिस्सा कहानी में कैसे जुड़ जाएगा।ड्यून: प्रोफेसी अमेरिका में 17 नवंबर को मैक्स पर रिलीज होगी। वहीं, ट्रेलर के साथ, जियो सिनेमा ने खुलासा किया है कि ड्यून: प्रोफेसी का प्रीमियर भारत में 18 नवंबर को होगा। छह-एपिसोड का सीजन 18 नवंबर को सुबह 6:30 बजे जियो सिनेमा प्रीमियम पर रिलीज होगा, जिसमें हर अगले सोमवार को नए एपिसोड जारी किए जाएंगे।

ड्यून: प्रोफेसी में एमिली, ओलिविया विलियम्स, ट्रैविस फिमेल, जोहदी मे, तब्बू, सारा-सोफी बोस्निना, एडवर्ड डेविस, फॉइलेन कनिंघम, मार्क स्ट्रॉन्ग, क्लो ली, जोश हेस्टन, जेड एनोका, शालोम ब्रून-फ्रैंकलिन, क्रिस मेसन और एओइफ हिंड्स ने अभिनय किया है।

फिल्म द साबरमती रिपोर्ट का टीजर रिलीज

पत्रकार की भूमिका में खूब जंचे विक्रांत मैसी

द साबरमती रिपोर्ट के टीजर में भारत के हालिया इतिहास की एक चौंकाने वाली और प्रभावशाली घटना की झलक देखने मिली थी। लेकिन ये बस उस हादसे की झलक थी। मेकर्स ने अब तक दर्शकों को दिलचस्प पोस्टर्स के साथ बांधे रखा था। वहीं अब उस कड़वी सच्चाई को दिखाने वाली फिल्म का दमदार ट्रेलर को रिलीज हो गया है।27 फरवरी 2002 की सुबह साबरमती एक्सप्रेस में क्या हुआ, इसकी सच्चाई को दिखाते हुए, द साबरमती रिपोर्ट का बेसब्री से इंतजार किया जाने वाला ट्रेलर अब सामने आ गया है। ये ट्रेलर हमें एक ऐसी घटना के सफर पर ले जाता है, जिसने भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक चेहरे को बदल दिया। इस घटना पर ये नजरिया कभी ज्यादा चर्चा में नहीं आया, लेकिन इसने कई जिंदगियों को प्रभावित किया है।विक्रांत मैसी, राशी खन्ना और रिद्धि डोगरा पत्रकारों के किरदारों में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। ट्रेलर से ये साफ हो गया है कि यह फिल्म एक गहरी छाप छोड़ेगी, जो इस दिल दहला देने वाली घटना की सच्चाई को उजागर करेगी और दर्शकों को जागरूक करेगी। इस ट्रेलर में हिंदी भाषी और अंग्रेजी पत्रकारों के बीच का वैचारिक अंतर सामने लाया गया है, जो पश्चिमी प्रभाव से इंस्पायर होते हुए भी दुखद घटनाओं की राजनीति और कवरेज को प्रभावित करते हैं।बालाजी मोशन पिक्चर्स, बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का एक डिविजन और विकिर फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले प्रेजेंट, द साबरमती रिपोर्ट में विक्रांत मैसी, राशी खन्ना और रिद्धि डोगरा लीड रोल में हैं। फिल्म को धीरज सरना ने डायरेक्ट और शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन ने प्रोड्यूस किया है। द साबरमती रिपोर्ट 15 नवंबर 2024 को वर्ल्डवाइड सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

लहंगा पहन नेहा मलिक ने लगाया बोल्डनेस का तड़का

नेहा मलिक भोजपुरी इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्री में से एक हैं। उन्होंने अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका सिजलिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट एंड बोल्ड क्वीन नेहा मलिक आए दिन अपनी ड्रेसिंग सेंस से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका सिजलिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।नेहा मलिक की लेटेस्ट फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लू कलर का सिजलिंग लहंगा पहना हुआ था, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर लुक में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। माथे में मांगटिका, गले में नेकलेस और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस नेहा मलिक जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।नेहा मलिक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

अल्लू अर्जुन के साथ डांस करेंगी श्रीलीला

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा: द रूल इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। यह 2021 में आई फिल्म पुष्पा: द राइज का सीक्वल है, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुआ।पुष्पा: द रूल 5 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।अब खबर आ रही है कि पुष्पा: द रूल की स्टार कास्ट में शामिल हो गई हैं। वह फिल्म में अल्लू के साथ एक गाने में डांस करती नजर आएंगी।रिपोर्ट के मुताबिक, पुष्पा: द रूल के आइटम नंबर के लिए श्रीलीला को चुना गया है।इससे पहले निर्माताओं ने श्रद्धा कपूर से भी संपर्क किया था, लेकिन मुंहमांगी रकम के कारण निर्माताओं ने उनकी छुट्टी कर दी। इसके अलावा इस आइटम नंबर के लिए तृप्ति डिमरी से भी बात हो चुकी है।श्रीलीला फिल्म के एक विशेष गाने में डांस करती नजर आएंगी। इस दौरान अल्लू उनका साथ देने वाले हैं।पुष्पा: द रूल के निर्देशन की कमान सुकुमार कर रहे हैं। पहले भाग का निर्देशन भी उन्होंने ही किया था। फहद फासिल भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाते हुए नजर आएंगे।पुष्पा: द रूल हिंदी समेत तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ के साथ बंगाली भाषा में भी रिलीज होगी। यह पहली पैन-इंडिया फिल्म है, जो बंगाली भाषा में रिलीज होने वाली है।सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज खर्चा ज्यादा होगा स्वास्थ्य भी चिंतित करेगा इसलिए समजदारी से कार्यो का संचालन करें। आपका जीवन साथी आपकी और परिवार की पूरी देखभाल करेंगे आप को भी खुशी होगी। आपके दुश्मन आपके खिलाफ गुप्त रूप से काम कर सकते हैं और आपको परेशानी दे सकते हैं. आज कोई दुखद घटना आप को परेशान करेगी यात्रा का योग नही हैं फिलहाल टाल दें।मृत्युंजय यंत्र का जप करें ब्राह्मण बटुक को दूध का दान करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका दिन बदलाव का हैं परिवर्तन होगा सीनियर्स आपके कार्यों की प्रशंसा होगी. बचपन के किसी मित्र से आपकी मुलाकात होगी. दोस्त के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग करेंगे. आपका मन प्रसन्न रहेगा. धैर्य पूर्वक किसी कार्य पर किया गया विचार बहुत फलदायी रहेगा. सोचे हुए कार्य पूरे होंगे. बिजनेस में कई नए मौके आपको मिलेंगे. अपने कारोबारी पार्टनर के साथ सही तालमेल रहेगा अपने परिवार के साथ किसी रेस्टोरेंट में लंच करने भी जा सकते हैं.शिवजी को जलधारा अर्पित करें बिल्वपत्र चढाए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आप को साझेदारी वाले कारोबार मे बहुत सोचसमझकर निर्णय लेने होंगे जीवनसंगिनी का पगपग पर साथ मिलेगा। कर्मचारियों के साथ आप असहज महसूस करेंगे . आज कहीं प्राकृतिक सौंदर्ययुक्त स्थान पर घूमने का आनन्द उठाएंगे. विद्यार्थियों के लिए समय मध्यम है. आपका रोमांटिक अंदाज दाम्पत्य जीवन को प्यार से भर देगा. समाज में मान सम्मान बढ़ेगा. संबंधो को बहुत ही नाजुकता से निभाने की जरुरत हैं घर मे पौधरोपण करें सुबह तुलसी को जल सींचे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप अविवाहित है तो दुर्गा जीको घी का दीपक प्रज्वलित करें मंत्र का जप करें सम्बन्ध हो सकता हैं आप को रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े हैं तो अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के अवसर मिलेंगे और आकर्षक सौदे हाथ लग सकते हैं. आप स्वयं के लिए यश एव कीर्ति भी अर्जित कर पाएंगे. आपके काम और व्यवसाय में सकारात्मक विकास होगा. अगर आप नौकरी या व्यवसाय बदलना चाहते हैं, तो आपको सफलता मिलेगी. आप आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों की ओर आकर्षित होंगे. आप के दिन का उतरार्ध सुखमय बीतेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज कुछ नया निवेश करना जोखिम भरा हो सकता हैं फिलहाल निवेश की योजना को टालदें यात्राका योग बन रहा हैं संभव हो सके तो अचल संपत्ति के विषय में आज चर्चा टाल दें. रात्रि में कुछ लोगों पर धन खर्चा करना पड़ सकता है. रोजी व रोजगार में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा. कुछ लोगों के जीवन में नये अवसर आएंगे जिन्हे नजरअंदाज न करें अन्यथा बाद में आत्मग्लानि होगी. आपके स्वभाव की सबसे खास बात संतुलित रहना है.शक्कर की मिठाई कन्याओं को खिलाएं रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज सबसे पहले अपने घर की जरुरतों को पूरा करें तत्पश्चात अपने व्यवसाय मे निवेश करें वर्तमान सुखमय बितेगा भविष्य के लिए चिंता मुक्त होंगे। विरोधियों से सावधान रहना होगा आप के होते हुए काम बिगाड़ेंगे। आने वाला समय आप का होगा आप को मित्रों का पूरा समर्थक रहेगा। शिक्षा क्षेत्र मे बाधा आ सकती है। आप एक्सपर्ट के साथ संवाद कर सकते हैं। अपने लक्ष्य को सुनिश्चित करें आप के पूर्व का निवेश भविष्य को फायदा देगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन सकारात्मक रहेगा कार्य के परिणामदायक सुखद रहेगें . सामाजिक कार्य या राजनीति से जुड़े लोग कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करेंगे. आप में से कुछ नवीन संपर्क स्थापित कर पाएंगे. रचनात्मक क्षेत्रों में आप असाधारण रूप से अच्छा करेंगे. परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से नौकरी की तलाश करने वालों को शुभ परिणाम प्राप्त होंगे. कोर्ट में लंबित कोई संपत्ति संबंधी मामला आपके पक्ष में जाएगा. घरेलू वातावरण अच्छा रहेगा डीनर को कुछ समय के लिए रोग दें आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा.।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन उर्जा से भरा रहेगा कोई शुभ समाचार मिलेगा आपके मन में किसी की मदद करने का भाव आ सकता है. आपकी रचनात्मक प्रतिभा खुलकर सामने आ सकती है. आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी. आप किसी धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं. आप खुद को सेहतमंद महसूस करेंगे. समाज में आपका मान–सम्मान बढ़ेगा. आगे बढ़ने के आपको नए मौके मिल सकते हैं. आज आप जिससे भी बात करेंगे, उसे अपनी राय से सहमत कर सकते हैं. शाम के वक्त शिवालय मे दर्शन करने जाए नारियल अर्पण करें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज कार्य मे रुकावटें तो जरुर आंएगी परन्तु दृढसंकल्पित होकर आगे बढते जाए. सफलता निश्चित होगी . नौकरी पेशावालों की पदोन्नति की संभावनाएं हैं. आपका साथी आपके विचारों के प्रति ग्रहणशील होगा. अपने पार्टनर के साथ मिलकर आप अपने संसाधनों को एकजुट करने में सफल रहेंगे. जीवन के प्रति गंभीरता को बनाये रखने की जरुरत है. कार्य क्षेत्र में सह–कर्मियों का आपको सहयोग मिल सकता है. डिनर के वक्त कोई कारोबारी चर्चा नही करें केवल परिवार के साथ भोजन का आनंद उठाएं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज स्वभाव कुछ मे चिडचिडापन रहेगा लोगों से वाद विवाद होगा , किन्तु आपको शांत और संयम रखने की ज़रूरत है. जल्द ही सब ठीक हो जाएगा. आपके बच्चे आपका ध्यान रखेंगे. आपको दफ़्तर में आपके सहयोगियों का सहयोग मिलेगा. वरिष्ठ आपके काम को सराहेंगे. वित्तीय फैसले लेने के लिए यह बहुत अच्छा वक़्त है. प्रेम प्रसंग के मामले में आज का दिन अनुकूलता लिए हुए है. खास कर वो लोग जो समाज की मर्यादाओ को अधिक महत्त्व नहीं देते ऐसे लोगों से दूरी बनाए रखें। गुरुदेव के मंत्र का जप करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज खुश होने वाला दिन. रूका हुआ धन वापस मिल जायेगा. आपके अधूरे काम आसानी से पूरे होंगे. व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ होगा. समाज के कार्यों में आप आगे रहेंगे. योजनाबद्ध तरीके से काम करने से आपको लाभ की प्राप्ति होगी. आपकी यात्रा सुखद रहेगी. आपके काम से सभी लोग प्रसन्न रहेंगे. स्टूडेंट्स को पढ़ाई–लिखाई में साथियों से मदद मिलेगी. आपका दाम्पत्य जीवन ख़ुशी से भरा रहेगा. सुबह भोर मे ॐ नमः शिवाय मंत्र का उच्चारण से कीर्तन करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज कारोबार की स्थिति ठीक है परन्तु निवेश टाल दें क्योंकि आपकी परेशानी बढ़ने की भी संभावना है. दिनभर संभलकर रहना होगा. घर–परिवार की चिंता बढ़ सकती है. कामकाज में नए बदलाव करने से बचना होगा. उच्च अधिकारियों से अच्छे सम्बन्ध आपको बिजनेस में लाभ प्राप्त करवाएंगे. संतान पक्ष की ओर से चिंताएं दूर होंगी. वैवाहिक जीवन आनंद पूर्वक बीतेगा. स्टूडेंट्स के लिए स्थिति अनुकूल रहेगी बस किसी भी काम में लापरवाही न बरतें.आलस्य को छोड दें भविष्य सुनहरा होगा।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 09 नवंबर 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक, शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 10:47 तक
नक्षत्र : श्रवण प्रातः 11:48 तक
योग : गण्ड प्रातः 06:38 तक
करण : विष्टि प्रातः 11:27 तक
चन्द्रराशि : मकर रात्रि 11:28 तक
सूर्योदय : 06:18 , सूर्यास्त 05:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 05:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी , गोपाष्टमी , भद्रा प्रातः 11:25 तक , पंचक आरंभ रात्रि 11:28 से

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कांग्रेस कश्मीर में अनुछेद 370 की बहाली का कर रही है समर्थन : भजनलाल

टोंक, 08 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्मंत्री भजन लाल शर्मा ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा है कि उसके नेताओं को देश और राष्ट्र से कोई लेना देना नहीं है, इसलिए जम्मू–कश्मीर विधानसभा में कांग्रेस ने अनुच्छेद 370 वापस लाने के बिल का समर्थन किया है जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे हटाने का काम किया था।

श्री शर्मा शुक्रवार को देवली–उनियारा विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी राजेंद्र गुर्जर के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसे में वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी से कहना चाहते है कि कश्मीर में अब अनुछेद 370 कोई भी बहाल नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा एक ओर प्रदेश की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार का घोषणा पत्र देखिए और दूसरी ओर भाजपा सरकार का संकल्प पत्र देखिए। कांग्रेस ने जहां पांच साल में घोषणा पत्र में से 10 प्रतिशत वादों तक को पूरा नहीं किया वहीं भाजपा सरकार ने महज 11 महीनों में संकल्प पत्र के 50 प्रतिशत वादों को पूरा करने का काम किया है। कांग्रेसी नेता पूछते है कि सरकार ने 11 महीनों में क्या किया, मैं प्रदेश की जनता को विश्वास दिलाता हूं कि अगले महीने सरकार के एक साल का हिसाब जनता के सामने रखा जाएगा। यह 11 महीने का कार्य तो टेलर है फिल्म अभी बाकी है। भाजपा सरकार ने 200 पेपरलीक माफियाओं को सलाखों के पीछे पहुंचाने का काम किया।

उन्होंने दावा करते हए कहा कि प्रदेश की सभी सातों विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाएगी, जनता के आशीर्वाद से सभी सीटों पर भाजपा की जीत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की प्राथमिकता को देखते हुए पानी, बिजली और रोजगार की दिशा में कार्य शुरू किया। पहले ईआरसीपी पर कार्य करते हुए एमओयू किए, फिर बिजली के क्षेत्र में 2 लाख 24 हजार करोड के एमओयू

किए और फिर रोजगार सृजन करने की दिशा में राइजिंग राजस्थान शुरू कर करीब 18 लाख करोड़ रूपए के एमओयू करने का काम किया है। ईआरसीपी से सर्वाधिक लाभ टोंक जिले के लोगों को मिलेगा वहीं किसानों को 2027 तक दिन में बिजली देने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान निधि की पहली किस्त जारी कर दी, अब जल्द ही दूसरी आने वाली है। कांग्रेस सरकार सरकारी नियुक्तियों को दबाकर बैठी रही जबकि भाजपा सरकार आते ही सभी विभागों में रिक्त पदों की जांच कर हाल में 90 हजार नियुक्तियों को कैबिनेट में स्वीकृति दी गई। भाजपा जो कहती है वो पूरा करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में चुनाव आते ही कांग्रेस पार्टी जाति, धर्म और झूठ के नाम पर भ्रम फैलाने का काम करती है। कांग्रेस लूट और झूठ पर काम करती है। कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है। देवली में 15 दिन पहले तक जिसको गले लगा रही थी, अब उसे दूर कर दिया। कांग्रेसी नेताओं को देश और राष्ट्र से कोई लेना देना नहीं है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि श्री मोदी और श्री शर्मा के नेतृत्व में देवली–उनियारा विधानसभा क्षेत्र में निश्चित रूप से विकास की गंगा बहेगी। भाजपा प्रत्याशियों की जनसभाओं में आमजनता का उत्साह देखने के बाद यह कहा जा सकता है कि प्रदेश की सभी सातों विधानसभा सीटों पर भाजपा प्रत्याशी प्रचंड बहुमत के साथ जीत दर्ज कराएंगे। श्री राठौड़ ने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए है। भ्रष्टाचारियों की सूची देखें तो सोनिया गांधी आज जमानत पर, राहुल गांधी जमानत पर, प्रियंका गांधी–रोबर्ट वाड्रा, पी–चिदंबरम, हेमेंत सोरेन, डीके शिव कुमार, अनिल देशमुख कीर्ति चिदंबरम, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पुत्र सहित कई नेता भ्रष्टाचार के मामलों में लिप्त है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तो जयपुर के अशोक नगर पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज है। भ्रष्टाचार के मामलों में कांग्रेस पार्टी के अधिकांश नेता जमानत पर आकर राजनीति कर रहे है। कांग्रेसियों ने जनता के पसीने की कमाई को खाने का काम किया जबकि केंद्र की मोदी सरकार ने देश के टैक्स के पैसे को विकास में लगाया और भ्रष्टाचारियों पर नकेल कसने का काम किया। ऐसे में हमें क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित करने के लिए भाजपा के प्रत्याशी को जीताकर विधानसभा में भेजना है और श्री मोदी के साथ श्री भजनलाल शर्मा की ताकत बनना है।

वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक गरीब मुसलमान के हित में : मेघवाल

अलवर, 08 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शुक्रवार को कहा कि वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक गरीब मुसलमान के हित में है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह सबसे सुधारवादी कदम है। श्री मेघवाल ने यह बात आज रामगढ़ विधानसभा के उपचुनाव में रामगढ़ कस्बे में पत्रकार वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा दुष्प्रचार का सहारा लेकर आम जन को भ्रमित करती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज 23 साल से मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री हैं लेकिन कभी भी उन्होंने आरक्षण के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया लेकिन कांग्रेस हमेशा ही आरक्षण का मुद्दा बनाती है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू भी आरक्षण के खिलाफ थे।

उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक जरूर आयेगा, उनके संयोजक जगदंबिका पाल हैं। इसका विरोध भी हुआ था, सरकार ने संसद में इसका जवाब दिया और यह विधेयक गरीब मुसलमान के हित में है। सियासी लोग इसका दुष्प्रचार कर रहे हैं, अब तक जो प्रावधान था, वह पूरी तरीके से गलत था, किसी भी जमीन का रूपांतरण करने ओर सर्वे का अधिकार कलेक्टर को नहीं था। कलेक्टर कोई सर्वे नहीं कर सकता था, लेकिन अब सारे अधिकार गरीब मुसलमान के हित में होंगे और श्री मोदी का यह सुधारवादी कदम होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इसका विरोध किया कहा कि संयुक्त समिति में भेजे वह संयुक्त समिति भी बना दी है, जेपीसी की जो बैठक होगी, उसमें उसका निर्णय होगा। राजस्थान के कामकाज को

लेकर उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा ने जो संकल्प पत्र दिया था, उसका लगभग काम काफी पूरा हो चुका है। कांग्रेस हमेशा दुष्प्रचार करती है।

उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल के 10 साल के कार्य को देख ले और तुलना कर ले कि सबसे ज्यादा काम किसने कराया है और यही कारण रहा कि उनके दुष्प्रचार के कारण कांग्रेस हरियाणा में चुनाव हार गयी। उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान को लेकर इन्होंने कई बार झूठ बोला और हरियाणा के चुनाव में भी संविधान की कॉपी लहराई, लेकिन हालत क्या हुये। उन्होंने कहा कि उनके दुष्प्रचार के कारण लोकसभा में भाजपा को कुछ नुकसान हुआ, लेकिन अब आम जनता समझ चुकी है।

हरियाणा में भाजपा का तीन दिवसीय सदस्यता अभियान शुरू

चंडीगढ़, 08 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीन दिवसीय सदस्यता अभियान की शुरुआत शुक्रवार को मुख्यमंत्री नायब सैनी की प्राथमिक सदस्यता का नवीनीकरण कर शुरू हुई। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत कुमार गौतम, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, सदस्यता अभियान के संयोजक वेदपाल एडवाकेट, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया के अलावा अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। सदस्यता अभियान को लेकर बैठक की गई, जिसमें ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने की योजना पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय महामंत्री ने सदस्यता अभियान को लेकर उपस्थित कार्यकर्ताओं और नेताओं को जरूरी दिशा–निर्देश दिए।

श्री सैनी ने प्राथमिक सदस्यता लेने के बाद आम जनता से भी भाजपा से जुड़ने की अपील की। श्री सैनी ने भाजपा के कार्यकर्ताओं और आम जन से भी अपील करते हुए कहा कि 8800 002024 नंबर पर मिस कॉल करके भाजपा के प्राथमिक सदस्य बनें। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान के शुभारंभ से पहले ही अब तक हरियाणा में पांच लाख से अधिक लोग भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर चुके हैं।

हरियाणा में डीएपी खाद की कमी नहीं : सीएम सैनी

बीते वर्ष जितना स्टॉक आ गया है, सुरजेवाला पर कसा तंज

चंडीगढ़, 08 नवंबर (एजेंसियां)। गेहूं बिजाई सीजन के दौरान डीएपी (डाई–अमोनियम फॉस्फेट) खाद की कमी अब बड़ा मुद्दा बन गया है। विपक्ष सरकार को घेरने में लगा है। प्रदेशभर में डीएपी की मांग अधिक है और इसके मुकाबले इसकी आपूर्ति कम है। इसपर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का कहना है कि प्रदेश में डीएपी खाद की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य में डीएपी की उतनी मात्रा पहुंच चुकी है, जितनी बीते वर्ष हमारे पास थी। खाद आने में थोड़ा समय लग रहा है। क्योंकि खाद को बाहर से इंपोर्ट करना पड़ता है। यूक्रेन और रशिया युद्ध के कारण स्टॉक पहुंचने में भले ही समय लग रहा है, लेकिन प्रदेश के किसानों को खाद की कमी नहीं होने दी जाएगी।

सीएम सैनी ने रणदीप सुरजेवाला पर तंज कसा कि वह हर दिन खाद की कमी का मुद्दा बनाकर प्रेस कांफ्रेंस कर रहे हैं। क्योंकि उनको

टीवी में आने का शौक रहता है। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि डीएपी की आपूर्ति ज्यादातर जॉर्डन, रूस व इजराइल से होती है। वहां से समुद्री जहाज के जरिये डीएपी खाद लाई जाती है, मगर अभी यह रूट बंद होने के कारण जहाज को साढ़े छह हजार किलोमीटर अतिरिक्त सफर तय करना पड़ रहा है। इस कारण से सभी जहाज 15 दिन की देरी से पहुंच रहे हैं। इसी फेर में केंद्र के बाद हरियाणा में डीएपी आने में समय लग रहा है। खास बात ये है कि हरियाणा के किसी भी जिले में डीएपी की कालाबाजारी की शिकायत नहीं मिली है।

पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु का बड़ा बयान

अहंकार की वजह से हारी कांग्रेस, एक ही परिवार की मोनोपली भारी पड़ी

रोहतक, 08 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु का कहना है कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपने अहंकार की वजह से हारी। एक ही परिवार की मोनोपली भारी पड़ गई। यूं कहा जाए कि कांग्रेस एक पार्टी नहीं, बल्कि गुटों का समूह है जो एक–दूसरे को नीचे दिखाने में लगे रहते हैं। वे शुक्रवार को अपने सेक्टर 14 स्थित आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कैप्टन ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा की सत्ता में तीसरी बार आएगी, यह पहले से पता लग गया था, लेकिन कांग्रेस नेता अपने अहंकार के कारण प्रदेश की राजनीति को समझ नहीं सके। कांग्रेस ने रणनीति के हिसाब से भी कई गलतियां की। एक ही परिवार को आगे बढ़ाया, जबकि राजनीति 36 बिरादरी को साथ लेकर की जाती है।

एक सवाल के जवाब में कैप्टन, बोले उनके हलके नारनौंद में कांग्रेस व भाजपा के बीच सीधा मुकाबला था। तीसरा कोई उम्मीदवार ऐसा नहीं था, जो कांग्रेस का वोट बैंक काट सके। 72 हजार वोट लेने के बावजूद भाजपा हार गई। क्योंकि कई बार समीकरण भी मायने रखते हैं। राज्यसभा में जाने के सवाल पर कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि उनकी राज्यसभा में जाने की कोई इच्छा नहीं है। हालांकि पार्टी जो आदेश देगी, वह मंजूर होगा।

दीर्घकालीन सहकारी कृषि एवं अकृषि ऋण ब्याज अनुदान योजना लागू

जयपुर, 08 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्रों में उत्पादन और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से दीर्घकालीन सहकारी कृषि एवं अकृषि ऋणों पर ब्याज अनुदान योजना, 2024–25 लागू करने के आदेश जारी कर दिये हैं।

सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में पहली बार दीर्घकालीन कृषि ऋणों का समय पर चुकारा करने पर सात प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया जायेगा। यह अनुदान वर्ष 2024–25 के दौरान वितरित ऋणों का समय पर चुकता करने पर दिया जायेगा।

श्री दक ने बताया कि राज्य सरकार ने वर्ष 2024–25 के बजट में दो प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान की घोषणा की थी, जिसे किसान हित में प्राथमिकता से लागू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जिन किसानों द्वारा पूर्व में कृषि ऋण प्राप्त किया है और वे अपने ऋण का समय पर चुकारा कर रहे हैं, ऐसे किसानों को पांच प्रतिशत ब्याज अनुदान का लाभ मिलेगा।

उन्होंने बताया कि पहली बार इस योजना के तहत उत्पादक अकृषि ऋणी किसानों को भी सम्मिलित करके लाभान्वित किया गया है। अब उत्पादक अकृषि ऋणों का समय पर चुकता करने वाले किसानों को भी पांच प्रतिशत ब्याज अनुदान का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से समय पर अपने ऋण की किश्तों का भुगतान करने वाले किसानों को प्रोत्साहित करते हुये किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार अधिकाधिक ऋण की सुविधा उपलब्ध कराना है।

श्री दक ने बताया कि यह योजना राज्य के प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक एवं केन्द्रीय सहकारी बैंकों के माध्यम से वितरित कृषि एवं अकृषि ऋणों के समय पर चुकारा करने पर लागू होगी।

एचसीएस अधिकारी पर यौन शोषण के आरोप में मामला दर्ज

हिसार, 08 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में हरियाणा सिविल सर्विस (एचसीएस) के अधिकारी के खिलाफ एक दलित कर्मचारी के यौन शोषण के आरोप में शुक्रवार को मामला दर्ज किया गया है। हिसार पुलिस अधीक्षक शशांक आनंद ने बताया कि यौन शोषण मामले में एचएससी अधिकारी कुलभूषण बंसल के खिलाफ हिसार के सिविल लाइन थाने में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस प्रकरण में शुक्रवार को पीड़ित का बयान दर्ज किया गया।

उन्होंने बताया कि प्रकरण में वीडियो की जांच की जा रही है। घटनास्थल और समय का पता लगाया

जा रहा है। इससे पहले सरकार ने वीडियो सामने आने के बाद गुरुवार रात को ही एचसीएस अधिकारी को निलंबित कर दिया था। आदेश में कहा गया था कि हिसार के हांसी में एसडीएम पद पर तैनात कुलभूषण बंसल को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलंबन के दौरान वह चंडीगढ़ में हरियाणा के मुख्य सचिव कार्यालय में सेवाएं देंगे। मुख्य सचिव की अनुमति के बिना वह मुख्यालय नहीं छोड़ पायेंगे। इसके साथ ही मुख्य सचिव विवेक जोशी की ओर से एक नया आदेश जारी कर हिसार के एचएसवीपी के सम्पत्ति अधिकारी (ईओ) एचसीएस अधिकारी राजेश कोथ को हांसी के एसडीएम पद की जिम्मेदारी दी गई है।पीड़ित ने बताया कि वह मसाज करने का काम करता है। आरोपी अधिकारी ने मसाज करवाने के बहाने प्राइवेट पार्ट में मसाज करवाई और विरोध करने पर पिस्तौल से डराया। लेटर के साथ पीड़ित ने एक वीडियो भी उच्च अधिकारियों को भेजा है, जिसमें अधिकारी उसके साथ गलत काम करता हुआ दिख रहा है।

कश्मीर में अनुच्छेद 370 बहाली को लेकर कांग्रेस नेताओं का दोहरा चरित्र उजागर : राठौड़

जयपुर, 08 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने जम्मू–कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 बहाली को लेकर इंडिया गठबंधन और कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाते हुये कहा कि इससे कांग्रेस नेताओं का दोहरा चरित्र उजागर हुआ है।

कर्नल राठौड़ ने शुक्रवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से कांग्रेसी नेताओं को भारत का विभाजन करने वाला और अलगाववादी विचारधारा को बढ़ावा देने वाला करार देते हुये कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और इनके नेताओं द्वारा लगातार पिछले कई वर्षों से भारत को तोड़ने करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने इनके प्रयासों को विफल कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इनके गठबंधन वाले राजनीतिक दल अनुच्छेद 370 को बहाल करने के लिये चाहे जितने प्रयास कर लें, लेकिन श्री मोदी ने अनुच्छेद 370 का अंतिम संस्कार कर दिया है। यह अनुच्छेद अब वापस खड़ा होने वाला नहीं है।

कर्नल राठौड़ ने कांग्रेसी नेताओं पर सवाल दागते हुये कहा कि श्री गांधी और इनकी पार्टी के नेता यह स्पष्ट करें कि वे अनुच्छेद 370 को हटाने के पक्ष में है या उसे बहाल करने के पक्ष में। देश की जनता के सामने कांग्रेसी नेताओं को स्पष्टीकरण देना चाहिये। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमारे आने वाली पीढ़ी को खंडित और बंटा हुआ भारत देना चाहती है। कांग्रेस सत्ता हासिल करने के लिये देश को बांटने के लिये और खंडित तक करने के लिये तैयार है। कांग्रेस की देश को खंडित करने की मानसिकता अनुच्छेद 370 वापस लाने के नाकामयाब प्रयास से सामने आ गयी है। इनके नेताओं का दोहरा चरित्र देश के सामने आ गया है।कर्नल राठौड़ ने कहा कि श्री गांधी और कांग्रेस ने आज पहली बार देश को विभाजित करने का प्रयास नहीं किया है, इससे पहले भी इन्होंने भारत को तोड़ने वाली ताकतों के साथ हाथ मिलाया है। वर्ष 2010 में जब श्री गांधी जम्मू–कश्मीर गये थे, तो उन्होंने अलगाववादी सोच वाले नेताओं से वार्ता की। जब वह यूरोप और अमेरिका जाते हैं, तो वहां विश्वविद्यालय में भारत के लोकतंत्र को एक खतरा बताते हैं, और यूरोप–अमेरिका को भारत में दखल देने के लिए न्यौता देते हैं। श्री गांधी ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली में टुकड़े–टुकड़े गिरोह का समर्थन किया। इतना ही नहीं, देश की आतंकवाद की घटनाओं में हिन्दू आतंक का नाम दिया, वहीं दूसरी ओर सेना के सर्जिकल स्ट्राइक पर भी इन्होंने सवाल उठाये। इसी कांग्रेस ने अब जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के लिये नेशनल क्रॉन्फ्रेस के साथ समर्थन दिया।

कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि कश्मीर में पहली बार दलित, महिला, बच्चों को और शरणार्थियों को मतदान का अधिकार मिला, तो क्या कांग्रेस उनका यह मतदान का अधिकार छीनना चाहती है । उन्होंने कहा कि भारत के आजाद होने के बाद एक बहुत बड़ी राजनीतिक पार्टी ने भी वह काम किया था जो ईस्ट इंडिया कंपनी ने किया था, कांग्रेस और इनके परिवार के लोगों ने भी देश को लूटने का काम किया है। कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि जम्मू कश्मीर में पिछले 35 साल के दौरान अनुच्छेद 370 के रहते करीबन तीन हजार दिन तक कश्मीर बंद रहा, यानी 35 साल में आठ साल तक बंद रहा और श्री मोदी ने जब से अनुच्छेद 370 को समाप्त किया उसके बाद से कश्मीर आठ घंटे भी बंद नहीं किया गया। कश्मीर में शांति, अमन और चैन रहा। अलगाववाद करीब 70 प्रतिशत कम हो गया। पर्यटन को बढ़ावा मिला, मतदान का अधिकार मिला, सैलानियों की संख्या बढ़ी, लेकिन इंडी गठबंधन यह सब वापस छीनना चाहते हैं।

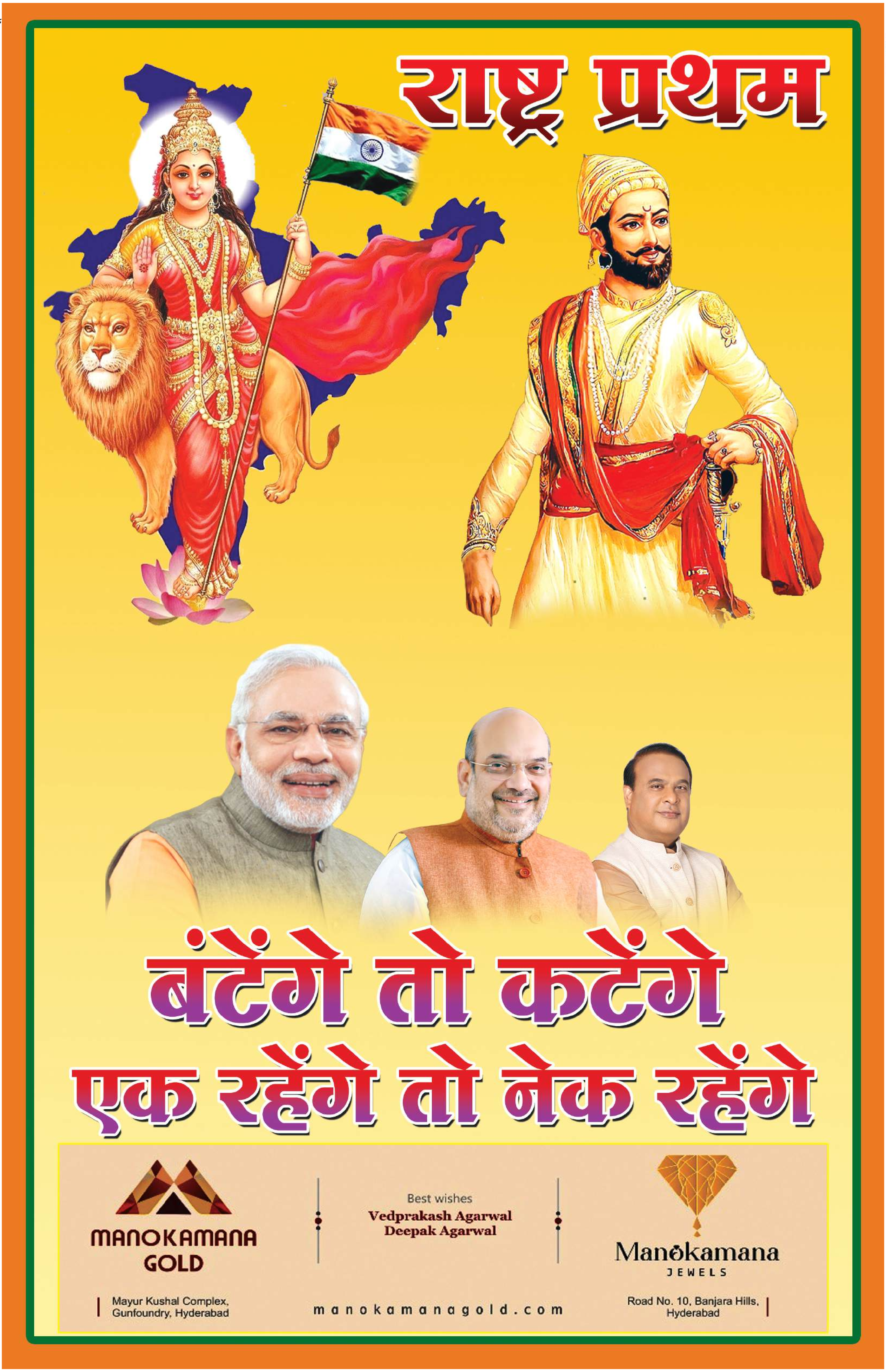

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.